नई दिल्ली
रविवार, 17 दिसंबर, 2023
मार्गशीर्ष मास शुक्ल पक्ष, पंचमी वर्ष : 27, अंक : 252
पृष्ठ 12 मूल्य 2.00

मौसम
अधि. 23
न्यून. 08

हरिभूमि

दिल्ली, हरियाणा, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

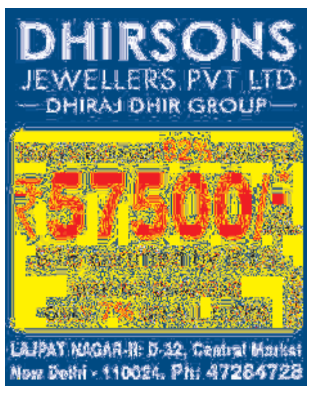

सांसद हनुमान बेनीवाल ने छोड़ी लोकसभा की सदस्यता

नई दिल्ली। राजस्थान के नागौर से सांसद हनुमान बेनीवाल ने सांसद पद से इस्तीफा दे दिया है। आरएलपी सांसद बेनीवाल लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मिले और अपना इस्तीफा सौंपा। बता दें बेनीवाल ने नागौर से सांसद का चुनाव जीते थे।

लेकिन विधानसभा चुनाव 2023 में खींवसर विधानसभा से चुनाव जीतने के बाद लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को इस्तीफा सौंप दिया। साल 2008 में वे भाजपा के टिकट पर खींवसर से पहली बार विधायक चुने गए, लेकिन बाद में उन्होंने भाजपा छोड़ दी और आरएलपी नाम से अलग पार्टी बना ली। विधानसभा चुनाव में इस पार्टी को हार का सामना करना पड़ा। पार्टी के तीन विधायक हार गए। जबकि बेनीवाल खुद ही चुनाव जीत पाए हैं।

विकसित भारत संकल्प यात्रा में पीएम मोदी बोले

अब देश के टीयर टू और टीयर थ्री शहरों के 'विकास पर बल'

पीएम ने 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' के लाभार्थियों से वर्चुअल माध्यम से संवाद किया

मोदी की गारंटी वाली गाड़ी देश के कोने-कोने में पहुंच रही

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को सरकार की योजनाओं से संबंधित 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' के लाभार्थियों से वर्चुअल माध्यम से संवाद किया। इस कार्यक्रम में पीएम नरेंद्र मोदी समेत कई केंद्रीय मंत्री मौजूद रहे। एक महीने में चौथी बार यह देखने को मिला, जब प्रधानमंत्री मोदी ने विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत लाभार्थियों से संवाद किया। उन्होंने कहा कि मोदी की गारंटी वाली गाड़ी हर कोने में पहुंच रही है। पीएम मोदी ने इस अवसर पर विकसित भारत के संकल्प में देश के शहरों की बड़ी भूमिका का जिक्र किया।

पीएम ने कहा कि आजादी के लंबे समय तक जो भी विकास हुआ, उसका दायरा देश के कुछ बड़े शहरों तक सीमित रहा, लेकिन आज हम देश के टीयर टू और टीयर थ्री शहरों के विकास पर बल दे रहे हैं। देश के सैंकड़ों छोटे शहर ही विकसित भारत की भव्य इमारत को सशक्त करने वाले हैं। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा को हरी झंडी भले ही मोदी ने दिखाई है लेकिन सच्चाई ये है कि आज देशवासियों ने उस यात्रा की कमान संभाल ली है। पीएम मोदी ने कहा कि एक जगह जहां पर यात्रा खत्म होती है वहां से दूसरे गांव या शहर के लोग इस यात्रा की अगुवाई करने लग जाते हैं। विकसित भारत के संकल्प के साथ मोदी की गारंटी वाली गाड़ी देश के कोने-कोने में पहुंच रही है। इस यात्रा को शुरू हुए एक महीना पूरा हो चुका है। इस एक महीने में ये यात्रा हजारों गांवों के साथ-साथ डेढ़ हजार शहरों में भी पहुंच चुकी है. इनमें से अधिकतर शहर छोटे शहर हैं।

राज्यस्तरीय कार्यक्रम में शामिल सीएम यादव ने कहा

पीएम मोदी के विकसित भारत के सपने को साकार करेगी यह यात्रा

उज्जैन। मध्यप्रदेश के उज्जैन में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में सीएम डॉ. मोहन यादव विशेष रूप से उपस्थित थे। सीएम डॉ. यादव ने कहा कि यह यात्रा पीएम के विकसित भारत के सपने को साकार करेगी। पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत ने कई क्षेत्रों में विश्व में उत्कृष्ट छवि निर्मित की है। जनकल्याण और विकास के क्षेत्र में देश व प्रदेश में और बेहतर कार्य हो तथा प्रत्येक जरूरतमंद व्यक्ति को शासकीय योजनाओं और कार्यक्रम का लाभ मिल सके, इस उद्देश्य से पीएम मोदी की परिकल्पना के अनुरूप विकसित भारत संकल्प यात्रा आरंभ की जा रही है। यात्रा के माध्यम से जनकल्याण की योजनाओं और कार्यक्रमों का अधिक प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाएगा। यह प्रयास होगा कि इन योजनाओं और कार्यक्रमों के लाभ से कोई भी वर्ग वंचित न रहे।

उन्होंने ने कहा कि अमृत मिशन हो या स्मार्ट सिटी मिशन, इनके तहत छोटे शहरों में मूल सुविधाओं को बेहतर बनाया जा रहा है। गरीब हो, न्यू मिडिल क्लास हो, मिडिल क्लास हो या संपन्न परिवार हो, हर किसी को बढ़ती हुई सुविधाओं का लाभ मिल रहा है।

ये भी कहा पीएम ने

- अटल पेंशन योजना से अबतक देश के 6 करोड़ साथी जुड़ चुके हैं। इसके तहत 60 वर्ष की आयु के बाद हर महीने 5 हजार रुपए महीने पेंशन सुनिश्चित हो रही है।
- आयुष्मान कार्ड के कारण गरीबों का 1 लाख करोड़ रुपए बचा है।
- जन औषधि केंद्रों पर दवाई में 80 फीसदी की छूट है। अगर जनऔषधि केंद्र न होता तो लोगों को 25 हजार करोड़ ज्यादा खर्च करना पड़ता। सरकार अब जन औषधि केंद्र की संख्या बढ़ाकर 25 हजार करने जा रही है।
- पिछले 9 साल में केंद्र सरकार 4 करोड़ से ज्यादा घर बना चुकी है, जिसमें से 1 करोड़ से अधिक घर शहरी गरीबों को मिले हैं।

सांसदों को स्पीकर बिरला का पत्र

लोकसभा की सुरक्षा में सेंध मामले की जांच उच्चस्तरीय समिति करेगी

◆ ऐसे उपाए करेंगे भविष्य में ऐसी घटनाएं दोहराई न जा सकें

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

लोकसभा में घुसे दो लोगों का मामला संसद की सुरक्षा में सेंधमारी के नजरिए से बेहद गंभीर है। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने सांसदों को पत्र लिखकर कहा है कि पूरे मामले की जांच के लिए उच्चस्तरीय समिति का गठन किया गया है।

हंगामे के कारण बाधित हुई दोनों सदनों की कार्यवाही को लेकर लोकसभा स्पीकर ने चिंता जताई। उन्होंने सांसदों से कहा कि सदन को सुचारू रूप से चलाने में सहयोग करना अपेक्षित है।

ओम बिरला ने कहा कि संसदीय परिसर की सुरक्षा के लिए उन्होंने खुद एक उच्चाधिकार समिति का गठन किया है। बिरला ने कहा कि यह समिति पूरे संसद कॉम्प्लेक्स की सुरक्षा से जुड़े अलग-अलग पहलुओं की समीक्षा करेगी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि समिति ऐसे ठोस उपाय और योजना तैयार करेगी जिससे भविष्य में ऐसी घटनाएं दोहराई न जा सकें।

संसद में खुद को आग लगाना चाहते थे आरोपी

संसद में घुसपैठ करने वाले आरोपियों ने पुलिस पूछताछ में एक चौंकाने वाला खुलासा किया है। आरोपियों ने बताया कि उन्होंने संसद में खुद को आग लगाने की भी योजना बनाई थी। साथ ही संसद में पर्चे फेंकने पर भी विचार किया था। हालांकि काफी विचार के बाद उन्होंने इन दोनों विकल्पों को छोड़ दिया और आखिरकार संसद में घुसकर स्मोक कैनिस्टर से रंगीन धुंआ छोड़ने पर सहमत हुए।

सीन रिक्रिएट के लिए आरोपियों को ले जाएगी पुलिस

शुक्रवार को पुलिस आरोपियों को उन जगहों पर लेकर गई, जहां आरोपियों ने मिलकर संसद में घुसपैठ की साजिश रची थी। पुलिस संसद से भी इजाजत लेकर जल्द ही आरोपियों को संसद भवन ले जाकर सीन रिक्रिएट करा सकती है। पुलिस ने मामले में हिरासत में लिए गए महेश कुमवात को भी क्लीन चिट नहीं दी है। महेश पर आरोप है कि उसने मास्टरमाइंड ललित झा को भागने में मदद की थी।

कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व ने दिया मप्र में 'नए नेतृत्व' को मौका

कमलनाथ की छुट्टी, जीतू पटवारी होंगे पीसीसी के 'नाथ'... उमंग नेता प्रतिपक्ष

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

कांग्रेस हाईकमान ने अंततः प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ को पीसीसी के अध्यक्ष पद से हटा दिया। उनकी जगह पूर्व मंत्री जीतू पटवारी प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष का दायित्व संभालेंगे। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष की जवाबदारी युवा आदिवासी विधायक उमंग सिंघार को सौंपी गई है। उप नेता प्रतिपक्ष युवा विधायक हेमंत कटारे को बनाया गया है। जीतू और उमंग दोनों राहुल गांधी कैंप के माने जाते हैं। नए नेतृत्व को मौका देने के मामले में कांग्रेस हाईकमान भी भाजपा की राह पर नजर आया।

महंत होंगे छत्तीसगढ़ विधायक दल के नेता

भूपेश का न 'शह' काम आया, न दे पाए 'मात'

हरिभूमि ब्यूरो, नई दिल्ली। सीएम पद से उतरते ही भूपेश बघेल की दिल्ली में पकड़ ढीली हो रही है। उनकी तमाम कोशिशों के बाद भी वे पहले कुछ नेताओं को पार्टी से बाहर करने के आदेश पर रोक नहीं लगा पाए अब चरण दास महंत को छत्तीसगढ़ विधानसभा में विपक्ष का नेता बनाये जाने की घोषणा संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल के हस्ताक्षर से शनिवार को हो गई।

भूपेश बघेल को विधायक दल का नेता नहीं बनाया गया, न ही उनकी पसंद को नेतृत्व ने कोई तवज्जो दी। भूपेश बघेल ने पूर्व मंत्री युवा नेता, विधायक उमेश पटेल का नाम विधायक दल के नेता के लिए आगे बढ़ाया था। वे इस उम्मीद में थे कि उनके नाम पर सहमति नहीं बनी तो चरण दास महंत को 'शह और मात' देने के लिए उमेश पटेल के नाम की बाजीगरी काम आयेगी, मगर उनकी एक न चली।

पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने कहा, चरण दास महंत ने न केवल अपनी सीट पर शानदार विजय हासिल की बल्कि समूचे कोरबा संसदीय सीट पर कांग्रेस पार्टी को विजय दिलाई। उनके विशाल अनुभव का फ़ायदा पार्टी को मिलेगा इसलिए उनके नाम पर सहमति बनी। चरण दास महंत कोरबा से सांसद रहे तो केंद्र में मंत्री रहे।

दिल्ली से चुराये और झपटे मोबाइल नेपाल में लगाये जा रहे ठिकाने, एक दबोचा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

- मोबाइल रिपेयरिंग की दुकान की आड़ में धंधे को अंजाम दे रहा था, 124 फोन और 19 लाख कैश बरामद

दिल्ली से चुराये और छीने गए मोबाइल नेपाल भेजने वाले रैकेट का क्राइम ब्रांच ने पर्दाफाश किया है। इस सिलसिले में अभी एक शख्स को गिरफ्तार किया है। 124 फोन और 19 लाख रुपए भी बरामद हुये हैं। इस गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने 72 मामले सुलझाने का दावा किया है। आरोपी शख्स का नाम देव नगर, करोल बाग निवासी अली हुसैन (37) है। स्पेशल सीपी रविन्द्र यादव के अनुसार चोरी और छीने गए मोबाइल फोन की ब्रिकी व खरीद के धंधे में लिप्त रैकेट पर टैक्नीकल सर्विलांस के जरिए नजर रखी जा रही थी। इसी दौरान पता चला कि एक शख्स उत्तराखंड में भारत-नेपाल सीमा से अपनी कार में चोरी के मोबाइल फोन नेपाल ले जाता है। वह करोल बाग से चोरी के मोबाइल फोन इकट्ठा करता है। अली हुसैन करोलबाग में मोबाइल रिपेयरिंग की दुकान की आड़ में इस धंधे को अंजाम दे रहा था।

प्रति फोन 1500 से 2500 का लाभ कमा रहा था

वह दिल्ली से नेपाल जाने वाली बसों के ड्राइवरों और हेल्परों के माध्यम से मोबाइल फोन नेपाल पहुंचाता था। करोल बाग से अली को जिस समय पकड़ा तो उसके पास से चोरी के आठ मोबाइल फोन बरामद हुये। बाद में इसके किराए के घर से 116 फोन और 19 लाख रुपए कैश जब्त किया गया। पूछताछ में आरोपी अली हुसैन ने खुलासा किया कि उसका भाई इरफान चोरी के मोबाइल फोन की खरीद बिक्री में शामिल था। भाई की मृत्यु के बाद वह भी इस धंधे का हिस्सा बन गया।

रिसीवरों को महंगे दामों पर बेच रहा था फोन

पिछले तीन सालों से वह एनसीआर से चोरी किए गए मोबाइल फोन आगे नेपाल में मौजूद रिसीवरों को महंगे दामों पर बेच रहा था। मोबाइल फोन खरीदने के बाद वह फोन कवर और स्क्रीन गार्ड आदि बदलकर फोन को नया बना देता था। ताकि चोरी के मोबाइल फोन नेपाल में ग्राहकों को नए लगे और उसे ज्यादा से ज्यादा मूल्य मिल सके। वह 40 मोबाइल फोन का एक बंडल तैयार कर उसे डिब्बों में पैक कर नेपाल जाने वाली पर्यटक बसों के ड्राइवरों व हेल्परों को बैग में मौजूद सामान के बारे में बिना जानकारी दिए देता था। मोबाइल फोन की स्थिति के हिसाब से वह प्रति फोन 1500-2500 का लाभ कमा रहा था। अब तक आरोपी चार हजार से अधिक मोबाइल फोन बेच चुका है। पैसा हवाला के जरिये अली तक पहुंचता था।

खबर संक्षेप

डीसीडब्ल्यू अध्यक्ष मालीवाल ने बस स्टॉप का किया निरीक्षण

नई दिल्ली। दिल्ली महिला आयोग (डीसीडब्ल्यू) की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने सदस्य वंदना सिंह के साथ शुक्रवार शाम को पूर्वी दिल्ली में महिलाओं और लड़कियों की सुरक्षा चिंताओं का आकलन करने के लिए कुछ बस स्टॉप का निरीक्षण किया। शाम करीब पौने सात बजे रमेश पार्क बस स्टॉप के दौरे के दौरान आयोग की अध्यक्ष यह देखकर हैरान रह गयी कि बस स्टॉप पर कोई रोशनी नहीं थी। इसके अलावा, सड़क के उस हिस्से पर स्ट्रीट लाइटें भी काम नहीं कर रही थीं। बस स्टॉप का पिछला हिस्सा भी सुनसान इलाका था। पूरा बस स्टॉप अंधेरे में डूबा हुआ था और वहां से बसों में चढ़ने या उतरने वाली महिलाओं और लड़कियों के लिए असुरक्षित था। इसके अलावा, आयोग की अध्यक्ष ने रमेश पार्क बस स्टॉप से ललिता पार्क तक पुश्ता रोड का निरीक्षण किया। सड़क पर बिल्कुल अंधेरा था क्योंकि कोई भी स्ट्रीट लाइट काम नहीं कर रही थी। यह देखा गया कि कई खंभों पर स्ट्रीट लाइट भी नहीं थी, जिससे सड़क पर अंधेरा था और जगह असुरक्षित थी।

मंत्री आतिशी को दिल्ली की महिलाओं को जवाब देना चाहिए : भाजपा

नई दिल्ली। दिल्ली की लोक निर्माण विभाग मंत्री आतिशी को दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल द्वारा दिल्ली के डार्क स्पॉट्स को उजागर करने के बाद दिल्ली की महिलाओं को जवाब देना चाहिए। दिल्ली भाजपा के प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर ने स्वाति मालीवाल के निरीक्षण के बाद शनिवार को मंत्री आतिशी को घेरते हुए उक्त बातें कहीं। उन्होंने कहा है कि दिल्लीवासी आज एक बार आयोग की अध्यक्ष मालीवाल को दिल्लीवासियों के लिए अच्छी स्ट्रीट लाइट कवर प्रदान करने वाले मंत्री आतिशी के दावों के खोखलेपन को उजागर करने के लिए धन्यवाद देना चाहते हैं। बता दें कि पूर्वी दिल्ली के ललिता पार्क में निरीक्षण के बाद स्वाति मालीवाल ने पीडब्ल्यूडी के मुख्य अभियंता को पत्र लिखकर बस स्टॉप आदि पर खराब स्ट्रीट लाइट पर जवाब मांगा है।

मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

त्रिलोकपुरी: छोटे भाई के सामने युवक की चाकू से गोदकर हत्या

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

त्रिलोकपुरी इलाके में एक युवक की उसके छोटे भाई के सामने ही चाकू से हमला कर हत्या कर दी गई। इस वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी फरार हो गए थे, लेकिन कुछ ही घंटों के भीतर उन्हें पकड़ लिया गया। पुलिस दो आरोपियों को पकड़ उनसे पूछताछ कर रही है। इनके नाम अमन और बाबू बताये गये हैं। शुरुआती तौर पर वारदात के पीछे आपसी रंजिश बताई जा रही है।

पुलिस के मुताबिक गली नंबर 15, त्रिलोकपुरी में तुषार परिवार के साथ रहता था। शुक्रवार रात वह घर पर ही मौजूद था। किसी ने उसे आवाज देकर बाहर बुलाया। इसके बाद झगड़ा शुरू हो गया। शोर शराबा सुनकर तुषार का नाबालिग भाई समीर उसे बचाने पहुंचा तो आरोपियों ने उसे भी डराया धमकाया। तुषार की दोनों जांघों पर चाकू से हमला कर आरोपी भाग गए। इसके बाद छोटे भाई ने पीसीआर कॉल कर इस वारदात की सूचना पुलिस को दी। घायल को लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल ले जाया गया। पुलिस को समीर ने बताया कि वह वारदात के समय मौके पर ही था। अमन और बाबू नाम के दो लड़कों ने उसके भाई पर चाकू से हमला किया था। तुषार की हालत नाजुक होने पर उसे सफदरजंग अस्पताल रेफर किया गया। पुलिस ने मामले में शुरु में हत्या की कोशिश का मुकदमा दर्ज किया, लेकिन इलाज के दौरान घायल ने दम तोड़ दिया, जिससे केस में हत्या की धारा को शामिल किया गया। पुलिस का दावा है कि दोनों आरोपियों को पकड़ लिया है। शुरुआती तफ्तीश में पता चला है कि तुषार पर भी कोई केस दर्ज था। वह तीन दिन पहले ही जमानत पर बाहर आया था। वहीं परिजनों का कहना है कि चार महीने पहले भी तुषार को अगवा करने का प्रयास किया गया था, लेकिन तब बदमाश अपने मंसूबों में कामयाब नहीं हो सके थे।

गाली का बदला गोली मारकर लिया, दो धरे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

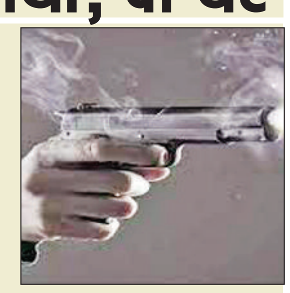

उत्तम नगर इलाके में तीन दिन पहले गोली मारकर हुई एक युवक की हत्या के मामले को पुलिस ने सुलझा लिया है। दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। उनके पास से देशी कट्टा जब्त किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों के नाम सुनील पासवान उर्फ छेदी और अमन उर्फ तात्या बताये गये हैं। दोनों कृष्णा कॉलोनी और हस्तसाल के रहने वाले हैं। सुनील पहले भी तीन मामलों में शामिल रहा है। डीसीपी एम हर्षवर्धन के अनुसार 13 दिसंबर को हत्या की यह वारदात अंजाम दी गई थी। मृतक युवक का नाम राज था। उसके दोस्त ने पुलिस को बताया कि दो लड़के गोली मारकर फरार हो गए। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और टेक्निकल सर्विलांस की मदद से आरोपियों के बारे में जानकारी जुटाई और उन्हें बदरपुर बॉर्डर से दबोच लिया। आरोपियों ने पुलिस को बताया कि राज और उसके दोस्तों ने उन्हें गाली दी थी। सबक सिखाने के लिए इस वारदात को अंजाम दिया गया।

एचटी लाइन मुआवजे की मांग को लेकर सचदेवा व बिधूड़ी से मिले किसान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

- जल्द ही एलजी और सीएम के समक्ष रखेंगे किसानों की समस्या : सचदेवा
- विधानसभा में उठाऊंगा किसानों का मुद्दा : बिधूड़ी
- औचंदी गांव में धरने पर बैठे किसानों ने कहा कृषि भूमि और ग्राम सभा जमीन पर हमारी सहमति बिना कोई योजना लागू न करे प्रशासन

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा तथा दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने औचंदी गांव में चल रहे किसान आंदोलन की मांगों पर सहमति जतायी है। उन्होंने किसानों को आश्वासन दिया है कि जल्द ही उपराज्यपाल और मुख्यमंत्री के समक्ष एचटी लाइन के मुआवजे के मामले को रखेंगे और समाधान कराने का प्रयास करेंगे।

नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने सभी को आश्वासन देते हुए कहा कि सोमवार को दिल्ली विधानसभा में एचटी मुद्दे को उठाएंगे और इस पर चर्चा करने की मांग करेंगे। किसान अधिकार मोर्चा के संयोजक सतेंद्र लोहचब औचंदी के नेतृत्व में किसानों के एक प्रतिनिधिमंडल ने एचटी लाइन और ग्राम सभा के मुद्दे को लेकर शनिवार को प्रदेश कार्यालय में पूर्व विधायक वेदप्रकाश के साथ दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा और नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी से मुलाकात की। निर्माणाधीन एचटी लाइन के मुआवजे और ग्राम सभा भूमि पर ग्रामीणों की सहमति से गांव के उत्थान और संपूर्ण विकास के लिए काम हो और वहां की जमीनों का प्रयोग ग्रामीणों की सहमति से हो, इस मांग को लेकर दिल्ली किसान अधिकार मोर्चा ने भाजपा नेताओं से मुलाकात की।

मेट्रो ट्रेन से घिसटने वाली महिला की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

- मामले पर मेट्रो रेलवे सुरक्षा आयुक्त करेंगे जांच

इंद्रलोक मेट्रो स्टेशन पर 14 दिसंबर 2023 को एक ट्रेन के दरवाजे में कपड़े फंसने के बाद घिसटकर घायल हुई महिला की अस्पताल में इलाज के दौरान हुई मौत पर संज्ञान लेते हुए मेट्रो रेलवे सुरक्षा आयुक्त (सीएमआरएस) इसकी जांच करेंगे।

डीएमआरसी का कहना है कि इंद्रलोक स्टेशन पर गत 14 दिसंबर 2023 को इंद्रलोक मेट्रो स्टेशन पर घटी घटना जहां प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होती है कि एक महिला यात्री के कपड़े ट्रेन में उलझ गए। जिससे वह घायल हो गई और अस्पताल में उपचाराधीन उस घायल महिला यात्री की शनिवार को मौत हो गई। डीएमआरसी ने बताया कि इस दुखद घटना को लेकर सीएमआरएस जांच करेंगे। बता दें कि गुरुवार को रेड लाइन अंतर्गत इंद्रलोक मेट्रो स्टेशन पर दोपहर 1 बजकर 4 मिनट पर एक घटना हुई जिसमें एक महिला यात्री की साड़ी अथवा जैकेट आदि दरवाजे में फंसने के बाद वह मेट्रो के साथ ही घिसटती चली गई। इस घटना में उक्त महिला बुरी तरह घायल हो गई थी, जिसे मेट्रो स्टाफ ने अन्य यात्रियों की मदद से अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में इलाज के दौरान शनिवार को इलाज के दौरान घायल महिला की मौत हो गई। वैसे मेट्रो के अंदर ऐसी घटनाओं से बचने के लिए डीएमआरसी की तरफ से रह रहकर उद्घोषणा की जाती है कि यात्री दरवाजे से हटकर खड़े हो और अपने कपड़ों का पूरा ख्याल रखे। वहीं डीएमआरसी के एक अधिकारी ने बताया कि मेट्रो के दरवाजे में अगर गलती से 15 एमएम यानी एक पेन भी फंस जाए तो दरवाजे बंद नहीं होते। अगर दरवाजा बंद नहीं हुआ तो मेट्रो आगे नहीं चल सकती। लेकिन इस घटना ने डीएमआरसी को एक बार फिर सुरक्षा को लेकर गंभीरता दिखाने पर मजबूर किया है।

सेक्सटॉर्शन रैकेट में फंस गंवाए सवा दो लाख रुपए

नई दिल्ली। दक्षिण जिले के ग्रेटर कैलाश में मंदिर के पुजारी को सेक्सटॉर्शन रैकेट में फंसाकर जालसाजों ने सवा दो लाख का चूना लगा दिया। पहले उनके पास अश्लील वीडियो कॉल की गई थी। इसके बाद ब्लैकमेल कर रकम उगाही गई। मामले की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मिली सूचना के अनुसार पीड़ित संगम विहार जी ब्लॉक में रहते हैं। वह ग्रेटर कैलाश स्थित एक मंदिर में पुजारी है। शुक्रवार शाम करीब चार बजे तबीयत ठीक नहीं होने की वजह से वह अपने कक्ष में आराम कर रहे थे। तभी उनके पास एक व्हाट्सएप वीडियो कॉल आया। उन्होंने कॉल उठाया तो दूसरी तरफ एक महिला नग्न अवस्था में थी। यह देख उन्होंने फोन काट दिया। इसके बाद उनके पास दो बार कॉल आया लेकिन उन्होंने फोन पिक नहीं किया। बाद में एक शख्स ने कॉल कर कहा कि वह द्वारका थाने से है। एक महिला ने उनके खिलाफ थाने में शिकायत दर्ज करायी है। आपका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने वाला है। अगर इसे डिलीट करवा चाहते हो तो दिए गए अकाउंट नंबर में पैसा भेज दो। वरना पुलिस कार्रवाई के लिए तैयार रहे। यह सुनते ही पुजारी परेशान हो गए।

साइबर ठगों का हाई-टेक गिरोह पहुंचा सलाखों के पीछे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

- क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ाने का झांसा देकर करते थे ठगी, सात गिरफ्तार

दक्षिण जिले के साइबर पुलिस थाने की टीम ने ठगी में शामिल एक हाईटेक गिरोह के सात लोगों को गिरफ्तार किया है। ये लोग क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ाने का झासा देकर ठगी करते थे। इनसे अपराध में प्रयुक्त 218 सिमकार्ड, 20 मोबाइल फोन और सात एटीएम कार्ड बरामद हुये हैं।

डीसीपी चंदन चौधरी ने बताया कि शिकायतकर्ता को एक अज्ञात व्यक्ति का फोन आया था, जिसने एक प्रतिष्ठित बैंक के ग्राहक सेवा कार्यकारी के रूप में अपना परिचय दिया था। उनके क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ाने के बहाने कार्ड का विवरण मांगा। इसके बाद उनसे 74,757 रुपये ठग लिये गये थे। आठ दिसंबर को केस दर्ज किया था। सर्विलांस से पता चला कि आरोपी दिल्ली/एनसीआर में लगातार अपना ठिकाना बदल रहे थे। टीम ने मैन्युअल इंटेलिजेंस की मदद से सबसे पहले एक आरोपी को रामफल चौक, सेक्टर सात, द्वारका से उस समय पकड़ा जब वह फर्जी बैंक खातों और सिम कार्ड की डिलीवरी ले रहा था। उसने वहां एक कॉल सेंटर का खुलासा किया। इसके बाद छह और आरोपियों को दबोच लिया गया। इनकी पहचान नितिन कुमार, अखिल तंवर, शिवम सूर्यान, कपिल गुप्ता, सुरेश, सुमित शर्मा और सनी कुमार बताये गये हैं।

बिधूड़ी से मिले पूर्व मार्शल

नई दिल्ली। गत करीब दो महीने से अपनी मांगों को लेकर दिल्ली सचिवालय के बाहर धरना प्रदर्शन कर रहे पूर्व बस मार्शलों ने शनिवार को दिल्ली विधान में नेता विपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी से मिले। मुलाकात को लेकर मार्शलों ने बताया कि नेता विपक्ष बिधूड़ी ने हमारी बातों को बड़े ध्यान से सुना और भरोसा दिया है कि सदन में आवाज उठाएगें।

IndusInd Bank

Office address: 43, Bhageria House, New Friends Colony, New Delhi - 25

HYPOTHECATED REPOSSESSED VEHICLE AUCTION/SALE NOTICE TO GENERAL PUBLIC

IndusInd Bank Ltd. is inviting Quotations in sealed Envelope from General Public for the auction of below vehicles as per below mentioned Soecification on **"AS IS WHERE IS BASIS"** Vehicle's Model & Reaistration No. Given Below

DEAL NO	CUSTOMER NAME	REGISTRATION NO	ENGINE NO	CHASSIS NO	MODEL	YEAR OF MFG
DAA02312G	TIKAM SINGH	UP80GT2677	G12BN1111993	MA3EZLF1T00244177	MARUTI SUPER CARRY CNG BS VI	2022
DAM05199G	PAWAN KUMAR	UP86AT0146	S0H9103153	MBX0006EBYH039594	APE XTRA LDX +PU DIESEL BS6	2022
DAS00871G	SUNIL KUMAR	DL1LAJ6138	275CNG17PXXSH3492	MAT556002NVP72675	TATA ACE	2023
DAS00877G	RAKESH	DL1LAJ6153	275CNG17AWXS08122	MAT556002PVA04721	TATA ACE	2023
DAS00936G	VINOD	DL1LAJ9725	275CNG17BWXS19906	MAT556002PVB09008	TATA ACE	2023
DNG02481G	VIPIN	DL1LAG3442	275CNG17PYXSD4356	MAT556002MVP66531	TATA ACE GOLD CNG BS VI	2022
DNG02506G	VINAY	DL1LAG6434	275CNG17CXXS31227	MAT556002NVC13587	TATA ACE GOLD CNG BS VI	2022
DNG02702G	PANKAJ KUMAR	DL1LAJ3696	275CNG17NXXSG3381	MAT556002NVN67911	TATA ACE GOLD CNG BS VI	2023
DNG02259G	SHYAM KANT	DL1LAF4752	275CNG17HYXS68341	MAT556002MVH37816	TATA ACE GOLD CNG BS VI	2021
DNG02653G	SINGH FRUITS	DL1LAH9848	275CNG17JXXSC4129	MAT556004NVJ51950	TATA ACE GOLD CNG+ BSVI	2022
DDB02570G	CHIDRA PAL	HR38AA2871	AZYWKF79116	MD2B17AY4KWF10917	BAJAJ MAXIMA Z CNG	2019
DDB03469G	AKASH	HR38AE8273	AZXWPK59093	MD2B47AX8PWK24622	BAJAJ RE CNG 4S FI BS VI	2023
DDB02496G	DEENU	HR38AA3543	AZYWKD93109	MD2A27AY8KWD77202	BAJAJ RE COMPACT CNG	2019
DDA01606G	SOHAB AKIL	UP14LT9858	275CNG17PXXSH7219	MAT556002PVA00291	TATA ACE GOLD CNG BS VI	2023
DMM03612G	SHAN MOHD	UP15GT1473	TEBM26892	M33TUP22J026882	THUKRAL 3W E-RICKSHAW	2023
DAB00667G	NIRAJ NHE	UP13CT3180	275CNG17HXXSA9804	MAT556002NVH46017	TATA ACE GOLD CNG+ BSVI	2022
DDS00621G	AAMIR JARAR	UP11CT2583	UGN3J02397	MA1KP2UGEN3J67127	MAHINDRA JEETO PLUS 16 BS VI	2022
DUZ01159G	SAMEER	UP12BT8387	800CCDI04FXXS85791	MAT559007NYF29465	TATA ACE HT PLUS BSVI	2022
ULY04623G	SHAKEEL AHAMAD	UP25FT1611	XUN6D19192	MA1FN2XURN6D59691	MAHINDRA SUPRO PROFITTRUCK MINI LX BS 6	2023
UYN00441G	GAJENDRA SINGH	UP24AT3794	XUM6H21020	MA1FN2XURM6H60160	MAHINDRA SUPRO PROFITTRUCK MAXI CBC VX BS 6	2022
DDM03260D	YASHPAL SINGH	UP70KT9579	B5.6B6A180D02122E 63907252	MAT775010N1E16578	TATA LPT 3118 TC/52 TANKAR	2022
DSG00642D	KRISHAN TRANSPORT	HR55AM1119	NEPZ125500	MB1A3HCDXNAEM7604	ASHOK LEYLAND 1615 HE 5200 MM WB CHA	2022
DNE01472C	LALIT KUMAR	HR51CH7211	G12BN1096822	MA3ERLF1S00A43363	MARUTI EECO 5 STR AC (O) CNG BS VI	2022
DNE00710C	AMAR JEET	HR893305	F8DN6266660	MA3FUA61S00F15242	MARUTI ALTO K10B LXI 998CC BSIV METALLIC	2019
DAS03799L	SHRI BANKE BIHARI TRADERS	DL1LAJ1080	UKN1F25631	MA1ZN2UKKN1F61289	BOLERO PIK-UP CNG PS BS VI	2022
DDZ02851L	CHAMAN	DL1LAJ3138	UKN1D23915	MA1ZP2UKKN1D46019	BMT PLUS CNG PS BS VI	2023
DDZ02908L	SURAJ	DL1LAB7437	EAJ1K18159	MA1ZN2EAKJ1K83295	BOLERO CAMPER GOLD LS	2023
DGP01578L	SUMAN	HR55AN3885	NDHZ426209	MB1AZGCDXNRDB4119	AL 1815 HE 4750MM 22FT DAY CABIN HSB BS6	2022
DNE01701L	MUKESH	UNREGD	SLTNG6CN275607	MBUWEL4HCN0283617	SML SARTAJ HG 72 14FT BS VI	2022
DSG00183L	MUSTKIM MOHAMAAD	DL01VC3871	38SGI72CRY810236	MAT551101J0D04986	TATA LP 407/34 BUS CHASSIS 28+2 STR BSIV	2019

The Person who are willing to purchase above Mentioned vehicles may contact IndusInd bank Ltd. to above mention address and submit the Quotation in special format within 2 days of this Publication Notice. It shall be the responsibility of the purchaser to pay all the tax arrears, Parking of the vehicle. He will also be responsible to Complete all the RTO formalities relating to ownership transfer his name. Bank will not be responsible for any dispute relating to the vehicle after its sale, bank has authority to cancel the auction at any stage without given any prior notice. The Vehicle will be sold to higher Bidder and the decision of bank shall be Final & Binding to all in this regards.

Place : New Delhi

Contact Person : Yogesh Saini, Mob.No: 8860862245

कुमावत ने भी पुलिस स्टेशन पहुंचकर किया था सरेंडर

संसद सुरक्षा चूक मामले में छठा आरोपी सात दिन के रिमांड पर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

संसद सुरक्षा चूक मामले में पुलिस द्वारा छठा आरोपी महेश कुमावत शनिवार को पटियाला हाउस कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने सात दिन का पुलिस रिमांड मंजूर किया है। अन्य आरोपियों के साथ बैठाकर अब इससे आमने सामने पूछताछ की जाएगी। महेश को भी ललित झा के बाद दूसरा मास्टमाइंड माना जा रहा है।

दिल्ली पुलिस का दावा है कि महेश कुमावत आरोपियों के मोबाइल फोन को नष्ट करने में शामिल था। देश में अराजकता फैलाने की यह सोची समझी साजिश थी। पुलिस की तरफ से 15 दिन के रिमांड का अनुरोध कोर्ट से किया था। लेकिन बाकी आरोपियों की तरह ही सात दिन का रिमांड पुलिस को मिला। महेश कुमावत ने भी सह-आरोपी ललित झा के साथ पुलिस स्टेशन पहुंचकर सरेंडर किया था। बाद में लोकल पुलिस ने दोनों को स्पेशल सेल को सौंपा था। बाद में पुलिस ने दोनों की गिरफ्तारी दिखाई।

जले हुये मोबाइल के अवशेष बरामद

केस में स्पेशल सेल की पूछताछ लगातार चल रही है। पूरे केस के मास्टरमाइंड कहे जाने वाले ललित झा और महेश कुमावत की निशानदेही पर पुलिस ने जले हुये मोबाइलों के कुछ अवशेष बरामद किये हैं। पुलिस सूत्रों का कहना है कि उन्हें जांच के लिये एफएसएल भेजा गया है। पुलिस उसे डाटा रिकवर करने का प्रयास करेगी।

पुलिस की पूछताछ में नये नये खुलासे केस को लेकर किये जा रहे हैं। सागर शर्मा से पूछताछ में पता चला कि संसद के बाहर खुद को आग लगाना भी इनके प्लान का हिस्सा था। लेकिन उसे ज्वलनशील जैल नहीं मिल पाया था। इन्होंने ऑनलाइन जैल मंगवाने का भी प्रयास किया था। संसद की रेकी करने के दौरान इन्होंने पाया था कि वहां जूतों की जांच नहीं की जाती। इसलिये उन्होंने जूतों के अंदर खास जगह बनाकर उसमें स्मॉक शॉट ले जाने का प्लान बनाया था। पुलिस की एफआईआर में चार शॉट का जिक्र है। जिसमें से तीन का इस्तेमाल किया गया था। इसके अलावा पुलिस को यह भी पता चला कि पुलिस उन्हें ना पकड़ पाये इसलिये वे सेफ चैट्स कर रहे थे। इसके लिये सिग्नल एप का इस्तेमाल किया जाता था। आरोपी धीरे धीरे अपने ग्रुप में और युवाओं को भी जोड़ने का प्रयास कर रहे थे।

बीजेपी सांसद के भी बयान होंगे दर्ज

उधर कर्नाटक के मैसूरु से भाजपा सांसद प्रताप सिम्हा का भी दिल्ली पुलिस जल्द बयान दर्ज करेगी। दिल्ली पुलिस सूत्रों का कहना है कि सांसद से संपर्क किया गया है। उन्होंने अगले सप्ताह बयान देने की बात कही है। वह अगले सप्ताह दिल्ली स्थित अपने आवास पर लौटेंगे। इन्हीं के निजी सहायक द्वारा पास जारी करने पर सागर शर्मा व मनोरंजन संसद भवन के अंदर सदन तक पहुंचने में कामयाब हुए थे।

खबर संक्षेप

राज्य सैनिक बोर्ड से आए कर्मियों को हटाने की तैयारी कर रही है निगम महापौर : इक़बाल सिंह

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम में कार्यरत राज्य सैनिक बोर्ड के कर्मियों के प्रतिनिधिमंडल ने दिल्ली नगर निगम में नेता विपक्ष व पूर्व महापौर राजा इक़बाल सिंह से शनिवार को मुलाक़ात की। राजा इक़बाल सिंह ने बताया कि दिल्ली नगर निगम की महापौर डॉ शैली ओबरॉय अब राज्य सैनिक बोर्ड से आए कर्मियों को हटाने की तैयारी में है। उन्होंने बताया कि इन कर्मियों का कॉन्ट्रैक्ट 31 दिसंबर को ख़त्म होना है और इस बार इनका कॉन्ट्रैक्ट आगे नहीं बढ़ाया जाएगा इसकी सूचना इनको प्राप्त हुई है। नेता विपक्ष ने बताया कि राज्य सैनिक बोर्ड से आए कर्मचारी भारतीय सेना, नौसेना व वायुसेना से सेवानिवृत्त होकर आते हैं और फिर निगम राज्य सैनिक बोर्ड से संविदा आधार पर नियुक्ति करती है। उन्होंने बताया कि ये सभी कर्मचारी हमारे देश की आन बान और शान है और आम आदमी पार्टी द्वारा यदि इन्हें हटाया गया तो भाजपा इसके खिलाफ विरोध प्रदर्शन करेगी।

यमुना में अमोनिया की मात्रा बढ़ने से जल शोधन हुआ प्रभावित

नई दिल्ली। यमुना नदी में अमोनिया की मात्रा बढ़ने के बाद दिल्ली के विभिन्न क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति प्रभावित होने का अंदेशा बढ़ गया है। दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) के एक अधिकारी का कहना है कि शनिवार को यमुना नदी में खतरनाक अमोनिया की मात्रा बढ़ने से जल शोधन प्रभावित हो गया है। जिसके बाद संभावित है कि दिल्ली के कई क्षेत्रों में जल संकट खड़ा हो जाए। अधिकारी का कहना है कि यमुना नदी में प्रदूषण तय मानकों से कहीं अधिक हो गया है। मात्रा 1.7 पीपीएम से अधिक है और यह डीडी-8 के माध्यम से यमुना नदी में वजीराबाद तालाब तक प्राप्त किया जा रहा है।

'निर्देश के बाद भी पिछले छह माह से नहीं हो रहा है कोई सुधार'

31 दिसंबर तक कराई जाए सड़कों पर सभी गड्ढों की मरम्मत : आतिशी

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली सरकार में लोक निर्माण विभाग मंत्री आतिशी ने सड़कों की दयनीय स्थिति को लेकर लोक निर्माण विभाग के प्रमुख सचिव को निर्देश जारी कर कहा है कि संबंधित सड़कों पर सभी गड्ढों की मरम्मत 31 दिसंबर 2023 तक कराई जाए और गड्ढों की मरम्मत की दैनिक रिपोर्ट मेरे कार्यालय को भेजनी होगी। लोक निर्माण विभाग उन सभी सड़कों की सूची बनाएं जिन्हें दोबारा सतह बनाने की आवश्यकता है। सभी टूटी सड़कों का नवीनीकरण एक फरवरी 2023 तक शुरू होना है और फरवरी के अंत तक पूरा होना है। मंत्री ने कहा है कि यह सुनिश्चित करना पीडब्ल्यूडी प्रमुख सचिव की व्यक्तिगत जिम्मेदारी है कि इन समय-सीमाओं का कड़ाई से पालन किया जाए। एक भी दिन की देरी करने वाले अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए।

- देरी करने वाले अधिकारियों के खिलाफ की जानी चाहिए सख्त कार्रवाई

सड़कों की खस्ता हालत को देखते हुए गंभीर दुर्घटनाएं संभव

मंत्री ने लोक निर्माण विभाग की सड़कों की कुछ तस्वीरें भी सचिव को भेजी है। इन सड़कों की हालत चौंकाने वाली है। इन सड़कों की खस्ता हालत को देखते हुए गंभीर दुर्घटनाएं संभव हैं। लोक निर्माण विभाग की ढिलाई और उदासीनता का खामियाजा दिल्ली के लोगों को भुगतना पड़ रहा है और यह स्वीकार्य नहीं है।

चलने लायक भी नहीं है कुछ सड़कें

मंत्री आतिशी ने शनिवार को कहा कि 60 फीट से अधिक चौड़ी सभी सड़कों का रखरखाव लोक निर्माण विभाग द्वारा किया जाता है। हालांकि, शहर के कई हिस्सों में ये सड़कें खस्ता हालत में हैं। कई सड़कों पर गड्ढे हैं, कई सड़कों में बड़ी-बड़ी दरारें हैं जिनकी मरम्मत की जरूरत है और कुछ पूरी तरह से टूटी हुई हैं और चलने लायक नहीं हैं। मंत्री ने कहा कि पिछले 6 महीनों से मैं बार-बार पीडब्ल्यूडी को इन सड़कों का रखरखाव सुनिश्चित करने का निर्देश दे रही हूं, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई है। यह इस तथ्य के बावजूद है कि मैंने इस मुद्दे पर कम से कम 10 बैठकें की हैं और पीडब्ल्यूडी अधिकारियों के साथ कई स्थानों का निरीक्षण भी किया है।

दिल्ली में विकसित भारत संकल्प यात्रा में शामिल हुए केंद्रीय मंत्री व भाजपा नेता

नई दिल्ली। देश भर में चल रहे विकसित भारत संकल्प यात्रा के अंतर्गत दिल्ली के सिविक सेंटर, दक्षिणपुरी और संजय कैंप

चाणक्यपुरी में कार्यक्रम का आयोजन किया। सिविक सेंटर में केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल, स्मृति ईरानी, भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बैजयंत जय पांडा, दिल्ली भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा और उपाध्यक्ष दिनेश प्रताप सिंह, दक्षिणपुरी कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया एवं सांसद रमेश बिधूड़ी और संजय कैंप चाणक्यपुरी में केंद्रीय राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी ने विकसित भारत संकल्प यात्रा में भाग लिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का सम्बोधन सुनने के बाद विभिन्न कार्यक्रमों को सम्बोधित करते हुऐ केन्द्रीय मंत्रियों ने कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा निकालने का मुख्य उद्देश्य मोदी सरकार की प्रमुख योजनाओं में परिपूर्णता हासिल करना है और इसके तहत यह सुनिश्चित किया जाएगा कि इन योजनाओं का लाभ सभी लक्षित लाभार्थियों तक समयबद्ध तरीके से पहुंचे। भाजपा नेताओं ने कहा कि भारत संकल्प यात्रा उन लोगों तक पहुंचने का एक महत्वपूर्ण माध्यम बन गई है जो अब तक सरकारी योजनाओं से नहीं जुड़ पाए हैं।

अवैध कृषि भूमि कोलोनाइजेशन के खिलाफ नगर निगम ने की कार्रवाई

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम ने जहांगीरपुरी में कृषि भूमि के अवैध कोलोनाइजेशन के खिलाफ अभियान आरम्भ किया। इसमें वार्ड नंबर 18, खसरा नंबर 444, जहांगीरपुरी में कृषि भूमि के अवैध कोलोनाइजेशन के खिलाफ महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। यह कार्रवाई भलस्वा डेरी पुलिस स्टेशन क्षेत्र में की गई है। दिल्ली नगर निगम प्रशासन ने शनिवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि दिल्ली नगर निगम ने जेसीबी मशीनरी और निगम कर्मियों के साथ, निर्दिष्ट स्थान पर अवैध निर्माण को समाप्त करने के लिए कड़े कदम उठाए हैं। यह क्षेत्र राम रहीम चौक के पास खसरा नंबर 444 में लगभग चार हजार वर्ग गज तक फैला है। यहां पर कुछ कोलोनाइजर/बिल्डर द्वारा चार दीवारी, कमरे और सीमेंट की सड़कें बनाकर भूमि की प्लॉटिंग की थी। निगम द्वारा की गई इस कार्रवाई के दौरान, पूरी कॉलोनी में सीमेंट की सड़कें, चार दीवारी, साथ ही अवैध रुप से निर्मित कमरों को गिरा दिया गया है। दिल्ली नगर निगम द्वारा की गई इस कार्यवाई में भलस्वा डेयरी पुलिस स्टेशन ने सक्रिय सहयोग देकर महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

बुक की गई सभी संपत्तियों को दिया जाए बिजली कनेक्शन : भाजपा

नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा ने एमसीडी द्वारा अनधिकृत निर्माण के लिए बुक की गई उन सभी संपत्तियों को बिजली कनेक्शन देने की मांग की है जो खासकर नियमन सूची जैसे अनधिकृत कॉलोनियों में है। दिल्ली भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा और विधानसभा में नेता विपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने शनिवार को एक संयुक्त प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए उक्त बातें कही। सचदेवा ने कहा है कि वास्तव में पावर डिस्कॉम के अधिकारी बुक की गई संपत्तियों पर बिजली कनेक्शन नहीं देना चाहते हैं क्योंकि इससे उनका प्रति माह करोड़ों रुपये का प्रोटेक्शन मनी घोटाला खत्म हो जाएगा। वहीं, दिल्ली विधानसभा में नेता विपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा कि दिल्ली विशेष कानून 2006 के तहत 2026 तक पुन संरक्षित सभी संपत्तियों को अगले एक महीने के भीतर बिजली कनेक्शन दिया जाना चाहिए। दिल्ली भाजपा मीडिया प्रमुख प्रवीण शंकर कपूर ने प्रेस वार्ता का संचालन किया और कहा भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा के नेतृत्व में हम अब सभी को बिजली कनेक्शन के लिए संघर्ष करेंगे। दोनों भाजपा नेताओं ने कहा कि दिल्ली जल बोर्ड बुक की गई संपत्तियों को पानी का कनेक्शन दे रहा है, लेकिन पावर डिस्कॉम यह कहते हुए बिजली कनेक्शन देने से इनकार कर रही है कि एमसीडी पहले संपत्तियों के अवैध निर्माण को क्लियर करे, जो कई कानूनी कारणों से अभी संभव नहीं है।

केजरीवाल अगले सप्ताह 10 दिवसीय विपश्यना सत्र में शामिल होंगे

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल अगले सप्ताह 10 दिवसीय विपश्यना ध्यान कार्यक्रम में शामिल होंगे। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। केजरीवाल दिल्ली विधानसभा का शीतकालीन सत्र समाप्त होने के एक दिन बाद 19 दिसंबर को राष्ट्रीय राजधानी से रवाना होंगे हालांकि अभी यह ज्ञात नहीं है कि वह कहां जा रहे हैं। विपश्यना ध्यान की एक प्राचीन भारतीय पद्धति है जिसमें अभ्यासकर्ता अपने मानसिक कुशल क्षेम के लिए लंबे समय तक मौन रखते हैं। मुख्यमंत्री लंबे समय से विपश्यना का अभ्यास कर रहे हैं और पिछले कुछ वर्षों में बेंगलुरु और जयपुर सहित कई स्थानों पर जा चुके हैं। अधिकारियों ने कहा कि केजरीवाल हर साल 10 दिवसीय विपश्यना सत्र के लिए जाते हैं और इस साल वह 19 से 30 दिसंबर तक सत्र में शामिल होंगे।

खबर संक्षेप

सीजेएम ने ओल्ड एज होम का किया निरीक्षण

फरीदाबाद। जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं चेयरमैन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण संदीप गर्ग के निर्देशानुसार सुकीर्ति गोयल सीजेएम ने ताऊ देवीलाल ओल्ड एज होम का दौरा कर औचक निरीक्षण किया। जहां निरीक्षण के दौरान आश्रम में कुल 65 बुजुर्ग मिले। जिनमें 23 महिलाएं 42 पुरुष बुजुर्ग थे।

हाई सिक्योरिटी नं. प्लेट न होने पर चालान काटे

फरीदाबाद। ट्रैफिक पुलिस द्वारा विशेष अभियान के अन्तर्गत हाई सिक्यॉरिटी नंबर प्लेट न होने तथा

ड्रिंक एंड ड्राइविंग वाले 169 चालकों के चालान काटकर जुर्माना लगाए। हाई सिक्यॉरिटी नंबर प्लेट के 136 तथा ड्रिंक एंड ड्राइविंग के 33 चालान किए गए। डीसीपी ट्रैफिक ने बताया कि यातायात नियमों व सड़क सुरक्षा के बारे में ट्रैफिक पुलिस द्वारा लगातार लोगों को जागरूक किया जा रहा है।

नाबालिक को किया परिजनों के हवाले

फरीदाबाद। थाना शहर बल्लबगढ की पुलिस चौकी चावला कॉलोनी प्रभारी देवदत्त की

टीम ने लापता नाबालिग को बरामद कर परिजनों के हवाले किया है। नाबालिग 7वीं कक्षा में पढ़ती है। जो परिजनों के द्वारा स्कूल ना जाने पर डांट दिया था जिसके कारण लड़की घर से निकल गई थी। परिजनों ने पुलिस चौकी चावला कॉलोनी में सूचना दी।

जमीन के फर्जी खरीदार विक्रेता बनकर ठगे

गाजियाबाद। जमीन की खरीद-फरोख्त में मुनाफे के लालच में आकर युवक ने आठ लाख रुपए

गवां दिए। बाद में जमीन मालिक, सौदा करने वाला दलाल और खरीदने वाला ग्राहक फर्जी निकले। आरोपियों का मोबाइल बंद आने पर पीड़ित ने डीसीपी सिटी से गुहार लगाई। सिहानी गेट पुलिस ने सीए समेत 4 पर धोखाधड़ी का केस दर्ज किया है। मुनाफा देने की बात कह दो लाख रुपए उधार लिए थे।

रेस्तरां में सगे भाइयों को बाउंसरों ने धुना

गुरुग्राम। सुशांतलोक थाना एरिया के एक रेस्तरां में बाउंसरों द्वारा दो सगे भाईयों से मारपीट करने का

मामला सामने आया है। पीड़ितों ने गेट पर जमा कराई गई वाईन वापिस मांगी तो बाउंसरों ने बवाल खड़ा कर दिया। पूरा घटनाक्रम सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया। सुशांत लोक थाना पुलिस मौके पर पहुंची और केस दर्ज कर सीसीटीवी फुटेज कब्जे में लेकर जांच शुरु कर दी है।

आवाज देकर युवकों ने महिला से चेन झपटी

गुरुग्राम । सेक्टर-40 थाना एरिया में आवाज देकर बाइक सवार युवकों ने एक महिला से लॉकेट

सहित चेन झपट ली। महिला अपने बेटे को छोड़कर घर जा रही थी। महिला की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर छानबीन कर दी है। शिकायत में मनुराधा ने कहा कि बाइक सवार युवकों ने हैलो मैम कहकर उन्हें आवाज दी। पलटकर देखा तो एक युवक ने उनके गले से सोने की चेन लॉकेट छीन लिया।

पुलिस की टुकड़ी ने मातमी धुन के साथ राइफल झुका कर स्लामी दी

जवान सुरक्षा में सीमा पर तैनात हैं, तभी हम सुरक्षित हैं

जिला सैनिक एवं अर्ध सैनिक कल्याण बोर्ड द्वारा विजय दिवस के सुअवसर पर विजय दिवस समारोह का आयोजन किया गया। यह समारोह फरीदाबाद के वार मेमोरियल कंपलेक्स सेक्टर-12 में मनाया गया।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

शहीदों की चिताओ पर लगेंगे हर वर्ष मेले बस एक यही निशा बाकी रहेगा की बात को चरितार्थ करते जिला सैनिक एवं अर्ध सैनिक कल्याण बोर्ड द्वारा विजय दिवस के अवसर पर विजय दिवस समारोह का आयोजन किया गया। यह समारोह फरीदाबाद के वार मेमोरियल कंपलेक्स सेक्टर-12 में मनाया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपायुक्त विक्रम सिंह उपस्थित रहे। डीसी विक्रम सिंह ने उपस्थित सैनिकों और वीरांगनाओं तथा सैनिकों के सभी परिवारों को विजय दिवस की शुभकामनाएं और बधाई दी। उन्होंने वार मेमोरियल में शहीद स्मारक पर शहीदों को पुष्प चक्र अर्पित कर पुलिस की टुकड़ी द्वारा मातमी धुन के साथ राइफल झुका कर स्लामी देने उपरान्त दो मिनट का मौन धारण कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

डीसी विक्रम सिंह ने वार मेमोरियल पर पुष्प अर्पित कर शहीदों को विजय दिवस पर दी श्रद्धांजलि

डीसी विक्रम सिंह ने कहा कि हमारे देश के जवान रात-दिन देश की सुरक्षा में सीमा पर खड़े हैं, इसी कारण हमारा देश सुरक्षित है और हम निश्चित होकर अपना जीवन व्यतीत कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम सभी को अपने वीर जवानों पर गर्व है जो राष्ट्र सेवा में अपना सर्वोच्च बलिदान देने के लिए भी तैयार रहते हैं।

डीसी विक्रम सिंह ने कहा कि फरीदाबाद जिला में वार मेमोरियल पूरे प्रदेश में भव्य और आधुनिक सुविधाओं से युक्त बनाया जाएगा। इसके नवीनीकरण कार्य की समीक्षा भी डीसी विक्रम सिंह ने बारिकी से की।

उपायुक्त ने बताया कि 16 दिसंबर 1971 को हमारे वीर सैनिकों ने पाकिस्तान की सेना को युद्ध में पराजित कर विजय प्राप्त की थी और बंगलादेश को पाकिस्तान से आजाद करवाया था, इसी कारण हर वर्ष 16 दिसंबर को विजय दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसलिए 16 दिसंबर 1971 का दिन स्वर्णिम इतिहास में दर्ज हो चुका है। उन्होंने समारोह में उपस्थित युद्ध वीरांगनाओं व वॉर वेटरन्स को सम्मानित भी किया। डीसी विक्रम सिंह ने शहीद स्मारक में प्रदर्शनी हॉल को भी देखा जिसमें हरियाणा के वीर शहीद सैनिकों की गाथा तथा अब तक हुए यादों के इतिहास को बताया गया है। जहां डीसी विक्रम सिंह ने वीरांगनाओं को सम्मानित भी किया।

त्रिखा कालोनी में परिवार पहचान पत्र में त्रुटि दूर करने के लिए लगाया गया विशाल कैम्प

भारत और बांग्लादेश के नागरिकों के दिलों में समान रूप से देशभक्ति की गहरी भावना

प्रदेश के कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा ने हरियाणा प्रोग्रेसिव स्कूल कांफ्रेंस और श्री राम एजुकेशनल सोसायटी द्वारा सेक्टर-12 में आयोजित भारत पाक विजय दिवस कार्यक्रम में शिरकत की।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा की अध्यक्षता में त्रिखा कालोनी में परिवार पहचान पत्र में त्रुटि दूर करने के लिए विशाल कैंप लगाया गया। प्रदेश के परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा ने बल्लभगढ़ विधानसभा क्षेत्र की त्रिखा कॉलोनी स्थित सरकारी मिडिल स्कूल में परिवार पहचान पत्र से संबंधित समस्याओं को दूर करने के लिए लगाए गए विशाल कैंप का उद्घाटन किया। इस कैंप में संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहें। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि 17 दिसंबर को सुभाष कालोनी में यह कैंप लगाया जाएगा । उसके बाद सेक्टर-2 में कैंप का आयोजन किया जाएगा। ताकि लोगों को पीपीपी से संबंधित आने वाली दिक्कत न आए।

बल्लभगढ़ विधानसभा क्षेत्र में रहने वालों को परिवार पहचान पत्र, वृद्धा पेंशन, विधवा पेंशन, आधार कार्ड, उज्जवल योजना जैसे कार्यों से संबंधित समस्याओं को दर्ज करवा कर उनका समाधान करवा सकते हैं। तत्पश्चात प्रदेश के कैबिनेट मंत्री ने हरियाणा प्रोग्रेसिव स्कूल कांफ्रेंस और श्री राम एजुकेशनल सोसायटी द्वारा सेक्टर-12 में आयोजित भारत पाक विजय दिवस कार्यक्रम में शिरकत की। इस मौके पर उन्होंने विभिन्न स्कूलों से आए हजारों स्कूली बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन में हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल हरियाणा में साल 2025 तक नई शिक्षा नीति को लागू करने जा रहे हैं, जिसमें बच्चों को शिक्षा के साथ साथ रोजगार परक और आध्यात्मिक शिक्षा का ज्ञान दिया जाएगा।

खास बातें

- परिवार पहचान पत्र की खामियों को दूर करने 20 से 25 दिसंबर तक जिले में जगह-जगह शिविर
- जिले में 5 .90 लाख परिवार पहचान पत्र

पांच शिविरों में 300 से अधिक परिवार पहचान पत्र की खामियां हुई दुरुस्त

पांच शिविरों में करीब 300 लोगों ने अपने परिवार पहचान पत्रों की खामियों को दुरुस्त कराया। हालांकि इनमें आय की खामियों को दूर नहीं किया गया। इसके लिए जांच के दिशा-निर्देश दिए हैं। संबंधित अधिकारी परिवार की आय की जांच करके पंद्रह दिन में इन खामियों को स्वयं ही दुरुस्त करेंगे।

परिवार पहचान पत्र की खामियों को दूर करने के लिए 20 से 25 दिसंबर तक जिले में जगह-जगह शिविर लगाने की तैयारी प्रशासन ने शुरू कर दी है। शनिवार को जिले में तीन शहरी इलाके में और दो ग्रामीण इलाके में शिविर लगाए गए, जबकि रविवार को सुभाष कॉलोनी में शिविर लगाया जाएगा। जहां लोग अपने परिवार पहचान पत्र की खामियों को दुरुस्त करवा सकेंगे।

जिले में अभी तक करीब 5.90 लाख परिवार पहचान पत्र बनाए गए हैं। जिन परिवारों ने या लोगों ने यह नहीं बनवाए हैं और हरियाणा के निवासी हैं तो कुछ दस्तावेज के साथ इसे बनवा सकते हैं। परिवार पहचान पत्र बनवाने के लिए आधार कार्ड,वोटर कार्ड, बैंक खाता पासबुक और जन्म प्रमाण पत्र जैसे दस्तावेज की आवश्यकता है।

आबकारी संशोधित अधिनियम के तहत

मुख्यमंत्री उड़नदस्ता ने अवैध शराब के ठेके पर की छापेमारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

मुख्यमंत्री उड़नदस्ते की टीम को सूचना प्राप्त हुई कि गांव अटेरना से मोहना को जाने वाले रोड पर जय माता दी ईंट भट्टा के पास एक अवैध शराब का ठेका खुला हुआ है यदि आबकारी विभाग के अधिकारियों को साथ लेकर रेड की जाए तो अवैध शराब ठेके का भंडाफोड़ हो रहा है। इससे राज्य सरकार को लाइसेंस के रूप में प्राप्त होने वाले राजस्व की हानि हो रही है।

सूचना के आधार पर डीएसपी मनीष सहगल के नेतृत्व में राजेन्द्र कुमार व सतबीर सिंह उप निरीक्षक व प्रभु दयाल द्वारा आबकारी निरीक्षक फरीदाबाद महावीर सिंह तथा स्थानीय पुलिस थाना छायंसा के साथ संयुक्त रूप से उक्त शराब के ठेका को चेक किया गया। चेकिंग पर इस शराब ठेका पर राजू उर्फ राजीव पुत्र गनेशी निवासी गांव जवां थाना छायंसा जिला फरीदाबाद बतौर सेल्समैन मौजूद मिला।

महावीर सिंह द्वारा सेल्समेन राजीव से इस स्थान पर ठेका चलाने बारे में लाइसेंस की मांग की गई। जिसने बताया कि उसके पास कोई लाइसेंस या अनुमति नहीं है। यह शराब ठेका अभिषेक राणा द्वारा चलवाया जा रहा है। मौका पर की गई पड़ताल पर यह शराब का ठेका अवैध रूप से चलता पाया गया।

महावीर सिंह द्वारा मौके पर मौजूद सेल्स से करीब एक हजार रुपए व शराब को कब्जा में लेते हुए आरोपी के खिलाफ हरियाणा आबकारी संशोधित अधिनियम के तहत स्थानीय पुलिस थाना छांयसा में मामला दर्ज करने की शिकायत दे दी है।

डीएसपी की सूचना पर पुलिस पहुंची

भोंडसी जेल में हत्यारोपी ने की खुदकुशी, बाथरुम में लगाया फंदा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गुरुग्राम

भोंडसी जेल में एक बंदी ने बाथरूम में फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। कैदी ने गमछे का फंदा बनाया और ग्रिल के सहारे झूल गया। जेल के डीएसपी की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

दरअसल, यूपी के हाथरस निवासी कन्हैया जून 2022 से भोंडसी जेल में था। वह पालम विहार में एक हत्या के मामले में जेल में बंद था। कन्हैया ने शनिवार सुबह बाथरूम के गेट की ग्रिल से

गमछे के सहारे फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। अन्य कैदी जब बाथरूम के पास पहुंचे तो उन्हें घटना की जानकारी मिली। जिसके बाद जेल में हड़कंप मच गया।

जेल के डीएसपी की सूचना पर भोंडसी थाना पुलिस ने बंदी के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया और कार्रवाई शुरु कर दी।

महिला ने ज्वैलरी शोरूम से गायब किया ब्रेसलेट, सीसीटीवी से खुलासा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गुरुग्राम

शहर थाना क्षेत्र स्थित एक ज्वैलरी शोरूम से गायब हुए गोल्डन ब्रेसलेट को महिला द्वारा चोरी किए जाने का मामला सामने आया है। अज्ञात महिला ने सेल्स गर्ल से कई तरह की ज्वैलरी देखी और बाद में ब्रेसलेट को चोरी कर ले गई। गायब ब्रेसलेट को ढूंढने के लिए सीसीटीवी फुटेज देखने के बाद महिला द्वारा चोरी करने की बात उजागर हुई। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

दरअसल, सदर बाजार के निकट अनिल अग्रवाल का एसएस ज्वैलर्स के नाम से शोरूम है। अनिल अग्रवाल का कहना है कि

वह सप्ताह एक बार ज्वैलरी की टैली करता है। गत 13 दिसंबर को उसने ज्वैलरी की टेली की तो उसे एक गोल्डन ब्रेसलेट गायब मिला। जब शोरूम की सीसीटीवी फुटेज चेक की तो गत 5 दिसंबर को इस ब्रेसलेट को चोरी करते एक महिला नजर आई। इस संबंध में शहर थाना पुलिस को शिकायत दे दी। पुलिस ने अज्ञात महिला के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जय श्रीराम के नारे लगाए, गाली-गलौज कर लोगों को आपत्तिजनक शब्द कहे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गुरुग्राम

सेक्टर-5 एरिया के शीतला कॉलोनी में कार सवार युवकों द्वारा एक धार्मिक स्थल के बाहर हुड़दंग मचाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि युवकों ने जय श्रीराम के नारे लगाए और गाली-गलौज करते हुए लोगों को आपत्तिजनक शब्द कहे। युवकों की हरकत सीसीटीवी में कैद हो गई। सूचना मिलने पर एसीपी सतेंद्र कुमार सहित सेक्टर-5 थाना पुलिस मौके पर पहुंची। एसीपी ने मामले की जांच के बाद सख्त कार्रवाई किए जाने का आश्वासन दिया।

शीतला कॉलोनी के ई ब्लॉक में बनी मस्जिद के इमाम नफीस ने पुलिस को बताया कि मस्जिद के बाहर एक कार आकर रुकी। गाड़ी से नीचे तो कोई नहीं उतरा। लेकिन गाड़ी के शीशे नीचे कर युवकों ने पहले गाली गलौज की और बाद में जय श्री राम के नारे लगाते हुए विशेष समुदाय के लोगों के लिए आपत्तिजनक शब्द कहे। लोगों ने जब शोर सुना तो वह घर से बाहर निकले। जिसके बाद युवक अपनी गाड़ी लेकर मौके से भाग गए। पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। सूचना मिलने पर एसीपी सतेंद्र कुमार सहित सेक्टर-5 थाना पुलिस मौके पर पहुंची। एसीपी ने मामले की जांच के बाद सख्त कार्रवाई किए जाने का आश्वासन दिया।

नारेबाजी और गाली गलौज की पुष्टि नहीं हुई

गाड़ी का नंबर आ गया है। गाड़ी रुकने की तो पुष्टि हो रही है, लेकिन नारेबाजी और गाली गलौज की अभी तक कोई पुष्टि नहीं हुई है। मामले में फिलहाल पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। नंबर के आधार पर गाड़ी की तलाश शुरू कर दी गई है। जल्द ही गाड़ी में मौजूद युवकों को काबू कर लिया जाएगा और जांच के बाद जो भी तथ्य सामने आएंगे उसके आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

सतेंद्र कुमार, एसीपी

अरिहंत ट्रस्ट ने शिक्षिकाओं का किया सम्मान

लड़कियों को दें रोज़गारपरक शिक्षा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

अरिहंत चेरिटेबल एजुकेशनल ट्रस्ट की संस्थापक अध्यक्ष डॉ. अलका अग्रवाल ने भारत विकास परिषद वसुंधरा शाखा की मदद से एमबी गर्ल्स इंटर कॉलेज की 150 छात्राओं को जूते और प्रमाण पत्र बांटे। छह शिक्षिकाओं को उनकी उल्लेखनीय सेवाओं के लिए सम्मानित भी किया।

सम्मानित होने वाली शिक्षिकाओं के नाम प्राची यादव, नीलम, लक्ष्मी, रेनू सोनी, गरिमा और गीतांजलि है। गरिमा अरिहंत ट्रस्ट द्वारा कॉलेज में बने निःशुल्क सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र में छात्राओं को सिलाई-कढ़ाई सिखाती हैं, जबकि गीतांजलि अरिहंत के निःशुल्क कंप्यूटर प्रशिक्षण केन्द्र में छात्राओं को कंप्यूटर प्रशिक्षण देती हैं।

एमबी गर्ल्स इंटर कॉलेज की प्रधानाचार्या डॉ. अंतिमा चौधरी, भारत विकास परिषद वसुंधरा शाखा से मीरा और उनकी टीम मौजूद थीं। डॉ. अलका अग्रवाल ने कहा कि लड़कियों को रोज़गारपरक प्रशिक्षण कोर्स सिखाए जाने चाहिए। ताकि वे स्वावलम्बी बने। डॉ. अग्रवाल ने बताया कि उन्होंने कॉलेज की गरीब छात्राओं को स्वावलम्बी बनाने के लिए यहां सिलाई और कंप्यूटर प्रशिक्षण केन्द्रों की स्थापना की हुई है। उन्हें तीन महीने से लेकर साल भर तक के शॉर्ट टर्म सर्टीफिकेट कोर्स कराये जाते हैं।

ऐसा गाजियाबाद में पहली बार हुआ कि किसी ट्रस्ट ने सरकार से बिना आर्थिक सहायता लिये सरकारी विद्यालय में निःशुल्क प्रशिक्षण केन्द्र खोला। एमबी गर्ल्स इंटर कॉलेज की एक इमारत में दो कमरे लेकर और उन्हें सुसज्जित कर प्रशिक्षण कार्य शुरू किया। इसमें 30 कंप्यूटर लगे हैं और 30 ही सिलाई मशीनें लगी हुई हैं।

डॉ. अलका अग्रवाल ने बताया कि बच्चियों को सर्टीफिकेट कोर्स कराए जा रहे हैं। ट्रस्ट की योजना अन्य सरकारी स्कूलों में खासतौर से बच्चियों को व्यवसायिक तौर पर प्रशिक्षित करने और उन्हें स्वावलम्बी बनाने की है।

जेल में मिले 7 एड्स पीड़ित, 1 महिला भी शामिल

स्वास्थ विभाग की स्क्रीनिंग में हेपेटाइटिस-सी के 49 व हेपेटाइटिस-बी के 18 रोगी मिले

सात दिन में 4050 बंदियों की हुई स्क्रीनिंग, एक बंदी एसटीडी पीड़ित भी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

गाजियाबाद की डसना जेल मे सात कैदियों को एचआईवी पॉजिटिव एड्स के लक्षण मिले हैं। इसके बाद हड़कम्प मचा हुआ है। उत्तर प्रदेश एड्स नियंत्रण सोसाइटी के निर्देश पर डासना जेल में स्वास्थ्य विभाग में स्क्रीनिंग कराई थी। इसमें हेपेटाइटिस के 49 और हेपेटाइटिस बी के 18 रोग भी मिले हैं। सभी का उपचार शुरू कर दिया गया है।

सीएमओ डॉ. भवतोष शंखधर ने बताया कि उत्तर प्रदेश एड्स नियंत्रण सोसायटी के निर्देश पर 8 से 14 दिसंबर तक स्वास्थ्य विभाग की ओर से जिला कारागार, डासना में

स्क्रीनिंग कैंप का आयोजन किया गया। सात दिवसीय स्क्रीनिंग कैंप के दौरान कुल 4308 जेल बंदियों में से 4050 की स्क्रीनिंग हुई। स्क्रीनिंग के दौरान जिला कारागार में एसटीडी (सेक्सुअली ट्रांसमिटेड डिजीज), एचआईवी (ह्युमन इम्यूनो डिफिशिएंसी वायरस), टीबी (क्षय रोग) तथा हेपेटाइटिस की जांच की गई। जांच के दौरान सात जेल बंदी एचआईवी (एड्स) पॉजिटिव मिले। इनमें एक महिला बंदी भी शामिल है। सबसे अधिक हेपेटाइटिस-सी के 49 और हेपेटाइटिस -सी के 18 रोगी मिले। एक जेल बंदी एसटीडी पीड़ित भी मिला।

कारागार में बंदियों को जांच के साथ उपचार भी दिया गया

जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. अमित विक्रम ने बताया कि जिला कारागार में लगाए गए सात दिवसीय जांच शिविर में स्वास्थ्य विभाग की ओर से काउंसलर बिहारी ठाकुर, राहुल वर्मा, रेणु यादव और सुमन चौधरी के अलावा लैब टेक्नीशियन जयकेश यादव, नवाब, ललित चौधरी और अवनीश की डयूटी लगाई गई थी। इस दौरान जेल बंदियों की स्क्रीनिंग और जांच के साथ ही जरूरत के हिसाब से काउंसलिंग और उपचार भी प्रदान किया गया। इस दौरान एचआईवी, टीबी, हेपेटाइटिस और एसटीडी से बचाव के बारे में जेल बंदियों को जागरूक किया गया। उन्हें बताया गया - एचआईवी रोगी को छूने, साथ उठने -बैठने और खाने - पीने से यह रोग नहीं फैलता। इस रोग का संचार शरीर से निकलने वाले दृव्य या रक्त के संपर्क में आने से, असुरक्षित यौन संबंधों से, संक्रमित द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली सुई (निडिल) या ब्लेड आदि से हो सकता है।

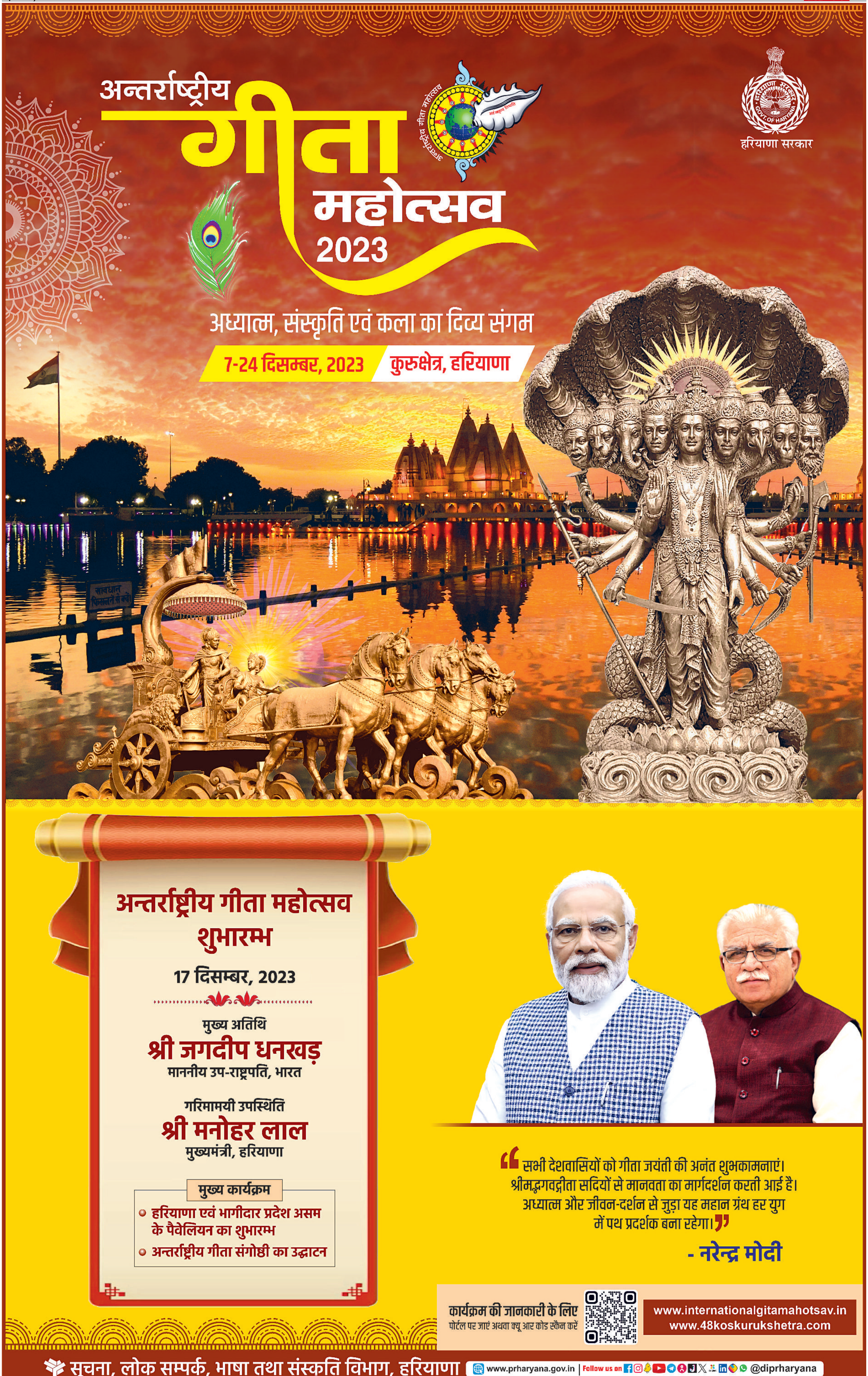
अन्तर्राष्ट्रीय
गीता
महोत्सव
2023
अन्तर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव
हरियाणा सरकार
अध्यात्म, संस्कृति एवं कला का दिव्य संगम
7-24 दिसम्बर, 2023
कुरुक्षेत्र, हरियाणा
अन्तर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव
शुभारम्भ
17 दिसम्बर, 2023
मुख्य अतिथि
श्री जगदीप धनखड़
माननीय उप-राष्ट्रपति, भारत
गरिमामयी उपस्थिति
श्री मनोहर लाल
मुख्यमंत्री, हरियाणा
मुख्य कार्यक्रम
हरियाणा एवं भागीदार प्रदेश असम के पैवेलियन का शुभारम्भ
अन्तर्राष्ट्रीय गीता संगोष्ठी का उद्घाटन
"सभी देशवासियों को गीता जयंती की अनंत शुभकामनाएं। श्रीमद्भगवद्गीता सदियों से मानवता का मार्गदर्शन करती आई है। अध्यात्म और जीवन-दर्शन से जुड़ा यह महान ग्रंथ हर युग में पथ प्रदर्शक बना रहेगा।"
- नरेन्द्र मोदी
कार्यक्रम की जानकारी के लिए
पोर्टल पर जाएं अथवा क्यू आर कोड स्कैन करें
www.internationalgitamahotsav.in
www.48koskurukshetra.com
सूचना, लोक सम्पर्क, भाषा तथा संस्कृति विभाग, हरियाणा
www.prharyana.gov.in | Follow us on @diprharyana

बीत रहा वर्ष 2023 इस मायने में खास रहा कि अपने देश भारत ने इस दौरान विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में कई ऐसी कीर्ति-गाथाएं लिखीं, जो अभूतपूर्व रहीं। इनसे भारत यह साबित करने में सफल रहा कि हम अर्थव्यवस्था के साथ ही वैज्ञानिक महाशक्ति बनने की ओर भी तेज गति से बढ़ रहे हैं। इस वर्ष देश ने जो वैज्ञानिक-तकनीकी उपलब्धियां हासिल कीं, उन पर एक नजर।

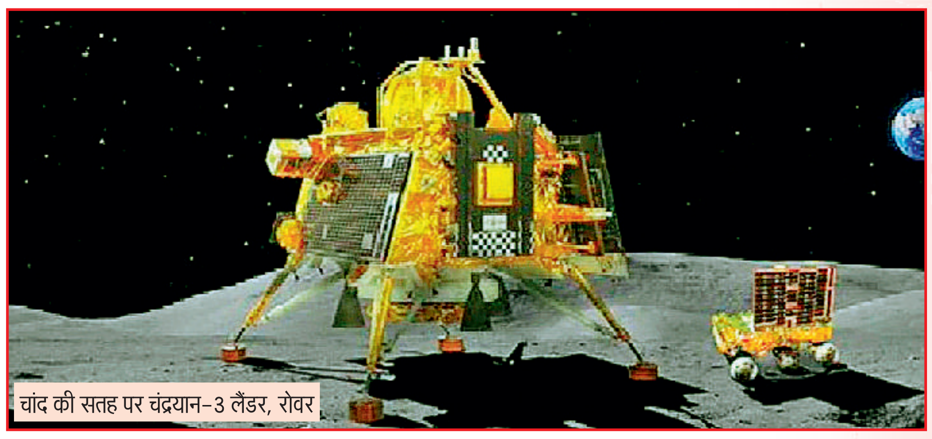
चांद की सतह पर चंद्रयान-3 लैंडर, रोवर

कवर स्टोरी / संजय श्रीवास्तव

विज्ञान-तकनीक 2023

लहराया भारतीय परचम

आज देश अगर तीव्र गति से चौमुखी विकास की ओर अग्रसर है तो इसमें विज्ञान और तकनीक की महत्वपूर्ण भूमिका है। साइंस और टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में बीत रहा वर्ष अपने देश के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धियों वाला रहा।

छू लिया चांद-पहुंचे सूरज के करीब

इसरो द्वारा चंद्रयान-3 के लैंडर को चंद्रमा की सतह के दक्षिणी ध्रुव पर सफलतापूर्वक उतारकर देश ने अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में अभूतपूर्व छलांग लगाई। इसके साथ ही गगन यान की तैयारी संबंधी प्रक्षेपणों की सफलता और सूर्य मिशन के अंतर्गत आदित्य एल-1 के सफल प्रक्षेपण ने इस वर्ष अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में हमारी आशाओं, आकांक्षाओं के

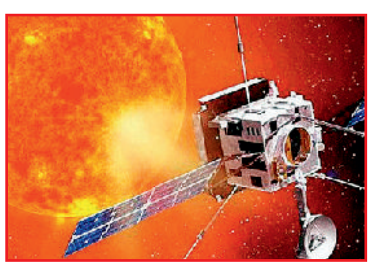

आकाश को और ऊंचा उठा दिया है। इन उपलब्धियों ने हमें यह सोचने की ठोस जमीन दी कि अब अंतरिक्ष में हमारा भी अपना स्टेशन हो सकता है। हमारे वैज्ञानिक भी विश्व के उन्नत तकनीक वाले और अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में ऊपरी पायदान पर रहने वाले देशों के वैज्ञानिकों की तरह वहां रहकर गहन शोध कर सकते हैं। भारतीय वैज्ञानिक, समूचे संसार को यह बताने में कामयाब रहे कि चंद्रमा पर लैंडर उतारना हमारे लिए महज शुरुआत है। हम ना सिर्फ जल्द ही मानव सहित अंतरिक्ष में पहुंचेंगे, मंगल, वृहस्पति और शुक्र तक हमारे शोध के दायरे में होंगे। साथ ही सूर्य के तमाम रहस्यों को सबसे पहले उजागर करने में सक्षम होंगे, वह भी स्वदेशी तकनीक, घरेलू स्टार्टअप्स के भरोसे और बेहद कम लागत पर।

स्पेस रिसर्च में की नई शुरुआत

स्पेस टेक्नोलॉजी में हमारे आगे बढ़ने का मतलब यह नहीं कि हमने मात्र आसमान नापे, इस वर्ष जमीन पर भी कई ठोस काम किए गए। जैसे, महाराष्ट्र के हिंगोली में हमने

एलआईजीओ-इंडिया नाम से ऐसा लेजर इंटरफेरोमीटर ग्रेविटेशनल वेव ऑब्जर्वेटरी विकसित करना शुरू किया, जो ब्लैक होल और न्यूट्रॉन स्टार जैसे विशाल खगोलीय वस्तुओं के विलय के दौरान उत्पन्न गुरुत्वाकर्षण तरंगों की पहचान करने में सक्षम है।

एआई क्षेत्र में बढ़ाए कदम

मात्र अंतरिक्ष में ही नहीं तकनीक और विज्ञान के कई अन्य क्षेत्रों में भी भारतीय वैज्ञानिकों ने अपना परचम लहराया। कृत्रिम बुद्धिमत्ता या आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे क्षेत्र में भारत ने बेहद प्रभावी तरीके से दिखाया कि हम इस क्षेत्र के मजबूत खिलाड़ी बनकर उभरने की कूव्वत रखते हैं। साथ ही भारत का रुझान उन सभी विकसित देशों के विपरीत रहा, जो इसको

खतरा मानते हैं। चैट जीपीटी आने के साथ जब समूचे संसार में इसके इंसानों की जगह ले सकने, दूसरे तमाम भयानक नतीजों पर बहस शुरू हुई तो ग्लोबल टेक्नोलॉजी सम्मेलन में विज्ञान तथा तकनीकी मंत्रालय के हमारे राज्यमंत्री ने कहा कि इससे जनित डीपफेक या सोशल मीडिया टॉक्सिटी से डरने के बजाय हमें आर्टिफिशियल टेक्नोलॉजी प्लेटफॉर्म और नॉन एआई प्लेटफॉर्म को जिम्मेदार बनाना होगा। हमने दुनिया को भरोसा दिलाया कि हेल्थकेयर, एजुकेशन जैसे कई क्षेत्रों में हम एआई का इस्तेमाल करेंगे और इसके 120 अरब डॉलर के बाजार में शानदार उपलब्धियां हासिल करके दिखाएंगे। इस दिशा में देश करीब 85,000 टैलेंटेड इंजीनियर्स का पूल तैयार करने का प्रयास कर रहा है।

इनोवेशन में भी बढ़े आगे

इसी साल साइंस और टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में 5,800 करोड़ रुपए से ज्यादा का खर्च करने की घोषणा हुई। देश में इस साल 25वां नेशनल टेक्नोलॉजी डे की थीम 'स्कूल टू स्टार्टअप्स-इग्नाइटिंग यंग माइंड्स टू इनोवेट' रखना बताता है कि इस क्षेत्र में बुनियादी विकास के लिए सरकार की सोच सही दिशा में है। वैसे भी देश इस साल ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स रैंकिंग में 81वें स्थान से ऊपर उठकर चालीसवें स्थान पर पहुंच गया है। पेटेंट की संख्या तीस हजार तक पहुंची और देश में टेक इन्क्यूबेशन सेंटरों की संख्या आज 650 से ऊपर हो गई, जो दस बरस पहले मात्र 155 थी।

टेक्नो-स्टार्टअप्स में बने लीडर

युवाओं में डिजिटल उद्यम और स्टार्टअप स्थापित करने के बढ़ते रुझान के चलते, इसकी संख्या एक लाख पार कर गई। देश इस साल विश्व का तीसरा सबसे बड़ा टेक्नोलॉजिकल स्टार्टअप इकोसिस्टम बनने में सफल हुआ। इस वर्ष इस बात का एहसास और मजबूत हुआ कि देश टेक लीडर बनने की हर संभव दिशा में आगे बढ़ रहा है। इसके साथ ही कार्बन उत्सर्जन पर रोक लगाकर, जलवायु संकट से निपटने में सहायक हरित तकनीक, बैंकिंग, क्रिप्टोकरेंसी और मेडिकल डाटा की सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकने वाले ब्लॉक चेन के अलावा रोबोटिक्स के क्षेत्र में अपेक्षिक प्रगति दिखी।

इन क्षेत्रों में विस्तार का है इंतजार

हालांकि इस साल 5जी, अपने प्रायोगिक स्तर पर ही रहा। उससे जिस प्रभाव और बदलाव की उम्मीद की जा रही थी, वह नहीं दिखा। यह अलग तथ्य है कि इसकी कवरेज का विस्तार तेज होता दिखा। संभव है कि इसकी

कनेक्टिविटी पूरे देश में फैलने, 5जी समर्थित उपकरणों को विकसित होने और आम इस्तेमाल में लेने में थोड़ा और वक्त लगे। इस साल उम्मीद यह भी थी कि सुपर एप्स का चलन बेतहाशा बढ़ेगा। यूजर एक ही एप से कई काम कर सकेंगे पर थोड़ी वृद्धि के बावजूद यह चलन जोर नहीं पकड़ सका। ठीक इसी तरह एयर टैक्सी के ट्रायल के बावजूद इसे पूरी तरह प्रैक्टिस में नहीं लाया जा सका।

इस वर्ष यह देखना बहुत सुखकर रहा कि देश राष्ट्रीय स्तर ही नहीं वैश्विक फलक पर भी विज्ञान-तकनीक के क्षेत्र में अपनी महत्ता साबित करने में सफल रहा। कुल मिलाकर विज्ञान और तकनीक क्षेत्र में उपलब्धियों के लिहाज से यह वर्ष शानदार रहा। *

उठाए गए सराहनीय कदम

सेमीकंडक्टरों के निर्माण और रक्षा के अलावा तमाम तरह की महत्वपूर्ण तकनीक के मामले में इस वर्ष देश ने अमेरिका के साथ जो समझौते किए हैं, वे दूरगामी परिणाम वाले होंगे। इसके अलावा डिजिटल पर्सनल डाटा प्रोटेक्शन (डीपीडीपी) बिल कानून बनने के करीब पहुंच गया, जो आम लोगों की डिजिटल निजता के हनन और आंकड़ों के दुरुपयोग को रोकने में कारगर हथियार हो सकता है। इनके अलावा देश में विज्ञान पुरस्कारों के क्षेत्र में एक बेहतर प्रगति इस वर्ष यह हुई कि हर साल पद्म पुरस्कारों की तर्ज पर 3 विज्ञान रत्न दिए जाने का फैसला लिया गया। यह सम्मान वैज्ञानिक के पूरे जीवन की उपलब्धियों को एक तरह से मान्यता देगा। साथ ही तय हुआ कि अगले साल से प्रतिवर्ष 11 मई को 56 राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार घोषित होंगे, जो राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस यानी 23 अगस्त को दिए जाएंगे।

स्मार्ट लाइफ @ स्मार्ट कार्ड

आज के दौर में टेक्नोलॉजी ने हम सबकी लाइफस्टाइल को पूरी तरह से बदल दिया है। खासतौर पर स्मार्ट कार्ड का मल्टीपर्पस और ईजी यूज हमारी लाइफ को स्मार्ट बनाने में बड़ा रोल निभा रहा है।

टेक्नोलाइफ / अपराजिता

आंकड़े बताते हैं, देश की राजधानी दिल्ली की मेट्रो ट्रेन में सफर करने वाले 73.6 फीसदी यात्री टिकट के लिए पेमेंट स्मार्ट कार्ड का इस्तेमाल करते हैं। हर महीने औसतन 61,36,626 यात्री मेट्रो ट्रेन से सफर करते हैं, जिनमें से दो तिहाई से ज्यादा दैनिक यात्री टिकट खरीदने के लिए स्मार्ट कार्ड का इस्तेमाल करते हैं। हालांकि कोरोना के पहले ही अपने देश में स्मार्ट शॉपिंग होने लगी थी यानी ऐसी खरीदारी, जिसमें जेब से रुपए निकालने की बजाय, प्लास्टिक की कार्ड से भुगतान किया जाता है। लेकिन कोविड पीरियड के बाद तो इसमें बेतहाशा तेजी देखी जा रही है।

होते हैं मल्टीपर्पस : वास्तव में स्मार्ट कार्ड, विजिटिंग कार्ड के आकार का प्लास्टिक से बना ऐसा कार्ड होता है, जिसमें एक माइक्रोप्रोसेसर और एक मेमोरी चिप या सिर्फ एक मेमोरी चिप मौजूद होती है। जिस स्मार्ट कार्ड में माइक्रोप्रोसेसर होता है, उसमें कई तरह की जानकारियां जोड़ी या घटाई जा सकती हैं। स्मार्ट कार्ड में विभिन्न तरह के डाटा स्टोर होते हैं। ये हमारी आईडेंटिटी को कैरी करने का जरिया होते हैं। साथ ही इनसे शॉपिंग भी आसानी से की जा सकती है। यही वजह है कि इन दिनों स्मार्ट कार्ड का इस्तेमाल घर के कई तरह के कामों को पूरा करने के लिए होता है। सच बात तो यह है कि आज हमारी जीवनशैली, जो इस कदर स्मार्ट हो गई है, उसमें बड़ी भूमिका स्मार्ट काड्र्स की भी है।

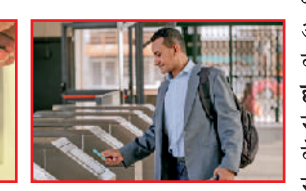

सिक्योर करता है पिन: आजकल अधिकतर उपभोक्ता सामान और सेवाएं उपलब्ध कराने वाली कंपनियां, पेमेंट लेने के लिए स्मार्ट कार्ड को सीधे क्रेडिट कार्ड के तौर पर यूज करने लगी हैं। दरअसल, स्मार्ट कार्ड में कार्ड होल्डर या कार्ड तक पहुंच चाहने वाले किसी तीसरे को सुरक्षित रूप से पहचानने और प्रमाणित करने के तरीके उपलब्ध होते हैं। मसलन, किसी भी कार्ड धारक को अपने आपको प्रमाणित करने के लिए एक निश्चित पिन कोड या बायोमेट्रिक डाटा का उपयोग करना पड़ता है। स्मार्ट कार्ड डाटा को सुरक्षित रूप से संग्रहित करने और इंक्रिप्शन के साथ संचार को सुरक्षित रखने का तरीका भी प्रदान करते हैं। इसलिए स्मार्ट कार्ड बहुत ज्यादा यूज होने लगे हैं। स्मार्ट कार्ड को इस कदर उपयोगी बनाने में सबसे ज्यादा भूमिका चार अंकों वाले स्मार्ट पिन की होती है, जो एक तरह से हर बार स्मार्ट कार्ड धारक को अपनी पहचान सत्यापित करने में मदद करता है।

लाइफ को बनाया ईजी: स्मार्ट कार्ड ने हमारी डेली लाइफ को इसलिए भी काफी स्मार्ट बना दिया है, क्योंकि इसके चलते अब हमें बहुत सारी चीजें हमेशा साथ लेकर नहीं चलनी पड़ती हैं। जैसे हमारे तमाम डाक्यूमेंट्स इसमें सुरक्षित होते हैं। यह विभिन्न तरह के कांटेक्टलेस संपर्कों के काम आता है। यही वजह है कि यह बैंकिंग सेवाओं में तो इस्तेमाल होता ही है, टेलीकॉम और आईडी कार्ड सिस्टम में भी इसका उपयोग होता है। सबसे ज्यादा आजकल इसका उपयोग पब्लिक ट्रांसपोर्ट सिस्टम को एक्सेस करने में होता है। यह क्रेडिट कार्ड की तरह ही इस्तेमाल होता है, जिस कारण यह हमें काफी हद तक बेफिक्र बनाता है। स्मार्ट कार्ड में डुएल इंटरफेस भी होता है यानी, इसमें कार्ड कांटेक्ट और कांटेक्टलेस इंटरफेस दोनों को सम्मलित किया जाता है। जिस कारण ये अलग-अलग सिस्टम में उपयोगी साबित होते हैं। स्मार्ट कार्ड का इस्तेमाल लोग ज्यादातर समय पेमेंट करने, अपनी पहचान साबित करने और सेफ एक्सेस कंट्रोल में करते हैं।

होते हैं कई प्रकार : स्मार्ट कार्ड कई प्रकार के होते हैं। जैसे पेमेंट स्मार्ट कार्ड, आमतौर पर शॉपिंग करने और लेन-देन में ही सबसे ज्यादा उपयोग में लाया जाता है। क्रेडिट कार्ड और डेबिट कार्ड इसी का हिस्सा होते हैं। आधार कार्ड एक दूसरा स्मार्ट कार्ड है, जो हमारी ऑनलाइन पहचान का इन दिनों सबसे बड़ा जरिया है। अब ड्राइविंग लाइसेंस भी स्मार्ट कार्ड बन रहे हैं, जिसमें किसी ड्राइवर की सारी व्यक्तिगत जानकारियां और उसकी गाड़ी की सारी जानकारियां मौजूद होती हैं। इन सबके अलावा एम्बेडिड स्मार्ट कार्ड भी होते हैं, जो वास्तव में हमारी व्यक्तिगत पहचान, सुरक्षा पासवर्ड और डिजिटल सुरक्षा उद्देश्यों में इस्तेमाल होते हैं। एक और महत्वपूर्ण स्मार्ट कार्ड होता है जिससे एक्सेस कार्ड भी कहते हैं। यह कार्ड विभिन्न संस्थानों के कर्मचारियों को पहचानने और विशिष्ट स्थान और सुविधाओं तक पहुंचाने में मददगार होता है।

होती हैं कुछ खामियां: स्मार्ट कार्ड का एक नुकसान यह है कि अगर यह अचानक गुम हो जाए तो आपको कुछ दिनों तक कई तरह की असुविधाओं का सामना करना पड़ता है। साथ ही इसके हैक किए जाने की भी आशंकाएं होती हैं। लेकिन फिर भी स्मार्ट कार्ड ने जिंदगी को स्मार्ट और स्मूथ बना दिया है। *

गीत / शिवचरण चौहान

धूप में नहाने के दिन

बैठकर गीत गुनगुनाने के।
आए दिन धूप में नहाने के।।
फूलों के साथ खिल रही है।
भौरों के गले मिल रही है।
धूप सुबह से दोपहर तक
सरसों का तेल मल रही है।।
सिसियाती शिशिर को भगाने के।
आए दिन धूप में नहाने के।।
शहद सरीखी मीठी मन भायी।
धूप देख चिड़िया भी हर्षायी।
फूलों के चेहरों पर लाली है
कली-कली लगती है मुसकायी।
गालों में उबटन लगवाने के।
आए दिन धूप में नहाने के।।

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

कविता से मुलाकातें

आलोकधन्वा के पहले कविता संकलन 'दुनिया रोज बनती है' के पचीस साल बाद उनका दूसरा संग्रह 'मुलाकातें' हाल में छपकर आया है। ये कविताएं पढ़कर साबित होता है कि आलोक कविताएं केवल रचते नहीं, उन्हें अपने भीतर जीते भी हैं। कई कविताओं में ऐसी पंक्तियां हैं, जो विचलित कर देती हैं। इनमें विस्थापन की टीस है, अधूरी रह गई आकांक्षाओं का दर्द है, समाज की भयावह निष्ठुरता के चिन्ह हैं तो जीवन की नश्वरता के बोध से उपजा दर्शन भी है। खासतौर पर देश के विभाजन का जख्म उन्हें आज भी बेचैन बनाए हुए है। उनकी बेचैनियां कविताओं में प्रभावी ढंग से व्यक्त हुई हैं। वे कहते हैं-*अगर भारत का विभाजन/ नहीं होता/ तो हम बेहतर कवि होते/ बार-बार बारूद से झुलसते/ कत्लगाहों को पार करते हुए/ हम विडंबनाओं के कवि बनकर रह गए।* ये कविताएं अनकहे शब्दों में कहती हैं कि आज के दौर में कवि होना कितना त्रासद हो सकता है। *

पुस्तकः मुलाकातें, **रचनाकारः** आलोकधन्वा, **मूल्यः** 199 रुपए, **प्रकाशकः** राजकमल पेपरबैक्स, नई दिल्ली

लघुकथाएं

एहसास

बात कुछ दिनों पहले की है, उस दिन घनश्याम जी खामोशी में बैठे अपने अतीत में खोए हुए थे। बेटे रवि ने आकर कहा, 'बाऊजी, अब आप यहां गांव में नहीं रहेंगे। कल सुबह हम सब दिल्ली चलेंगे।' तीन माह पहले ही रवि की मां का देहांत हुआ था। वह पहले भी कई बार मां-बाबूजी को शहर चलने के लिए कह चुका था, लेकिन दोनों शहर ना जाने के बहुत सारे कारण गिना देते। इस बार रवि के साथ शहर ना जाने का कोई कारण नहीं था। हालांकि रवि के चाचा-चाची ने उसे आश्वस्त किया था, 'बेटा हम बड़े भाई साहब का पूरा ध्यान रखेंगे। गांव में उनका मन भी लगता है।' लेकिन रवि ने उनकी नहीं सुनी। घनश्याम जी को लेकर वह शहर आ गया। रवि अपने बाऊ जी को लेकर निश्चिंत हो गया था। वह और उसकी पत्नी आशा सुबह ऑफिस चले जाते। दो साल का बेटा नंदन डे-केयर में होता। कामवाली बाई सुबह ही नाश्ता और खाना बनाकर चली जाती। घर में अकेले घनश्याम जी रह जाते। जिस अकेलेपन का हवाला देकर रवि उन्हें शहर लाया था, वह अकेलापन दिन-ब-दिन और बढ़ता ही जा रहा था। जो घनश्याम जी को काटता था।

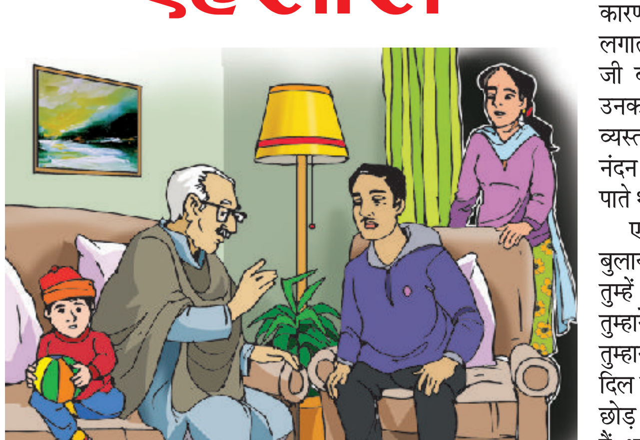

तभी दरवाजे की घंटी बजी, घनश्याम जी की तंद्रा टूटी। रवि, आशा और नंदन वापस घर आ गए थे। नंदन को देख घनश्याम जी खिल उठते थे। सुबह सबके जाने के बाद उदास हो जाते। उनकी हालत घर में रखे उस पौधे जैसी थी, जो पानी और खाद मिलते ही खिल उठता और अनदेखा होने के कारण मुरझा जाता। ऐसी स्थिति में लगातार रहने की वजह से घनश्याम जी बीमार रहने लगे। दिन-ब-दिन उनका स्वास्थ्य गिरता जा रहा था। व्यस्तता के कारण रवि, आशा और नंदन उनके साथ समय नहीं बिता पाते थे।

एक दिन बाबूजी ने रवि को पास बुलाया और बोले, 'बेटा, मुझे पता है, तुम्हें मेरी चिंता रहती है, लेकिन तुम्हारे पास समय की कमी है, मैं तुम्हारी मजबूरी समझता हूं। अपने दिल पर कोई बोझ ना रखो, हमें गांव छोड़ आओ। वहां तुम्हारे चाचा-चाची हैं, भतीजा दिनेश उसकी पत्नी मीना और उसका बेटा गोलू भी है। उनके साथ मेरा मन लगा रहता है। मुझे वहीं पहुंचा दो। जब छुट्टियां हुआ करेंगी, तुम गांव मुझसे मिलने आ जाया करना या मुझे दो-चार दिन के लिए बुला लिया करना। मैं आ जाया करूंगा।' देर से ही सही, रवि को इस बात का एहसास हो गया कि पौधे को जड़ से उखाड़ कर नई जगह लगा देने भर से ही वो पौधा नहीं लग जाता, उसे समय-समय पर खाद, पानी और धूप की भी जरूरत होती है। रवि ने जल्द ही बाबूजी को वापस गांव पहुंचा दिया। अब छुट्टियों में वह परिवार सहित गांव आ जाता है। घनश्याम जी भी कभी-कभी कुछ दिनों के लिए रवि के पास शहर आ जाते हैं। *

-प्रगति त्रिपाठी

व्यवहार

सेठ जयराम का नाम दूर-दूर तक मशहूर था। वह शहर के प्रतिष्ठित, वैभवशाली और दयावान व्यक्ति माने जाते थे। गरीब और मजबूर लोगों को काम देते, उनका सहारा बनते थे। बेटा कुशल ठीक उनके विपरीत स्वभाव का था, क्रोधी और घमंडी। वह हर रोज किसी ना किसी से वेवजह उलझता रहता था। उसकी अभद्र भाषा और अशिष्टता से लोग उससे परेशान रहते, उससे दूरी बनाकर रखते। कुशल अपने रुआब में ही रहता। जब भी मौका मिलता अपने कर्मचारियों को पीट भी देता। एक दिन सेठ जयराम कुशल को अपने साथ एक जमीन दिखाने ले गए, जहां उन्हें एक नया कारखाना लगाना था। सेठ जी ने बेटे को जगह दिखाते हुए कहा, 'कुशल, यहां हमें एक नया कारखाना खोलना है। तुम्हें यह जगह कैसी लगी?' कुशल ने अहं भाव से जवाब दिया, 'जिस कारखाने का मैं मालिक होऊंगा। जहां मुझे जानने वाले होंगे, वह जगह ही नहीं, लोग भी कैसे खराब हो सकते हैं? मैं जब, जैसा चाहूंगा, वैसे काम करा लूंगा। पिताजी आप निश्चिंत रहें। यहां मेरा दबदबा रहेगा।'

यह सुनकर सेठ जयराम को चिंता हुई। तभी उनकी नजर पास में ही लगे एक पेड़ पर पड़ी। उन्होंने उसका फल अपने ड्राइवर से तुड़वाया और कुशल को चखने के लिए दिया। एक पल बाद सेठजी ने पूछा, 'बेटा, इस फल का स्वाद कैसा है, बताना तो?' कुशल मुंह बनाकर बोला, 'यह फल तो बहुत खट्टा है।' सेठ जयराम ड्राइवर से बोले, 'कुशल को जरा पानी तो पिलाओ।' कुशल ने पानी पिया और बोला, 'यह तो कमाल का फल है पिताजी। अब तो फल का स्वाद बिल्कुल विपरीत हो गया, मीठा मीठा!' सेठ जयराम मुस्कुराते हुए बोले, 'इस फल का नाम आंवला है। अपने भीतर इसी फल जैसा व्यवहार लाओ। भीतर से मीठे स्वभाव के बनो, सहृदय बनो। परिचय और नाम बस कुछ समय तक काम आते हैं। कर्म और व्यवहार किसी भी मनुष्य के हृदय में हमेशा बने रहते हैं। इसके आधार पर ही इंसान सबका दिल जीतता है। जीवन में सफल होने के लिए यह समझना बहुत जरूरी है।' कुशल अपने पिताजी की बात पर निरुत्तर हो गया। *

-प्रियंका वल्लरी

सर्दी का उपहार

बाहर बहुत सर्दी थी। रीना घर के अंदर बैठी चाय की चुस्कियां ले रही थी। उसने अदरक की जायकेदार चाय बनाई थी। रीना के घर की खिड़की से बाहर सड़क पर रेहड़ी लगाए लोग दिखाई देते हैं। वह अकसर खिड़की के पास बैठकर बाजार की चहल-पहल का आनंद लेती। रीना ने देखा, ठेले पर अदरक बेच रहा बुजुर्ग आदमी सर्दी से कांप रहा है। बुजुर्ग ने पतली कमीज पहनी हुई थी। जिसके ऊपर उसने एक पुराना कोट पहन रखा था, जो कई जगह से फटा था। कोट सर्दी रोकने में नाकाम था। यह देखकर रीना को अपने बचपन के दिन याद आ गए। तब उसके घर के आर्थिक हालात ठीक नहीं थे। ठिठुरते जाड़े में उसके पिताजी और बाबा भी ऐसे ही फटे और पुराने कपड़ों से सर्दी रोकने की कोशिश करते थे। वह खुद भी मामूली कपड़ों में रहती थी। उसके पास ऊनी कपड़ों का अभाव था। रीना बचपन में यही सोचती थी, जब बड़ी हो जाएगी, कमाएगी तो अपने पापा और बाबा के लिए कोट और ऊनी कपड़े खरीदेगी। यह सब सोचकर वह सिहर सी उठी। बचपन की बातों की ठंडक उसे गर्म कमरे में महसूस होने लगी। वह उठी और पास के ऊनी कपड़ों की शॉप में चली गई। वहां उसने एक ऊनी स्वेटर, टोपी और मफलर खरीदा और आ गई अदरक बेचने वाले बुजुर्ग के पास। रीना गरम कपड़ों का थैला उसकी ओर बढ़ाते हुए बोली, 'ये आपके लिए छोटा सा उपहार है।'

रीना की बात सुनकर बुजुर्ग को कुछ समझ में नहीं पाया, वह बुदबुदाया, 'कैसा उपहार बिटिया!' 'आप इतनी अच्छी अदरक जो बेचते हैं। यह इसी का उपहार है।' रीना ने कहा। यह कहकर वह वापस घर लौट आई। उसे आज बहुत अच्छा लग रहा था। रीना को लग रहा था जैसे उसने आज अपने स्वर्गीय पिता और दादा जी को ऊनी कपड़े भेंट किए हैं। अब जब वह खिड़की से उस बुजुर्ग को स्वेटर, मफलर और टोपी पहने देखती है तो उसे बहुत सुकून महसूस होता है। *

-ललित शौर्य

लेखक ध्यान दें...

लेखक रविवार भारती में प्रकाशनार्थ अपनी रचनाएं / लेख कृपया ई-मेल आईडी haribhoomifeaturedep@gmail.com पर भेजें।

खबर संक्षेप

सुल्तानपुर न्यायालय नहीं पहुंचे राहुल गांधी

सुल्तानपुर। भाजपा के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष व केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ

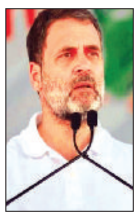

आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले में कोर्ट के आदेश के बाद भी राहुल गांधी अदालत में हाजिर नहीं हुए। एमपी-एमएमए की विशेष अदालत के मजिस्ट्रेट योगेश कुमार यादव ने राहुल के खिलाफ दोबारा समन जारी करने का आदेश देते हुए अगली सुनवाई के लिए 6 जनवरी 2024 की तिथि नियत की है। कोतवाली देहात थाने के हनुमानगंज निवासी विजय मिश्र ने चार अगस्त 2018 को परिवाद दायर किया था।

अवकाश कैलेंडर 2024 में संशोधन, छुट्टियां बढ़ीं

पटना। राजभवन ने विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में वर्ष 2024 के लिए जारी छुट्टी कैलेंडर में संशोधन

किया है। राज्यपाल राजेंद्र अरलेकर के सचिवालय की ओर से महज 24 घंटे बाद शुक्रवार को जारी पत्र में कहा गया है कि बिहार के पहले सीएम श्रीकृष्ण सिंह, पूर्व सीएम कर्पूरी ठाकुर, सिखों के पहले गुरु श्रीगुरुनानक देव और देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद की जयंती पर वर्ष 2024 में भी छुट्टी रहेगी। मालूम हो कि गुरुवार को जारी छुट्टी के कैलेंडर में उक्त महापुरुषों की जयंती पर छुट्टी नहीं दी गई थी। जबकि 2023 में इन महापुरुषों की जयंती पर अवकाश दिया गया था।

गूगल कर्मचारी बताकर ऐंठ लिए 15 लाख रुपए

रांची। ओल्ड एजी कॉलोनी निवासी पवन यादव को साइबर अपराधियों ने ऑन लाइन टास्क पूरा कर पैसे

कमाने का झांसा देकर 15.60 लाख की ठगी कर ली। इस संबंध में पवन ने अरगोड़ा थाने में प्राथमिकी दर्ज करायी है। दर्ज प्राथमिकी में पवन ने बताया है कि दो नवंबर को उनके मोबाइल पर एक अज्ञात नंबर से मैसेज आया। मैसेज करने वाली ने अपना नाम मारिया बताया और खुद को गूगल एचआर का कर्मी बताया। फोन करने वाली ने कहा कि गूगल पर रिव्यू करने पर पैसे मिलेंगे। विश्वास दिलाया कि ये कोई फर्जी काम नहीं है।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने किसानों से किया संवाद

बाढ़ प्रभावित किसानों को दिया 112 करोड़ रुपये का मुआवजा

किसान अफ्रीकी देशों में जमीन लेकर खेती करें, इसके लिए सरकार बना रही योजना

पराली से बिजली बनाने के लिए कुरुक्षेत्र कैथल, फतेहाबाद व जींद में परियोजना

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ चंडीगढ़

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि प्रदेश के किसान कड़ी मेहनत करके देश को खाद्यान्नों में आत्मनिर्भर बनाने में अहम योगदान दे रहे हैं। वर्तमान राज्य सरकार किसानों की हितैषी है। सरकार ने बाढ़ से प्रभावित किसानों को मुआवजा दिया है। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में दोबारा से फसलों की बिजाई करने वाले किसानों को प्रति एकड़ सात हजार रुपये का मुआवजा दिया है। प्राकृतिक आपदा से खराब हुई फसलों के लिए किसानों को पिछली सरकार ने 10 हजार रुपये प्रति एकड़ मुआवजा राशि दी जाती थी, उसे बढ़ाकर 15 हजार रुपये प्रति एकड़ किया गया है। पिछले साढ़े नौ वर्षों में प्रदेश सरकार की ओर से किसानों को 11 हजार करोड़ रुपये की मुआवजा राशि दी है, जिसमें पिछली सरकार की बकाया 269 करोड़ रुपये की मुआवजा राशि भी शामिल है। सरकार ने प्राकृतिक आपदाओं से नुकसान के सत्यापन और प्रभावित लोगों को मुआवजे के वितरण की प्रणाली में पारदर्शिता लाने के लिए क्षतिपूर्ति पोर्टल शुरू किया था, जोकि कारगर साबित हुआ है। पराली का उपयोग कर बिजली बनाने के लिए कुरुक्षेत्र, कैथल, फतेहाबाद एवं जींद में बायोमास परियोजनाएं शुरू की गई, जिनसे 30 मेगावाट विद्युत उत्पन्न हो रही है। इसके अलावा, पराली का उपयोग जैव ईंधन बनाने में भी किया जा रहा है। पानीपत रिफाइनरी में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 10 अगस्त, 2022 को 2जी इथेनॉल प्लांट का लोकार्पण किया था। 2जी के बाद अभी 3जी प्लांट भी पानीपत रिफाइनरी में लग गया है, जो दुनिया का पहला रिफाइनरी ऑफ गैस आधारित 3जी इथेनॉल प्लांट होगा। 2जी इथेनॉल प्लांट में पराली की खपत सुनिश्चित करने के लिए 1,000 रुपये प्रति एकड़ की दर से अतिरिक्त प्रोत्साहन राशि दी जा रही है मुख्यमंत्री शनिवार यहां सीएम की विशेष चर्चा कार्यक्रम के तहत ऑडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से किसानों से संवाद कर रहे थे

- पीएम किसान सम्मान निधि योजना की 15वीं किस्त में 8 लाख 74 हजार किसानों को 175 करोड़ रुपये मिले

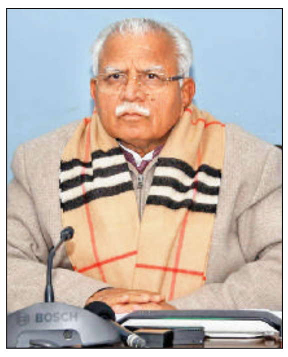

किसानों ने पराली प्रबंधन की अच्छी मिसाल पेश की

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे किसानों ने पराली प्रबंधन की अच्छी मिसाल पेश की है। पराली प्रबंधन में हरियाणा आदर्श राज्य बना है। प्रदेश में पराली जलाने की कम घटनाएं हुई हैं। इसके लिए किसान बधाई के पात्र हैं। गत दिनों प्रदूषण के एक मामले की सुनवाई करते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने भी पंजाब सरकार को कहा कि खेतों में आग लगाने की घटनाओं को कम करने के लिए हरियाणा से सीखो। प्रदेश में पराली जलाने के मामलों में हरियाणा में 36.4 प्रतिशत की कमी आई है, जबकि पंजाब में 27.1 प्रतिशत की ही कमी दर्ज की गई है। आई.सी.ए.आर. की गत 22 नवंबर तक की रिपोर्ट के अनुसार हरियाणा में पराली जलाने के 2,239 मामले प्रकाश में आए हैं, जबकि हमारे पड़ोसी राज्य पंजाब में 36,118 मामले हुए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा शुरू की गई 'पी.एम. किसान सम्मान निधि योजना' की 15वीं किस्त के लाभार्थी किसान भी आज हमारे साथ जुड़े हुए हैं।

प्रदेश के 8 लाख 74 हजार किसानों को किस्त के तौर पर 175 करोड़ रुपये मिले हैं। उन्होंने बताया कि गोशालाओं में भी पराली की खपत को प्रोत्साहित करने के लिए 500 रुपये प्रति एकड़ की दर से अधिकतम 15 हजार रुपये प्रोत्साहन राशि देने का प्रावधान किया गया है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में खेती की जमीन कम हो रही है। सरकार की अफ्रीकी देशों से बात हुई है। हमारे किसान वहां जाकर खेती कर सकेंगे। इसके लिए सरकार योजना बना रही है।

बिजाई से लेकर बिक्री तक किसानों की मदद

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार किसानों के कल्याण व उत्थान के लिए पूरी तरह समर्पित है। इस दिशा में खेत में बीज बोने से लेकर मंडी में फसल की बिक्री तक हर कदम पर सरकार ने किसानों की मदद की है। उन्होंने बताया कि इसी साल जुलाई महीने में बाढ़ के कारण 12 जिलों में 1469 गांव और 4 शहर प्रभावित हुए थे। इन जिलों में अंबाला, फतेहाबाद, फरीदाबाद, कुरुक्षेत्र, कैथल, करनाल, पंचकुला, पानीपत, पलवल, सोनीपत, सिरसा और यमुनानगर शामिल हैं। सरकार ने बाढ़ पीड़ितों को पूरा सहयोग किया है। 112 करोड़ 21 लाख रुपये की मुआवजा राशि दी है। फसल खराब के लिए 34 हजार 511 किसानों को 97 करोड़ 93 लाख 26 हजार रुपये की राशि प्रदान की गई है।

सीएम योगी आदित्यनाथ की वृद्धों और दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों को दी राहत

सभी पात्र गरीब बुजुर्गों को मिलेगी पेंशन, 36 हजार कर्मचारियों का ढाई गुना अधिक होगा

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

सीएम योगी आदित्यनाथ ने गरीब बुजुर्गों को पेंशन देने और राज्य कर्मचारियों का वेतन ढाई गुना बढ़ाने का आदेश दिया है। साथ ही किसानों को लाभ पहुंचाने के लिए 20 कृषि उपज या उससे तैयार उत्पादों की जीआई टैगिंग कराई जाएगी। इस संबंध में अधिकारियों को आदेश भी जारी कर दिए गए हैं।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने गरीब बुजुर्गों को पेंशन देने और राज्य कर्मचारियों का वेतन ढाई गुना बढ़ाने का आदेश दिया है। साथ ही किसानों को लाभ पहुंचाने के लिए 20 कृषि उपज या उससे तैयार उत्पादों की जीआई टैगिंग कराई जाएगी। इस संबंध में अधिकारियों को आदेश भी जारी कर दिए गए हैं।

पात्र लोगों को मिलेगी पेंशन

इस योजना के तहत पात्र लोगों को यह पेंशन दी जाएगी। पेंशन उन गरीब बुजुर्गों को दी जाएगी जो गरीबी रेखा से नीचे जीवनयापन कर रहे हैं। योगी सरकार उन्हें आर्थिक सहायता प्रदान करेगी। सरकार ने सभी जिला समाज कल्याण अधिकारियों को इस बाबत दिशानिर्देश दे दिए हैं। लोग इस पेंशन के लिए ऑनलाइन पोर्टल पर आवेदन कर सकते हैं।

योगी सरकार का लक्ष्य 56 लाख वृद्धों को योजना का लाभ देना है। वर्तमान में 52.77 लाख

खास बातें

- ऑनलाइन पोर्टल पर आवेदन करना होगा
- विकासखंड और ग्राम पंचायत स्तर से वृद्धों को चिन्हित करेंगे
- वन विभाग के कर्मचारियों को मिलेंगे प्रतिमाह 18 हजार रुपए
- राज्य सरकार और नाबार्ड मिलकर कर रहे जीआई टैगिंग

बढ़े हुए वेतन के साथ मिलेगा पांच साल का बकाया

यूपी के 36 हजार से ज्यादा दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों को योगी सरकार ने बड़ी राहत दी है। योगी सरकार ने इन सभी कर्मचारियों का वेतन बढ़ाने का फैसला किया है। साथ ही पांच साल का बकाया देने का भी सरकार ने निर्णय किया है। दरअसल वन विभाग के 36 हजार से अधिक कार्यरत दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों का 2018 से बकाया चल रहा था। साथ ही इनके वेतन को लेकर भी हाईकोर्ट में केस चल रहा था। पिछले दिनों हाईकोर्ट ने यूपी सरकार को सभी कर्मचारियों का वेतन बढ़ाने और उनका बकाया देने का आदेश दिया था। हाईकोर्ट ने सरकार को इसका अनुपालन करने के बाद इसकी हाईकोर्ट में देने की बात कही थी। शुक्रवार को यूपी सरकार ने हाईकोर्ट के आदेश पर अमल करते हुए ये फैसला लिया। सरकार ने कहा है कि वन विभाग के दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों को एक अप्रैल 2018 से बकाया के साथ प्रतिमाह 18,000 रुपए वेतन दिया जाएगा। यह कार्य एक सप्ताह में कर दिया जाएगा।

किसानों को लाभ पहुंचाने के लिए 20 उत्पादों की जियो टैगिंग

योगी सरकार यूपी के किसानों और कारोबारियों का बड़ा फायदा कराने जा रही है। यूपी की विशिष्ट कृषि उपज और उससे तैयार उत्पादों की बेहतर मार्केटिंग और अधिकतम लाभ दिलाने के उद्देश्य से योगी सरकार यूपी के 20 कृषि उपज या उससे तैयार उत्पादों की जीआई टैगिंग कराएगी। इसमें मथुरा का पेड़ा, खुर्जा (बुलन्दशहर) की खुरचन, सीतापुर की मूंगफली, मेरठ की गजक आदि शामिल है। प्रदेश की प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करते हुए उसका लाभ उसे तैयार करने वाले काश्तकारों को दिलाने के उद्देश्य से राज्य सरकार और नाबार्ड मिलकर कुल 20 उत्पादों का जीआई टैगिंग (जियोग्राफिकल इंडिकेशन) कराने जा रहा है। इसमें 16 उत्पादों का जीआई रजिस्ट्रेशन राज्य सरकार और चार की नाबार्ड की ओर से कराई जाएगी। अधिक से अधिक काश्तकारों को लाभ पहुंचे इस उद्देश्य से कृषि विपणन विभाग की ओर से प्रदेश के 91 कृषि एवं प्रसंस्कृत कृषि उत्पादों को चिन्हित किया गया, जिनमें से फिलहाल 20 उत्पादों के जीआई पंजियन का निर्णय किया गया है। राज्य सरकार ने इस बारे में शासनादेश जारी कर दिया है।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव बोले-

कांग्रेस को हैसियत के हिसाब से देंगे सीटें, 15 सीटें देने की योजना

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

5 राज्यों में चुनाव के बाद आईएनडीआईए गठबंधन के भविष्य को लेकर सपा प्रमुख

और यूपी के पूर्व सीएम अखिलेश यादव का बड़ा बयान आया है। उन्होंने कांग्रेस को उसकी हैसियत दिलाते हुए सीट बंटवारे का ऑफर दिया है। दो दिन पहले दिल्ली में अखिलेश ने संगठन की बैठक बुलाई थी। इसमें नए सिरे से यूपी में गठबंधन के समीकरणों पर मंथन हुआ।

बैठक में सपा नेताओं ने अखिलेश के सामने प्रस्ताव रखा कि कांग्रेस का जिन सीटों पर बड़ा चेहरा होगा या क्षेत्रीय समीकरण उसके पक्ष में होगा। वहीं, कांग्रेस को सीट दी जाए। अखिलेश के ताजा बयान से यह स्पष्ट हो गया है कि आईएनडीआईए गठबंधन को यदि देश में सफल होना है, तो उसे यूपी में सपा को साथ लेकर चलना होगा।

सपा अपने लिए रखेगी 50 सीट

सपा के सूत्र बताते हैं कि अखिलेश यूपी में 50 से कम सीटों पर भी समझौता कर सकते हैं। ऐसे में कांग्रेस को 10 से 15 और आरएलडी को 5 से 10 सीट लोकसभा चुनाव के बंटवारे में दी जा सकती हैं। सपा ने 65 और 15 के फॉर्मूला के तहत यूपी में लोकसभा चुनाव की सीट बंटवारे में करने की इच्छा जताई थी। इसके बाद सपा और कांग्रेस के नेताओं की तरफ से अलग-अलग तरीके की बयानबाजी होना तेज हो गई थी। फिलहाल, अखिलेश ने खुद बयान देकर इस सीट बंटवारे की संख्या पर विराम लगाया था। राष्ट्रीय लोक दल पश्चिम यूपी की 12 सीटों पर तैयारी कर रही है।

यूपी में तीन दशक से सत्ता से बाहर कांग्रेस

यूपी में कांग्रेस तीन दशक से सत्ता से बाहर है। वर्तमान में 80 लोकसभा सीटों में से सिर्फ एक रायबरेली से सोनिया गांधी पार्टी की सांसद हैं। 403 विधानसभा सीटों में से सिर्फ 2 विधायक हैं। 2017 में कांग्रेस ने कार्यकर्ताओं की इच्छा को नजरअंदाज कर सपा से गठबंधन कर लिया। कांग्रेस ने मात्र 114 सीटों पर चुनाव लड़ा। उसका परिणाम यह रहा कि 2012 के मुकाबले सीटें 28 से घटकर 7 तो वोट प्रतिशत 11.63 प्रतिशत से सिमटकर 6.25 प्रतिशत पर आ गया। इसके कुछ समय बाद उत्तर प्रदेश की जिम्मेदारी बतौर प्रभारी प्रियंका गांधी ने संभाल ली। तमाम समीक्षा बैठकों में यह बात सामने आई कि गठबंधन कर कांग्रेस ने जिन विधानसभा क्षेत्रों में चुनाव नहीं लड़ा, वहां कार्यकर्ता हताश हो गए, वहां वर्षों से चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे दावेदार निराश हो गए। इस तरह संगठन निष्क्रिय हो गया।

नए मुख्यमंत्री की सिक्योरिटी के जवानों की बदलेगी ड्रेस

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

सीएम विष्णुदेव साय की सुरक्षा में लगे जवानों को नई ड्रेस किट देने की तैयारी पुलिस मुख्यालय के अधिकारी कर रहे हैं। विभागीय अधिकारियों ने जवानों के लिए सफारी सूट, ब्लेजर और जूतों की खरीदी का प्रपोजल तैयार कर लिया है। खरीदी में 26 लाख रुपए खर्च होंगे। कुछ दिन पहले ही गाड़ियों का नंबर बदला गया था। प्रपोजल का टेंडर निविदा शनिवार को माना स्थित कार्यालय सेनानी वीआईपी सुरक्षा वाहिनी के कार्यालय से निकाला गया। इच्छुक कारोबारियों को 9 जनवरी तक निविदा पत्र कार्यालय से प्राप्त करने और उसे 10 जनवरी की दोपहर दो बजे तक कार्यालय में जमा करने का निर्देश दिया है। सेनानी कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार सीएम सिक्योरिटी में लगे जवानों के लिए

170 सफारी सूट, 138 ब्लेजर, 164 पेन्ट और 266 जोड़े जूते खरीदे जाएंगे। खरीदी का बजट सेनानी के अधिकारियों ने 26 लाख से ज्यादा रखा है। सफारी सूट का कलर नेवी ब्लू, डॉर्क ग्रे और लाइट ग्रे, ब्लेजर का कलर ब्लू, ब्लैक, ग्रे, पेन्ट का कलर नेवी ब्लू, ब्लैक, ग्रे और डॉर्क ग्रे और जूतों का कलर ब्लैक कलर में रहेगा।

10 जनवरी को खुलेगा टेंडर

इस सामान की सप्लाई करने वाले कारोबारियों को टेंडर के जरिए आवेदन देना होगा। टेंडर माना स्थित सेनानी कार्यालय में 10 जनवरी की शाम चार बजे खोला जाएगा। 10 जनवरी को किसी कारण शासकीय अवकाश घोषित रहता है, तो कार्यालय खुलने के दिन इस प्रक्रिया को पूरा किया जाएगा। जिस कारोबारी को टेंडर मिलेगा, उसे तय दिनों में सप्लाई पूरी करनी होगी।

हर साल होती है खरीदी

चौथी वाहिनी छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल, माना के अधिकारियों ने बताया, सीएम सिक्योरिटी में लगे जवानों को हर साल शासन की तरफ से ड्रेस, जूते सहित अन्य सामान देने का प्रावधान है। उनके लिए हर साल खरीदी होती है। ठंड और गर्मी में पहनने वाली दोनों तरह की ड्रेस किट जवानों को दी जाती है।

'जज साहब! बस इतना रहम कीजिए...'

सजा से परेशान मुख्तार अंसारी ने अदालत में लगाई गुहार

एजेंसी ▶▶ बांदा

बाहुबली मुख्तार अंसारी की मुश्किलें थमने का नाम नहीं ले रही हैं। शुक्रवार को विशेष न्यायाधीश एमपी एमएलए सिविल जज (सीनियर डिविजन) उज्ज्वल उपाध्याय की कोर्ट ने मुख्तार को रूंगटा परिवार को धमकाने में मुख्तार अंसारी को दोषी पाया और से पांच साल छह माह की कैद के साथ 10 हजार रुपये अर्थदंड की सजा से दंडित किया। यह सजा सुनने के बाद बुरी तरह परेशान नज़र आ रहे मुख्तार अंसारी ने जज से गुहार लगानी शुरू कर दी। अदालत ने जैसे ही सजा सुनाई मुख्तार अंसारी ने दोनों हाथों से माथे को पकड़ लिया और सिर झुकाकर बैठ गए। इसके बाद बाहुबली ने जज से गुहार लगाई, 'जज साहब इतना रहम कर दीजिए कि मेरी सभी सजाएं एक साथ चलें।' हालांकि अदालत ने जो फैसला सुनाया उसमें यही कहा है कि जेल में बिताई गई अवधि सजा की अवधि में मुख्तार की सजा में समायोजित की जाएगी।

आईएसआईएस के संदिग्ध पर 25 हजार का इनाम

एएमयू के दो छात्र, पढ़ा रहे थे जेहाद का पाठ

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

यूपी एटीएस ने अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के छात्र फैजान अख्तर और अब्दुल समद मलिक पर 25 हजार रुपये का इनाम का घोषित किया है। दोनों लोग पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जेहाद की पाठशाला चला रहे थे। जिससे नौजवान राष्ट्र विरोधी गतिविधियों में संलिप्त हो रहे हैं। एटीएस ने यह इनाम पिछले दिनों

गिरफ्तार सात आईएसआईएस के एजेंट से मिले इनपुट के आधार पर जारी किया है। दोनों की तलाश में एटीएस लगातार अभियान चला रही है।

आतंकी बगदादी के प्रसारित कर रहे थे वीडियो

एडीजी एटीएस मोहित ने बताया आईएसआईएस की विचारधारा से प्रेरित अब्दुल समद और फैजान बख्तियार के खिलाफ कई अहम सबूत पिछले दिनों दर्ज मुकदमें की विवेचना में मिले हैं। इस मामले में एटीएस शहनवाज समेत सात आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। यह सभी आईएसआईएस की विचारधारा के पैटर्न को सोशल मीडिया पर फैला रहे थे। इनने आतंकी अबू बकर अल बगदादी के कई संदिग्ध वीडियो सोशल मीडिया पर जारी किए है।

एएमयू के हास्टल में रहते थे दोनों

एटीएस टीम की जांच में सामने आया है कि अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के वीएम हॉल में दोनों रहते थे। यह लोग सोशल मीडिया के साथ युवाओं का ग्रुप बनाकर उन्हें जिहादी बनाते थे। साथ ही आईएसआईएस की विचारधारा से जुड़कर देश में सरिया कानून लागू करने की कोशिश कर रहे थे। यह लोग यूनिवर्सिटी के छात्रों के साथ पूरे यूपी में सोशल मीडिया के माध्यम से नव युवकों को जोड़कर जेहाद करने के लिए उकसा रहे थे।

प्रदेश के लिए पीएम मोदी की गारंटी है संकल्प पत्र

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि यह संकल्प पत्र प्रदेश के लिए प्रधानमंत्री मोदी की गारंटी है। उन्होंने सभी विभागों को संकल्प पत्र-2023 के अनुसार संकल्पों और घोषणाओं के क्रियान्वयन के लिए सात दिन में रोड मैप बनाने के निर्देश दिए हैं। यह मध्यप्रदेश के भविष्य का विजन है। इसका क्रियान्वयन मिशन मोड में करें। संकल्प पत्र-2023 की संकल्पों और घोषणाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की नियमित समीक्षा मुख्य सचिव स्तर से की जाएगी। संकल्प पत्र-2023 में समृद्ध किसान, जनजातीय कल्याण, उत्तम शिक्षा एवं सक्षम युवा, सबका साथ विकास, सुदृढ़ आधारभूत संरचना, स्वस्थ प्रदेश, प्रगतिशील अर्थ व्यवस्था और औद्योगिक विकास, सुशासन एवं कानून व्यवस्था, महिला सशक्तिकरण तथा सांस्कृतिक धरोहर एवं विकसित पर्यटन के बिन्दुओं के अंतर्गत विकास और जनकल्याण के लिए किए जाने वाले कार्यों का लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं। खासकर किसानों के लिए संकल्प पत्र में गेहूं और धान के लिए समर्थन मूल्य पर बोनस की गारंटी दी गई है। इसके तहत 2700 रुपए प्रति क्विंटल पर गेहूं तथा 3100 रुपए प्रति क्विंटल पर धान की खरीदी होगी। पीएम किसान सम्मान निधि एवं मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना के तहत 12 हजार रुपए वार्षिक वित्तीय सहायता जारी रहेगी।

सोने के तस्करों ने खाड़ी देशों से नेपाल बार्डर तक फैलाया जाल

एयरपोर्ट पर तीन कुंतल बरामदगी से सुरक्षा एजेंसियां चौकस

एजेंसी ▶▶ बहराइच

भारत-नेपाल के बीच सीमा पर सामान्य आवागमन का फायदा उठाकर खाड़ी देशों से नेपाल पहुंच रहा तस्करी का सोना रुपईडीहा बार्डर से भारतीय क्षेत्र में खपाया जा रहा है। सीमा पार करने से पहले नेपाली पुलिस छह महीने में तीन कुंतल सोना बरामद कर चुकी है। सोने की तस्करी को देखते हुए दोनों ओर की सुरक्षा एजेंसियां भी सक्रिय हैं, उनकी नजरों से बचने के लिए सोने को नेपाल में आभूषण का रूप देकर सीमा पार लाने की कोशिशें हो रही हैं। पड़ोसी देश नेपाल में बड़े पैमाने पर कतर, दुबई, ओमान, मलेशिया और सऊदी अरब समेत अन्य खाड़ी देशों से तस्करी कर सोना पहुंच रहा है। अन्य देशों की अपेक्षा नेपाल तस्करी कर सोना लाना आसान भी है। जिसकी बानगी काठमांडू के त्रिभुवन अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट पर छह महीने में तीन कुंतल सोना पकड़ा जाना है। सोना भारतीय सीमा से सटे नेपाली जिलों में भेजा जाना था। सीमा से लगे नेपालगंज के न्यू रोड स्थित एक होटल से तीन महीने पहले पांच किलो सोना बरामद किया था। 10 दिसंबर को बर्दिया जिले के बारबर्दिया नामक स्थान पर दो लोगों से 347 ग्राम सोने के साथ पकड़ा गया है।

नेपाल में वैध की आड़ में अवैध सोना लाया जा रहा

नेपाल सप्तरी जिले में तीन महीने पहले 17 किलो सोना बरामद किया गया था। इसे नेपाल

पुलिस ने पकड़कर सीज कर दिया। बांके पुलिस प्रवक्ता और डीएसपी नारायन डांगी का कहना है कि लगातार सोने की बरामदगी हो रही है। विदेशों से नेपाल में वैध की आड़ में अवैध सोना भी लाया जाता है। यह अवैध सोना भारतीय क्षेत्र में तस्करी कर भेजा जा रहा है। अब तक पकड़े गए तस्करों से मिली जानकारी के बाद एयरपोर्ट पर नजर रखी जा रही है। भारतीय एजेंसियों भी संपर्क में हैं, ताकि अंतरराष्ट्रीय सोने के तस्करों के गिरोह को पकड़ा जा सके।

विशेष निगरानी की जा रही

बांके नेपाल के डीएसपी नारायन डांगी ने कहा कि नेपाल से तस्करी कर सोना भारतीय क्षेत्र में पहुंच रहा है। ताबड़तोड़ हो रही कार्रवाई को देखते हुए नेपाल में ही तस्करी के सोने को गलाकर आभूषण बनवाकर भारतीय क्षेत्र ले जाने की पुष्टि हुई है। इस पर विशेष निगरानी की जा रही है। वहीं रुपईडीहा के एसएचओ शेर बहादुर सिंह का कहना है कि पुलिस और एसएसबी सीमा पर पूरी चौकसी बरत रही है। नेपाल से मिले इनपुट पर भी काम हो रहा है।

सोने की शुद्धता से भारतीयों की पसंद बने आभूषण

खाड़ी देशों से तस्करी कर आ रहे सोने की शुद्धता और चमक बेहतर होती है। भारतीय लोग आभूषण पसंद करते हैं। इसका फायदा उठाकर सोने के रोजगार से जुड़े लोग नेपाल से ही ज्यादातर सोना दबे पांव लाते हैं। सोने को नेपाल में ही आभूषण का रूप दिया जाता है।

इस सप्ताह दो अहम मुद्दों ने सुर्खियां बटोरी। भाजपा ने तीन राज्यों में जीत के बाद नए चेहरे को सीएम बनाकर चौंकाया, तो संसद में वर्ष 2001 में संसद पर हुए आतंकी हमले की बरसी 13 दिसंबर को कुछेक अराजक लोगों ने घुसपैठ कर स्मोक बम (धुएं) से दहशत फैलाने की कोशिश की। भाजपा के नेतृत्व परिवर्तन का राजनीतिक विश्लेषण जरूरी है, वहीं यह कांग्रेस के अतीत में किए प्रयोग से कैसे अलग है, इसका भी आंकलन आवश्यक है। संसद में धुआं कांड ने संसद की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़ा किया है। कोई अगर दहशत फैलाने के मकसद से स्मोक बम सभी सुरक्षा चक्रों को भेदते हुए संसद के अंदर ले जा सकता है, तो वह खतरनाक रासायनिक हथियार भी ले जा सकता था। संसद की समूची सुरक्षा व्यवस्था की जांच जरूरी है, लेकिन इस पर भी विपक्ष की राजनीति दुर्भाग्यपूर्ण है। अतीत में संसद पर हमले के अलावा कई बार सुरक्षा चक्र भेदने के मामले भी हुए हैं, ऐसे में इस घटना की गंभीरता का आंकलन करता आजकल का यह अंक...

संसद में धुआं कांड के आरोपित

संसद की सुरक्षा में चूक को लेकर 8 सुरक्षाकर्मियों को बेशक सस्पेंड कर दिया गया है, लेकिन सच तो ये भी है कि इसके लिए काफी हद तक दिल्ली पुलिस का नई दिल्ली जिला पुलिस भी जिम्मेदार है। ऐसा इसलिए, क्योंकि संसद भवन के बाहर की सुरक्षा का जिम्मा दिल्ली पुलिस के पास है। सस्पेंड किए गए सभी आठ सुरक्षाकर्मी लोकसभा सचिवालय के सिक्योरिटी स्टाफ से हैं।

संसद में 'धुआं' आक्रोश या साजिश

विश्लेषण
सुशील राजेश
वरिष्ठ पत्रकार

13 दिसंबर, 2023 को उसी आतंकी हमले की 22वीं बरसी थी। उसी दिन संसद पर एक और प्रहार किया गया, जिसकी 2001 के आतंकी हमले से तुलना नहीं की जा सकती, लेकिन यह भी एक किस्म का आतंकवाद ही था। 2001 के हमले में हमारे 9 सुरक्षाकर्मी जवान और एक माली 'शहीद' हो गए थे। आतंकियों को भी ढेर कर दिया गया था। उसके बाद सुरक्षा-व्यवस्था में जो बदलाव किए गए, उनके मद्देनजर अकसर दावा किया जाता रहा कि परिंदा भी पर नहीं मार सकता, लेकिन सभी दावे खोखले साबित हुए। क्या आतंकी घुसपैठिए उन तक भी पहुंच सकते हैं? यह सवाल आज घोर चिन्तन-मनन का है। अब सरकार और विपक्ष को इस मुद्दे पर साझा विमर्श करना चाहिए कि संसद में सुरक्षा के चाक-चौबंद बंदोबस्त कैसे किए जा सकते हैं?

मैं 13 दिसंबर, 2001 को संसद पर आतंकी हमले का प्रत्यक्ष साक्षी रहा हूं। गुरुवार का दिन था। आसार थे कि ताबूत घोटाले पर संसद में हंगामा होगा और कार्यवाही चल नहीं पाएगी। ऐसा ही हुआ। संसद की कार्यवाही स्थगित होते ही कई सांसद अपने आवास की ओर जाने लगे थे। करीब 11.30 बजे तक संसद परिसर में सब कुछ सामान्य था। बम और विस्फोटकों से लदी एक कार आतंक बरपाने और 'अति विशिष्ट' लोगों को निशाना बनाने परिसर में घुस चुकी थी, इसका न तो सांसदों को इल्म था और न ही सुरक्षा-तंत्र कोई संदेह कर पाया था। करीब 11.40 बजे भयानक विस्फोट और गोलियों की तड़ातड़ आवाज़ ने सभी को चौंका दिया। स्तब्ध और सन्न कर दिया। कइयों के पांव भी लड़खड़ाए। पल भर में साफ़ हो गया कि 'लोकतंत्र के मंदिर' संसद पर भी आतंकी हमला हो चुका था। अंततः तत्कालीन प्रधानमंत्री अटलबिहारी वाजपेयी और गृहमंत्री लालकृष्ण आडवाणी की आशंकाएं सच साबित हुईं। उन्होंने अलग-अलग संबोधनों में आशंका जताई थी कि संसद भी 'अलकायदा' के निशाने पर है। बेशक 13 दिसंबर का हमला जैश-ए-मुहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा के आतंकियों ने किया था, लेकिन उनके तार कंधार और तालिबान से जुड़े थे। आतंकियों ने जब हमला किया, तो मैं कुछ पत्रकार साथियों के संग द्वार नंबर 2 से बाहर आ रहा था। पलक झपकते ही एक सुरक्षाकर्मी ने हमें कंकरीट की एक बड़ी-सी शिला की ओट में धकिया दिया था। उसी पल संसद का सायरन गूंज उठा। सेना कमांडो की वर्दी में 5 आतंकवादी एंबेसडर कार नं. डीएल-3 सी जे 1527 के जरिये संसद भवन में घुसे थे। कार पर गृह मंत्रालय और हैविटेट सेंटर, लोदी रोड के स्टीकर चिपके थे और छत पर लाल बत्ती लगी थी। बाद में गृह मंत्रालय का स्टीकर फर्जी निकला। कार द्वार नंबर 11 की तरफ बढ़ी, जहां से तत्कालीन उपराष्ट्रपति एवं राज्यसभा के सभापति कृष्णकांत और उपसभापति नज़मा हेपतुल्ला भीतर जाते थे। सुरक्षाकर्मियों ने कार की तेज गति को देखते हुए टोका और कार एक पेड़ से जा टकराई। आतंकी बाहर निकले और गेट नंबर 12 और 5 की तरफ बढ़े, जिधर से प्रधानमंत्री अकसर आते-जाते थे। उस दिन प्रश्नकाल में प्रधानमंत्री वाजपेयी को जवाब देने थे, लेकिन कार्यवाही स्थगित होने के कारण वह आवास पर ही थे। बहरहाल, आतंकी हमला हो चुका था।

एक और प्रहार

13 दिसंबर, 2023 को उसी आतंकी हमले की 22वीं बरसी थी। उसी दिन संसद पर एक और प्रहार किया गया, जिसकी 2001 के आतंकी हमले से तुलना नहीं की जा सकती, लेकिन यह भी एक किस्म का आतंकवाद ही है। 2001 के हमले में हमारे 9 सुरक्षाकर्मी जवान और एक माली 'शहीद' हो गए थे। आतंकियों को भी ढेर कर दिया गया था। उसके बाद सुरक्षा-व्यवस्था में जो बदलाव किए गए, उनके मद्देनजर अकसर

संसद के बाहरी इलाके में धारा 144 लागू होती है, लेकिन वहां बाकायदा 6 आरोपी संसद भवन के पास जमा हुए और फिर इस घटना को अंजाम दिया और दिल्ली पुलिस को इसकी भनक तक नहीं लगी। ऐसे में दिल्ली पुलिस पर सवाल उठना तो लाजिमी है। सूत्रों के मुताबिक, इस संसद सत्र के दौरान करीब 1200 हथियारबंद पुलिसकर्मी ड्यूटी पर तैनात थे। इनमें करीब 400 से ज्यादा पुलिसकर्मी दूसरे जिलों से यहां ड्यूटी करने आए थे, जबकि बाकी पुलिसकर्मी नई दिल्ली जिला पुलिस के थे। फिर भी संसद के भीतर धुआं कांड हुआ।

दावा किया जाता रहा कि परिंदा भी पर नहीं मार सकता, लेकिन सभी दावे खोखले साबित हुए, जब लोकसभा में 'शून्य-काल' की कार्यवाही चल रही थी और अचानक दो युवकों ने 'दर्शक-दीर्घा' से छलांग लगा दी। कूदने के बाद एक युवक सांसदों की सीटों को फांदता रहा और सदन में अफरा-तफरी मच गई। दहशत में सांसद 'पकड़ो-पकड़ो' चिल्लाने लगे। अचानक एक युवक ने अपना जूता खोला और 'स्मोक कैन' का इस्तेमाल किया। नतीजतन लोकसभा में पीला-सा धुआं फैलने लगा। बसपा सांसद मलूक नागर, आरएलपी सांसद हनुमान बेनीवाल और एक सिख सांसद की बहादुरी ने युवक की घेरेबंदी की और सांसदों ने उन घुसपैठियों को दबोच लिया। खूब पिटाई भी की। बाद में मार्शल और सुरक्षाकर्मी आए और युवकों को पकड़ कर बाहर ले गए। सदन की कार्यवाही स्थगित की जा चुकी थी।

स्पष्ट संदेश

बेशक यह आतंकी हमला नहीं था, लेकिन युवकों के मंसूबे कमतर भी नहीं थे। पीला धुआं संसद के भीतर और बाहर भी फैलाया गया और खूब नारेबाजी की गई। घुसपैठिए धुआं फैला कर स्पष्ट संदेश देना चाहते थे कि भारतीय संसद के भीतर घुसकर हमला भी किया जा सकता है। धुआं ज़हरीला और जानलेवा भी हो सकता था। उन युवकों के पास हथियार या बम भी हो सकते थे, क्योंकि यह रासायनिक अस्त्रों का दौर है। कल्पना कीजिए कि 2001 के आतंकी हमले के दौरान 150-200 सांसदों को 'सेंट्रल हॉल' में बंद रखना पड़ा था। यदि आतंकी अपने हथियारों के संग सदनों के भीतर घुसने में कामयाब हो जाते, तो कितना बड़ा हादसा हो सकता था!

बदलाव करने की बात

इसी तरह घुसपैठियों द्वारा छोड़ा गया 'पीला धुआं' घातक और विषैला होता, तो उसके अंजाम कुछ भी हो सकते थे! यह सिर्फ सुरक्षा संबंधी गंभीर चूक नहीं है, बल्कि यह हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा पर हमला भी है। खुफिया विभाग की भी नाकामी है। सुरक्षा बंदोबस्त और जांच-पड़ताल में गहरी दरारें हैं। हमारी संसदीय सुरक्षा धातु-आधारित रही है। उसमें जूता,प्लास्टिक और रबड़ आदि रडार पर नहीं आते। अब इसमें बदलाव करने की बात शुरू हो गई है। अब फुल बॉडी स्कैनर लगाने की भी चर्चा शुरू हुई है। दर्शक-दीर्घा में कांच की दीवार बनाई जा सकती है, ताकि सदन में कूदने की किसी भी संभावना को खत्म किया जा सके। यह प्रहार नये संसद भवन में हुआ है। सवाल है कि बीते तीन माह से संसद की सुरक्षा का आईपीएस प्रभारी, संयुक्त सचिव स्तर का अधिकारी, तैनात क्यों नहीं है? सरकार खाली पदों पर सुरक्षाकर्मियों की भर्ती क्यों नहीं कर रही है? क्या सिर्फ स्पीकर के विशेषाधिकार में ही संसद की सुरक्षा छोड़ी जा सकती है? यह संभव ही नहीं है। संसद में देश के प्रधानमंत्री, स्पीकर और सभापति, मंत्री गण और चुने हुए सांसद बैठते हैं और देश की दिशा और दशा तय करने के फैसले लेते हैं। क्या आतंकी घुसपैठिए उन तक भी पहुंच सकते हैं? यह सवाल आज घोर चिन्तन-मनन का है।

हंगामा करना महज राजनीति

क्या वे युवक या इस कांड के गिरफ्तार किए गए सभी किरदार 'आतंकवादी' हैं। सभी के व्यक्तिगत खुलासे देश के सामने हैं। एक बात मैं अपने अनुभव से स्पष्ट कर सकता हूं कि संसद के भीतर जाना बिल्कुल भी आसान नहीं है। सांसद के सिफारिशी पत्र के बावजूद दीर्घा तक पहुंचना सरल नहीं है। संसद की कार्यवाही कवर करने वाले पत्रकारों को भी कंप्यूटरीकृत सुरक्षा जांच से गुज़रना पड़ता है। दीर्घा से पहले एक छोटा-सा रिसेप्शन होता है, जहां बैग, मोबाइल, कोई अन्य संवेदनशील वस्तु आदि छोड़ कर आप दीर्घा में जा सकते हैं। दीर्घा में जाने वाले के पास एक पेन और नोटबुक की ही अनुमति है। आरोपितों के खिलाफ आतंकवाद रोधी अधिनियम यूएपीए की धारा 16 और 18 में मामले दर्ज किए गए हैं। आपराधिक साजिश, देश को तोड़ने, सांसदों के काम में बाधा डालने सरीखी धाराएं भी लगाई गई हैं। यूएपीए में ही फांसी या आजीवन कारावास की सजा दी जा सकती है। बेशक उच्चस्तरीय जांच की जा रही है। उसके ठोस निष्कर्षों के बिना गृहमंत्री सदन में वक्तव्य नहीं दे सकते, यह विपक्ष के सांसदों को भी ज्ञात होना चाहिए। लिहाजा लोकसभा में हंगामा करना महज राजनीति है। बेरोज़गारी और महंगाई, यकीनन, राष्ट्रीय समस्याएं हैं, लेकिन वे आतंकवाद या घुसपैठ अथवा किसी प्रहार के जरिये संसद के भीतर नहीं जा सकतीं। लिहाजा विपक्षी सांसद आरोपितों को 'बेचारा बेरोज़गार' या 'भूला-भटका' मत कहें। अभी तो यह यथार्थ सामने आना है कि संसद में कूदने वाले युवक और उनके 'मास्टर माइंड' कौन हैं? किस संगठन से जुड़े हैं या कौन उन्हें फंडिंग कर रहा है? जब कश्मीर में आतंकवाद और जेहाद चरम पर थे, तब भी सियासत की एक जमात युवा आतंकियों को 'भूला-भटका' मानती थी, लेकिन अकेले उस आतंकवाद ने करीब 45,000 जिंदगियां छीन ली थीं। पंजाब और पूर्वोत्तर के आतंकवाद की तो मैं चर्चा ही नहीं कर रहा हूं। और अब तो संसद पर प्रहार किया गया है। यह गंभीर बात है।

सुरक्षा की समीक्षा

घुसपैठियों की 'शहीद भगत सिंह' या 'नेताजी सुभाष चंद्र बोस' सरीखों से तुलना करना भी देशद्रोह है। महान क्रांतिकारियों को बदनाम करने का दुस्साहस है। इसका सभी खंडन करें और सोशल मीडिया को भी तलब करें। विपक्ष को यह बताना भी अनिवार्य है कि मैसूर के विवादित भाजपा सांसद प्रताप सिम्हा से स्पीकर ओम बिरला स्पष्टीकरण ले चुके हैं और जांच समिति भी उनसे पूछताछ करेगी। कमोबेश अब सरकार और विपक्ष को इस मुद्दे पर साझा विमर्श करना चाहिए कि संसद में सुरक्षा के चाक-चौबंद बंदोबस्त कैसे किए जा सकते हैं? सुरक्षित होना जरूरी है।

भविष्य के नजरिये से परखें नेतृत्व परिवर्तन को

तीन नए सीएम
उमेश चतुर्वेदी
वरिष्ठ पत्रकार

अपने फायदे के लिए राजनीति बेशक जज्बात का इस्तेमाल करती है, लेकिन असलियत में वह बेहद निर्मम होती है। इसे बिडंबना ही कहेंगे कि राजनीति जिस बुनियाद पर, जिसके नाम पर कदम-दर-कदम आगे बढ़ती है, वह लोक स्वभाव से कहीं ज्यादा भावुक होता है। हर चुनावों के बाद जज्बात का यह रेला उमड़ता है और कई बार इतिहास के कूड़ेदान में कहीं खो जाता है। पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनाव और तीन राज्यों में मिली प्रचंड जीत के बाद भाजपा ने जिस तरह के कदम उठाए हैं, उसके बाद जज्बातों का यह रेला एक बार फिर दिख रहा है। भाजपा के प्रशंसक और वोटर वर्ग में जहां मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे शिवराज सिंह चौहान के लिए भावनाओं का यह ज्वार कहीं ज्यादा उमड़ा दिख रहा है। दिलचस्प यह है कि जज्बात का यह रेला मोदी विरोधी मीडिया और राजनीति की ओर से भी हिलोरें लेता नजर आ रहा है, जो शिवराज के लिए बेचारा भाव दिखाते हुए मोदी-शाह की जोड़ी की रणनीति पर सवाल खड़े कर रहा है। हालांकि प्रशंसकों व मोदी विरोधी सियासी मोर्चे की भावुकता में भी राजनीति है। मोदी विरोधी खेमे की भावुकता में राजनीति की चाशनी ज्यादा है।

लेकिन सवाल यह है कि क्या नरेंद्र मोदी-अमित शाह की जोड़ी ही भारतीय लोकतांत्रिक इतिहास की पहली शख्सियत है, जो जज्बात और पारंपरिक राजनीतिक मुहावरों को किनारे रख रही है? यादों की खोह से जब हम गुजरेंगे तो हमें पता चलेगा कि यह पहला मौका नहीं है, जब किसी विजेता मुख्यमंत्री को अगली सरकार के नेतृत्व से वंचित कर दिया गया।

याद कीजिए, 1985 के विधानसभा चुनावों को। जिस मध्य प्रदेश के शिवराज को लेकर जज्बातों का ज्वार उमड़ रहा है, उसी मध्य प्रदेश और बिहार में 1985 में विधानसभा चुनाव हुए थे। मध्य प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री अर्जुन सिंह की अगुआई में कांग्रेस चुनाव मैदान में उतरी थी। बेशक इंदिरा गांधी की हत्या की याद ताजा थी। लेकिन यह भी नहीं भूलना चाहिए कि भोपाल गैस त्रासदी से उपजे जख्म भी ताजे थे। कांग्रेस को ना सिर्फ जीत मिली, बल्कि पिछले 1980 के चुनावों की तुलना में दो सीटें ज्यादा यानी 250 सीटों पर जीत मिली थी। कुछ-कुछ आज ही की तरह के तब भी हालात थे। विपक्षी भाजपा की सीटें 60 से घटकर 58 रह गई थीं। यहां जान लेना जरूरी है कि तब मध्य प्रदेश से छत्तीसगढ़ अलग नहीं हुआ था। उस दौरान मध्य प्रदेश की विधानसभा में 320 सीटें होती थीं। अव्वल तो इस जीत का श्रेय अर्जुन सिंह को जाता था। इस लिहाज से एक बार फिर उन्हें ही राज्य की कमान मिलनी चाहिए थी। अर्जुन सिंह की आस बेमानी भी नहीं थी। लेकिन राजीव गांधी ने उनकी जगह पूर्व पत्रकार और कभी राजनादगांव जिले के खबरनवीस रहे मोतीलाल वोरा को कमान सौंप दी थी। मोतीलाल ने राजनीति की शुरूआत सोशलिस्ट पार्टी से की थी। तब भी मध्य प्रदेश कांग्रेस में कई लोग ऐसे रहे होंगे, जिन्होंने कांग्रेसी राजनीतिक माहौल में ना सिर्फ सांस लेना शुरू किया होगा, बल्कि उनका सियासी कद आसमान छू रहा होगा। लेकिन राजीव गांधी ने मोतीलाल वोरा पर भरोसा किया।

1985 के ही शुरूआती महीनों में बिहार में भी विधानसभा के चुनाव हुए। तब कांग्रेसी सरकार की अगुआई चंद्रशेखर सिंह कर रहे थे। उनकी अगुआई में बिहार विधानसभा की 324 सीटों में से कांग्रेस ने 196 सीटों पर भारी जीत मिली थी, जबकि इसके ठीक पहले 1980 में हुए विधानसभा चुनावों में कांग्रेस को 169 सीटों पर जीत मिली थी। 1980 के चुनावों के आंकड़ों के हिसाब से देखें तो 1985 की जीत के लिए कुछ हद तक चंद्रशेखर सिंह को भी श्रेय दिया जाना चाहिए। इस लिहाज से मुख्यमंत्री की कुर्सी पर उनका हक बनता था। पिछले चुनाव की तुलना में 27 सीटें ज्यादा जीतने की वजह से उनका दावा और भी मजबूत था। लेकिन राजीव गांधी ने मध्य प्रदेश की तरह चंद्रशेखर सिंह की बजाय बिंदेश्वरी दुबे पर भरोसा किया और उन्हें कांग्रेसी ताज सौंप दिया गया। यह पता नहीं है कि 1985 में अर्जुन सिंह और चंद्रशेखर सिंह को लेकर आज के शिवराज के पक्ष में उठे जज्बात की तरह कोई लहर चली या नहीं। बहरहाल ऐसे में यह मानना कि शिवराज को मौका ना मिलना भारतीय राजनीति के लिए कोई पहली घटना है, वह गलत है, ऐसा अतीत में भी हो चुका है।

राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में जिस तरह जमे-जमाए नेताओं को मौका न देकर भाजपा ने जिस तरह नए व अनजान जैसे नेताओं को कमान सौंपी है, उसकी भाजपा से ज्यादा विरोधी खेमे की ओर से आलोचनाएं हो रही हैं। कहा जा रहा है कि मोदी-शाह का कदम प्रचलित राजनीतिक सिद्धांतों की बलि है। भाजपा में भी पहली बार ऐसा नहीं हो रहा है। याद कीजिए, 2003 के मध्य प्रदेश और राजस्थान के चुनावों को। तब मध्य प्रदेश में सुंदरलाल पटवा, गौरीशंकर शेजवार, विक्रम वर्मा, कैलाशचंद्र जोशी जैसे कद्दावर नेता मौजूद थे, लेकिन भाजपा ने उनकी तुलना में अपेक्षाकृत नई और युवा नेता उमा भारती को चुना। उमा भारती ने भी बीजेपी को निराश नहीं किया और 2003 में भाजपा को राज्य में भारी जीत मिली। इसी तरह जब उसी साल वसुंधरा पर भाजपा ने राजस्थान के लिए भरोसा जताया, तब बेशक राजस्थान भाजपा के दिग्गज भैरो सिंह शेखावत उपराष्ट्रपति बन चुके थे। उनके बाद ललित किशोर चतुर्वेदी, गुलाब चंद कटारिया, हरिशंकर भाभड़ा जैसे दिग्गज नेता तब राजस्थानी राजनीति में सक्रिय थे। जसवंत सिंह को भी इसी श्रेणी में रख सकते हैं, लेकिन पार्टी ने उनकी तुलना में नई वसुंधरा पर भरोसा जताया और उन्हें कमान सौंप दी। कुछ इसी तरह 2001 में गुजरात में नरेंद्र मोदी को भी कमान सौंपी गई। जबकि वहां केशुभाई पटेल, शंकर सिंह बाघेला, सुरेश राणा जैसे दिग्गज नेता पहले से ही थे, लेकिन पार्टी ने मोदी पर भरोसा जताया। इन नेताओं ने अपनी परिस्थितियों में बेहतर प्रदर्शन किया। अपने संगठन को भी ऊंचाई तक पहुंचाया और अपनी सरकारों को भी। 2001 के गुजरात के नए नेतृत्व की ताकत तो अब देश देख रहा है। नरेंद्र मोदी देश ही नहीं वैश्विक क्षितिज पर छा गए हैं। इन संदर्भों में कह सकते हैं कि भाजपा ने तीनों राज्यों में जिन नए नेतृत्वों पर भरोसा जताया है, उसकी भी वजह यही रही है कि ये संगठन और परिदृश्य को भविष्य में नई ऊँचाइयां देंगे।

इन अर्थों में कांग्रेस में बदले गए नेतृत्व को भी परखना होगा। यह देखना होगा कि उन्होंने किस तरह अपनी पार्टी को फायदा पहुंचाया। एमपी में मोतीलाल वोरा को देखिए। वे अगली बार अपनी सरकार को वापस नहीं जिता पाए। यही स्थिति बिहार में भी हुआ। बिंदेश्वरी दुबे 3 साल बाद ही हटा दिए गए। जगन्नाथ मिश्र आए। उसके बाद कांग्रेस बिहार में लौट ही नहीं पाई।

दरअसल कांग्रेसी और भाजपायी नेतृत्व परिवर्तन में सोच और दृष्टि को लेकर काफी अंतर है। बीजेपी के बारे में कहा जा सकता है कि नेतृत्व परिवर्तन की वजह नए नेतृत्व को उभारना और उसके जरिए संगठन को भविष्य के अनुरूप तैयार करना है, जबकि कांग्रेसी नेतृत्व परिवर्तन में या तो आलाकमान की अपनी पसंद-नापसंद दिखती रही है या फिर क्षत्रपों की मठाधीशी। कांग्रेसी राजनीतिक हल्के में यह प्रवृत्ति बीते विधानसभा चुनावों में भी दिखी। अगर कमलनाथ और दिग्विजय सिंह ने नए नेतृत्व के लिए राह खाली की होती या उन्हें मौका दिया होता, कुछ ऐसी सोच अशोक गहलोत की रहती तो शायद कांग्रेस के लिए चुनावी नतीजे ऐसे नहीं होते। लेकिन दोनों राज्यों में स्थापित नेतृत्व की दबंगई कायम रही। कांग्रेस का आलाकमान भी इनके सामने दयनीय रहा। तेलंगाना में उसने नए नेतृत्व पर भरोसा जताया और हालात बदल कर रख दिया। कांग्रेसी हल्के में नेतृत्व परिवर्तन के पीछे दूरंदेशी अंदाज कम नजर आता है, जबकि बीजेपी की सोच इसके उलट नजर आती है। हो सकता है कि नेतृत्व परिवर्तन के पीछे बीजेपी आलाकमान की अपनी पसंद और नापसंद भी रही हो, लेकिन मोटे तौर पर यह दृष्टिगोचर नहीं हो रहा। इसीलिए शायद बीजेपी लगातार आगे बढ़ती दिख रही है।

विरोध का तरीका सही नहीं

धुआं कांड
सुरेश हिंदुस्थानी
वरिष्ठ पत्रकार

लोकतंत्र में सरकार की कार्यप्रणाली से सहमत या असहमत होना एक जायज प्रक्रिया है। रचनात्मक विरोध लोकतंत्र को और भी मजबूत बनाता है, लेकिन अभी लोकसभा के अंदर जिस प्रकार से कुछ अराजक लोगों ने धुआं कांड करके दहशत पैदा करने की कोशिश की, वह अक्षम्य है। ऐसे अराजकों के खिलाफ कार्रवाई होनी ही चाहिए, पर उससे भी दुर्भाग्यपूर्ण है कि इस कांड पर राजनीति हो रही है। तथ्यात्मक बात यह है कि विपक्षी दलों ने आरोपियों पर कार्रवाई की मांग के बजाय सरकार को निशाने पर लिया है। सुरक्षा की जिम्मेदारी सरकार की होती है, इसलिए सरकार की ओर से इस मामले में जिम्मेदारी वाला व्यवहार किया ही जाना चाहिए, लेकिन विपक्ष का रवैया भी देश हित का होना चाहिए, क्योंकि अपराध को लेकर राजनीति करना देश के लिए घातक है। यहां सुरक्षा में चूक तो है ही, इसके लिए सुरक्षा एजेंसियां अपनी जिम्मेदारी से मुंह नहीं मोड़ सकतीं।

वर्तमान में देश की सभी समस्याओं के लिए जिम्मेदार ठहराने के लिए केंद्र सरकार को निशाने पर लेना एक आम बात होती जा रही है। इसके लिए राष्ट्रीय एकता और संप्रभुता की मर्यादाओं को भी लांघने का कृत्य भी यदा-कदा दिखाई देता है। यह बात सही है कि विविधता वाले भारत देश में कोई एक बात सबको सही लगे, यह हो ही नहीं सकता, लेकिन लोकतंत्र यही कहता है कि विरोध जताने का तरीका अहिंसक, लोकतांत्रिक व शांतिपूर्ण होना चाहिए। व्यक्तिगत स्वार्थ व्यक्ति को अधिकांशतः गलत मार्ग पर ही ले जाने के लिए प्रेरित करता है। विपक्ष का रवैया आरोपियों के हौसले बढ़ाने वाला है, वे आरोपियों पर नरम और सरकार पर गर्म हो रहे हैं। हालांकि यह भी सर्वथा सत्य है कि देश की संसद पर इस प्रकार का कृत्य सरकार द्वारा प्रायोजित सुरक्षा पर भी अनेक प्रकार के सवाल स्थापित करता है। विपक्ष की ओर से उठाए जाने वाले सवाल जायज हैं, लेकिन सुरक्षा के मुद्दे को राजनीतिक रूप से उठाना अत्यंत गंभीर है। विपक्षी दल के सांसद भी देश की संसद का हिस्सा हैं, इसलिए उनकी भी भारत की संवैधानिक संस्थाओं के प्रति जिम्मेदारी कम नहीं होती। सरकार के हर कदम की आलोचना करना मात्र ही राजनीति नहीं होती। राजनीति में देश भाव दिखना चाहिए।

आज देश का राजनीतिक वातावरण एक प्रकार से प्रदूषित जैसा दिखाई देता है। देश में इस राजनीतिक प्रदूषण के लिए हर राजनीतिक दल जिम्मेदार है, क्योंकि आज के राजनीतिक दल एक दूसरे को नीचा दिखाने और स्वयं को स्थापित करने की राजनीति करते दिखाई देते हैं। वास्तविकता यह है कि इस प्रकार की राजनीति किसी भी प्रकार से देश हितैषी नहीं कही जा सकती, लेकिन सवाल यह भी है कि संसद की मजबूत सुरक्षा व्यवस्था को चुनौती देते हुए कुछ लोग असंसदीय हरकत कर देते हैं। यह घटना सरकार के सुरक्षा इंतजामों पर गहरे सवाल अंकित करती है। अगर विपक्षी दल सरकार के गृह मंत्री पर सवाल उठाते हैं तो इसमें गलत क्या है। गृह मंत्री को जवाब देना ही चाहिए, क्योंकि गृहमंत्री जवाब नहीं देंगे तो कौन देगा? यहां पर सवाल यह भी आता है कि अगर गृह मंत्री जवाब देने के लिए आते हैं तो क्या विपक्ष उनको सुनने को तैयार होगा? ऐसा इसलिए कि कई बार विपक्षी दल चर्चा से भागे हैं। हालांकि सुरक्षा बलों ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार होने वाले आरोपियों से पूछताछ हो रही है।

इस घटना को चाहे कुछ भी रूप दिया जाए, लेकिन इतना अवश्य कहा जा सकता है कि इन सभी ने कानून अपने हाथ में लिया है। विपक्षी नेता इन आरोपियों के बारे में यह वकालत करते दिखते हैं कि वह बेरोजगारी के कारण मोदी सरकार से दुखी थे, और वे सरकार के विरोध में आक्रोश व्यक्त कर रहे थे। परंतु विपक्षी दलों को यह भी समझना चाहिए कि क्या आक्रोश व्यक्त करने का यह तरीका ठीक था? इसका प्रथम दृष्टया उत्तर यही होगा कि विरोध करने का स्थान संसद नहीं

होना चाहिए। जैसे विरोध के अन्य आंदोलन होते हैं, वैसे ही लोकतांत्रिक तरीके से विरोध करना चाहिए। यहां एक सवाल यह भी आ रहा है कि जो विरोध करने वाले हैं, उनको संबल कौन दे रहा है? उनके पीछे कौन हैं? भाजपा के वे सांसद जिन्होंने इन धुआं कांड के आरोपियों का पास बनवाने में सहयोग किया, आखिर उनसे चूक कैसी हुई? क्या वे सांसद भी धुआं कांड की साजिश करने वालों के शिकार बन गए? पास बनवाने में मदद करने वाले की भूमिका की जांच होनी चाहिए। संसद में हुई घटना के निहितार्थ कुछ भी हों, लेकिन सुरक्षा का विषय कभी राजनीतिक नहीं होना चाहिए। आरोपियों की कार्यवाही के बाद लोकसभा में जिस प्रकार का दृश्य दिखाई दिया, उससे एक भय पैदा हुआ। सांसद इधर उधर भागने लगे। आतंक की स्थिति निर्मित हो गई थी। यह एक प्रकार से सुरक्षा बलों की नाकामी ही थी। और भी बड़ी घटना हो सकती थी, क्योंकि आरोपी जिस प्रकार से संसद के अंदर पहुंचने में सफल हो गए, उसके आधार पर कहा जा सकता है कि ऐसे ही खतरनाक इरादों वाले भी पहुंच सकते थे। इसके बाद फिर वैसा ही दृश्य उपस्थित होने में देर नहीं लगती, जो 2001 में 13 दिसंबर को दिखाई दिया था। सवाल यह भी है कि आरोपियों ने इसी दिन को क्यों चुना? क्या इसके तार भी उस घटना से जुड़े हैं। इस बात की जांच की जानी चाहिए। खैर, जो भी हो घटना को हल्के में नहीं लेना चाहिए। सत्ता पक्ष और विपक्ष को भी इसकी गंभीरता समझना चाहिए, क्योंकि यह सब सुनियोजित तरीके से किया गया था। नारे लगाना और स्मोक बम फोड़ना उस स्थान पर सामान्य बात नहीं है, जहां ऐसा करना प्रतिबंधित हो। इस घटना को देश मानस के हिसाब से देखना चाहिए, राजनीतिक दृष्टि से नहीं।

कांग्रेस की तिजोरी खाली, जन जन से जुटाएगी फंड

नई दिल्ली। कांग्रेस पार्टी की तिजोरी खाली हो रही है। खर्च के हिसाब से चन्दे आ नहीं रहे। देश के लक्ष्मी पुत्रों ने कांग्रेस पार्टी को चन्दा देना लगभग बन्द कर दिया है। राजनीतिक दलों को बांड के माध्यम से आर्थिक मदद देने का फॉर्मूला जब से पॉलिसी के रूप में आकार लिया तब से आंकड़े इस बात के गवाह हैं कि कांग्रेस पार्टी की आर्थिक हालत खस्ता होती गई। हालात ये है कि कांग्रेस पार्टी अब आमजन तक चंदे के लिए पहुंचेगी।

आगामी 18 दिसंबर से कांग्रेस पार्टी चंदा जुटाने के लिए "क्राउड फंडिंग" अभियान की शुरुआत करने जा रही है। कांग्रेस ने इस अभियान का नाम 'डोनेट फॉर देश' रखा है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा दिल्ली से इसकी शुरुआत की जाएगी। कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल और कांग्रेस कोषाध्यक्ष अजय माकन ने शनिवार को प्रेस वार्ता में यह जानकारी दी। वेणुगोपाल ने कहा कि कांग्रेस को अपने ऑनलाइन क्राउड फंडिंग अभियान 'डोनेट फॉर देश' लॉन्च की घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है। यह पहल 1920-21 में महात्मा गांधी के ऐतिहासिक तिलक स्वराज कोष से प्रेरित है। इस अभियान का उद्देश्य एक श्रेष्ठ भारत बनाने में कांग्रेस पार्टी को सशक्त करना है। यह अभियान 'बेहतर भारत के लिए दान' भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की 138 साल की यात्रा का जश्न है। वेणुगोपाल ने कहा कि कांग्रेस पार्टी के 138 वर्ष पूरे होने पर कांग्रेस पार्टी देशवासियों से 138 रुपए के गुणक (जैसे, 138 रुपए, 1,380 रुपए, 13,800 रुपए, या अधिक) दान करने के लिए अनुरोध करती है।

संसद में सुरक्षा घेरा तोड़ने पर कांग्रेस और भाजपा में वार-पलटवार

बेरोजगारी के कारण संसद का सुरक्षा घेरा टूटाः राहुल

कांग्रेस को हमलावरों पर सहानुभूति क्यों ?ः पूनावाला

भाजपा नेता शहजाद पूनावाला ने मीडियाकर्मियों से चर्चा करते हुए कांग्रेस पर निशाना साधा है। पूनावाला ने कहा कि राहुल 3 चुनाव हार क्या गए ऐसा तर्क दे रहे। पार्टी कार्यालय में पत्रकार वार्ता के दौरान उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधा। पूनावाला ने कहा पहले जब भी ऐसी घटनाएं हुईं, तो कभी भी तुच्छ राजनीति नहीं की गई....

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

संसद की सुरक्षा को लेकर एक बार फिर सवाल उठाए जाने लगे हैं। वरिष्ठ कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने संसद में सुरक्षा उल्लंघन पर अपनी पहली टिप्पणी में इसके लिए पीएम नरेंद्र मोदी की नीतियों को दोषी ठहराया। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके कारण देश में बेरोजगारी और मुद्रास्फीति में इजाफा हुआ है।

पत्रकारों से बात करते हुए राहुल ने कहा कि लोकसभा में सुरक्षा उल्लंघन क्यों हुआ? बेरोजगारी इस समय देश का सबसे बड़ा मुद्दा है। मोदीजी की नीतियों के कारण भारत के युवाओं को नौकरी नहीं मिल पा रही है। उल्लंघन तो जरूर हुआ है, लेकिन इसके पीछे बेरोजगारी और महंगाई ही कारण है। इस मामले में गिरफ्तार किए गए चार लोगों में से कम से कम तीन बेरोजगार हैं। दो के परिवारों का कहना है कि वे नौकरी नहीं मिलने से निराश थे।

ओछी राजनीति न करें, इनके तार तो आपसे नहीं जुड़ेः भाजपा

पालकों का कहना- हम समृद्ध नहीं, फिर भी शिक्षित किया

मैसूरु निवासी मनोरंजन इंजीनियरिंग स्नातक है, जो एक आईटी फर्म में काम करता था, अब खेती में अपने पिता की मदद कर रहा है। लातूर के अमोल शिंदे सेना भर्ती में में कोशिश की थी, लेकिन सफल नहीं रहा। जींद की नीलम आज़ाद एक प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक की नौकरी के लिए असफल कोशिश की थी। चौथा लखनऊ का सागर शर्मा ई-रिक्शा चलाता है। आजाद की मां सरस्वती ने कहा कि हम एक समृद्ध परिवार नहीं हैं, लेकिन फिर भी हमने उसे शिक्षित किया। वह कहती थीं कि मैंने बेवजह बहुत पढ़ाई की लेकिन नौकरी नहीं मिली। इससे अच्छा तो मैं मर जाऊं। अमोल की मां ने कहा था कि सेना भर्ती में असफल होने के कारण वह उदास हो गया था। न जाने किस कारण से उसने ऐसा किया?

पहले भी हुई हैं ऐसी घटनाएं

भाजपा नेता शहजाद पूनावाला ने कहा कि पहले जब भी ऐसी घटनाएं घटीं, उन पर कभी ओछी राजनीति नहीं की, लेकिन राहुल एक ऐसा नेता जो हमेशा युवा है लेकिन अपरिपक्व हैं। 13 दिसंबर को जो कुछ हुआ उसे शर्मनाक तरीके से सही ठहराते हुए कहता है कि इस तरह की घटना इसलिए हुई क्योंकि देश में बेरोजगारी और महंगाई है।

भाजपा प्रवक्ता पूनावाला ने कहा

राहुल शर्मनाक हरकत को सही ठहरा रहे

संसद सुरक्षा उल्लंघन में कांग्रेस संसद के बयान पर भाजपा ने पलटवार किया है। पूनावाला ने कांग्रेस पर निशाना साधा है। पूनावाला ने कहा कि राहुल गांधी 3चुनाव हार क्या गए ऐसा तर्क दे रहे। पूनावाला दिल्ली में स्थित पार्टी कार्यालय में हुई पत्रकार वार्ता को सम्बोधित किया था। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधा। पूनावाला ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि, पहले जब भी ऐसी घटनाएं हुईं, तो उन पर कभी भी तुच्छ राजनीति नहीं की गई लेकिन राहुल एक ऐसा नेता जो युवा हैं लेकिन अपरिपक्व हैं, सामने आते हैं और जो हुआ उसे शर्मनाक तरीके से सही ठहराते हैं।

निंदा करने की जगह कांग्रेस इसे जायज बता रही

पूनावाला ने संवाददाता सम्मेलन में कांग्रेस और आईएनडीआईए गठबंधन पर निशाना साधते हुए बयान को बचकाना और गैरजिम्मेदाराना बताया। पूनावाला ने कहा कि देश और संसद की सुरक्षा जैसे गंभीर मुद्दे पर राजनीति नहीं की जानी चाहिए। संसद के भीतर 13 दिसंबर की घटना दुर्भाग्यपूर्ण थी। इसकी निंदा की जानी चाहिए लेकिन कांग्रेस के नेता हमलावरों के प्रति सहानुभूति दिखा रहे हैं। कांग्रेस के अभियान डोनेशन फॉर देश पर शहजाद पूनावाला ने कहा कि इन्होंने साठ सालों तक देश को लूटा है। तीन राज्यों में हार के बाद यह साफ है कि देश तो कांग्रेस को वोट देने के मूड में भी नहीं है।

नीलम तो कांग्रेस के लिए वोट मांगती दिखी थी

पूनावाला ने सवालिया लहजे में कहा कि संसद के अंदर हमला करने वालों के बचाव में उतरे विपक्ष के तार तो कहीं इनके साथ नहीं जुड़े हैं? हमले की आरोपित नीलम आजाद कांग्रेस के कार्यकर्ताओं के साथ दिखाई दी थी और उसके लिए ही वोट मांगती दिखाई दी थी। इनको कानूनी सहायता भी कांग्रेस पार्टी तो नहीं दे रही हैं? ये रिश्ता क्या कहलाता है?

कांग्रेस सांसद के यहां मिले 351 करोड़ रु.

धीरज साहू गांधी परिवार का एटीएम, जवाब तो देना होगा

कटक में एक स्कूल की 150वीं वर्षगांठ में शिक्षा मंत्री प्रधान ने दी प्रतिक्रिया

एजेंसी ▶▶ कटक

कांग्रेस सांसद धीरज साहू के घर एवं दूसरे ठिकानों से करोड़ों रुपए बरामद होने के मामले में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने गांधी परिवार पर निशाना साधा है।उन्होंने कहा कि धीरज साहू गांधी परिवार का एटीएम है। ये तमाम रुपए राहुल गांधी और प्रियंका गांधी एवं उनके परिवार का है। शिक्षा मंत्री कटक में आयोजित एक स्कूल के 150वीं वर्षगांठ में हिस्सा लेने के मौके पर दिए अपनी प्रतिक्रिया में यह बात कही है। ओडिशा समेत देश के विभिन्न जगह पर आयकर विभाग की ओर से हुई छापेमारी में झारखंड के कांग्रेस सांसद धीरज साहू के घर से एवं उनके शराब फैक्ट्री और विभिन्न ठिकानों से करोड़ों रुपए बरामद हुए। साहू ने शुक्रवार को अपने प्रतिक्रिया में कहा है कि वह तमाम रुपए उनके परिवार का है। इन पैसों के लाभार्थी कौन है, जवाब उन्हें देना होगा। रकम कहां से आई उसे भी बताना होगा।

2- 3 राज्यों में था शराब का कारोबार

झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों के आबकारी नीति निर्धारक थे। ओडिशा से सबसे ज्यादा राशि बरामद की गई है और वजह है कि यहां पर आबकारी नीति में भ्रष्टाचार ही प्रमुख वजह है। यहां की भ्रष्ट आबकारी नीति में दीमक लगने के कारण यह देखने को मिला है।उन्होंने कहा कि इस घटना में जो भी शामिल है, उसे जवाब देना होगा। छुपाने से कुछ नहीं होगा। एजेंसी जांच में जुटी है। आज भी देश के विभिन्न ठिकानों पर इस घटना को लेकर जांच जारी है। 500 करोड़ से अधिक रुपए का पता लग चुका है।

जांच की जा रही, रिपोर्ट आने दीजिए

संसद की सुरक्षा में चूक को लेकर धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि जांच एजेंसी घटना की जांच कर रही है। उसकी रिपोर्ट आने दीजिए। इससे पहले भी इस तरह की दुर्भाग्यपूर्ण घटना हुई है। संसद में इस तरह की घटना पहले भी हो चुकी है, लेकिन ऐसा नहीं होना चाहिए था। पार्लियामेंट एक गंभीर स्थान है। जो लोग ये काम किए हैं, वह बिल्कुल गलत काम किए हैं।

सुक्खू सरकार राहत राशि में कर रही बंदरबांट

बिलासपुर। तीन राज्यों में जीत के बाद बिलासपुर पहुंचे भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने कहा कि 21वीं सदी सात्विक शक्तियों की है। अभिनंदन समारोह में नड्डा ने कहा कि कांग्रेस के कार्यकाल में किसी भी काम के पूरा नहीं होने की गारंटी पक्की है। कांग्रेस सरकार राहत राशि में बंदरबांट कर रही है। लोकसभा चुनाव में भाजपा प्रदेश की चारों सीटें जीतेगी।

चमोली पुलिस का फेसबुक पेज हैक

चमोली। साइबर अपराधियों ने चमोली पुलिस का ऑफिशियल फेसबुक पेज हैक कर दिया। पुलिस के लोगो वाली तस्वीर को हटाकर वहां आपत्तिजनक तस्वीर लगा दी। साइबर अपराधियों ने इससे पहले भी उत्तराखंड पुलिस का फेसबुक पेज हैक किया था। शुरुआत में कोई समझ ही नहीं पाया कि ये पुलिस का ऑफिशियल पेज ही है या किसी ने बनाया है।

अगले साल के लिए ऐसा बनाएं पोर्टफोलियो, रहेंगे फायदे में

इक्विटी, डेट और गोल्ड के सही बैलेंस से मिलेगा हाई रिटर्न, राजनीतिक निरंतरता भी बाजार के आत्मविश्वास को बढ़ा रही

- वर्तमान वैल्युएशन पर, लार्जकैप में मिडकैप और स्मॉलकैप की तुलना में अधिक सेफ्टी मार्जिन
- शेयर बाजार रोज नए रिकॉर्ड बना रहा, सभी फंडों में दिख रहा उछाल, दे सकता है बढ़िया रिटर्न
- बाजार की लेटेस्ट रैली में सेंसेक्स 70500 के लेवल से पार गया, निवेशकों ने करोड़ों कमाए
- निफ्टी भी 21150 के पार निकला और लाखों निवेशकों को दे गया अच्छा मुनाफा

बिजनेस डेस्क

अगर आप निवेशक हैं या निवेश करने जा रहे हैं और अगले साल अच्छा मुनाफा चाहते हैं जो कुछ बातें पल्ले गांठ बांध लें और निवेश के लिए तैयार हो जाएं। अपने पोर्टफोलियों को इक्विटी, डेट और गोल्ड के सही बैलेंस से मजबूत बना लें और अच्छा मुनाफा कमाने के लिए तैयार हो जाएं। इससे आपको हाई रिटर्न मिलेगा और आप आसानी से मालामाल हो जाएंगे। राजनीतिक निरंतरता भी बाजार के आत्मविश्वास को बढ़ा रही हैं। जो निवेशकों के लिए बेहद फायदेमंद हैं। तो आप भी निवेश के लिए तैयार हो जाएं और नए साल से पहले अपने पोर्टफोलियो को रीबैलेंस करने के बारे में विचार करें। वैसे भी शेयर बाजार रोज नए रिकॉर्ड बना रहा है।

बाजार की लेटेस्ट रैली में सेंसेक्स 70500 के लेवल को पार कर गया तो निफ्टी भी 21150 के पार निकल गया। साल 2023 में दोनों इंडेक्स में 16 से 17 फीसदी तेजी आई है। ऐसे में बाजार का वैल्युएशन एक चिंता वाली बात है। इसलिए नए साल के पहले अलग-अलग एसेट क्लास मसलन इक्विटी, डेट और गोल्ड में अपना पैसा बैलेंस तरीके अलोकेट करना चाहिए, ताकि पोर्टफोलियो को डाइवर्सिफाइड तरीके से मजबूत किया जा सके। साथ ही आने वाले दिनों में रिस्क कम करते हुए बेहतर रिटर्न हासिल हो सके। बाजार के जानकारों का कहना है कि इस साल आप सधी शुरूआत के साथ बाजार में उतरेंगे और अपनी रिस्क क्षमता के साथ सावधानीपूर्वक बाजार का मंथन कर निवेश करेंगे तो बेहद कम समय में ही मालामाल होकर अपने भविष्य को आर्थिक रूप से सुरक्षित कर लेंगे। इस रिपोर्ट में हम आपको कुछ ऐसे ही ऐसेट्स बताएंगे जो आपको निवेश करने में काफी मददगार साबित हो सकते हैं। हलांकि बाजार में उतार-चढ़ाव तो बना ही रहता है।

अभी किस एसेट पर क्या व्यू

- इक्विटी: ओवरवेट - बेहतर मैक्रो के चलते बाजार में रहेगी तेजी
- डेट : न्यूट्रल
- गोल्ड : न्यूट्रल
- **इक्विटी:** रैली बनाए रखने पर बाजार की नजर

कई ब्रोकरेज हाउस के अनुसार फेवरेबल मैक्रोज के चलते बाजार की अभी एक और रैली पर नजर है। ओवरआल इक्विटी मार्केट के पक्ष में मैक्रोइकोनॉमिक आउटलुक में बदलाव के कारण नवंबर 2023 भारतीय इक्विटी मार्केट के लिए एक रिकवरी महीना साबित हुआ, जिसके चलते निफ्टी ने 1 दिसंबर, 2023 को 20,268 के आल टाइम हाई को टच कर लिया और निवेशकों को बेहतर मार्जन दिया। कई मैक्रोइकोनॉमिक पैरामीटर्स में सुधार से मसलन, अमेरिका में 10-साल की बॉन्ड यील्ड में कूल-ऑफ, कच्चे तेल की कीमतों में नरमी, हाई-फ्रीक्वेंसी इंडीकेटर्स में सुधार, क्यू-2एफवाई-24 में मजबूत अर्निंग, और राज्य चुनावों में सत्ताधारी दल के बेहतर प्रदर्शन। सभी चीजें बाजार के अनुकूल दिखाई दे रही हैं। ऐसे में निवेशकों को घबराना नहीं चाहिए। हालांकि थोड़े लंबे समय के लिए निवेश करना चाहिए।

निफ्टी के लिए बड़ा टारगेट

कुछ ब्रोकरेज हाउस का कहना है कि वर्तमान वैल्युएशन पर, लार्जकैप में मिडकैप और स्मॉलकैप की तुलना में अधिक सेफ्टी मार्जिन दिख रहा है। बहरहाल, ब्रॉडर इंडियन मार्केट की लॉन्ग टर्म स्टोरी आकर्षक बनी हुई है और इस संदर्भ में,

'ग्रोथ ऐट ए रीजनेबल प्राइस' थीम अभी के माहौल में आकर्षक लग रही है। ब्रोकरेज ने दिसंबर 2024 के लिए निफ्टी का टारगेट बढ़ाकर 23,000 कर दिया है। यह और निवेशकों को लुभाने वाली बात है।

अर्थव्यवस्था में जारी रहेगी मजबूती

विधानसभा चुनावों में 4 प्रमुख राज्यों में से 3 में भाजपा के धमाकेदार प्रदर्शन के बाद यह मैक्रोइकोनॉमिक नैरेटिव और मजबूत हुआ है। 2024 के आम चुनावों में राजनीतिक निरंतरता की इस कहानी ने बाजार के आत्मविश्वास को और बढ़ा दिया है। इससे नीतिगत निरंतरता पर विजिबिलिटी भी बढ़ी है, जिससे घरेलू अर्थव्यवस्था को अपनी विकास गति को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी। पिछले कुछ महीनों में मिडकैप और स्मॉलकैप की मजबूत पकड़ के साथ, हमारा मानना है कि लार्जकैप की तुलना में कुछ पॉकेट्स में मौजूदा स्तरों पर सेफ्टी मार्जिन कम हो गया है। जानकारों का कहना है कि अर्थव्यवस्था मजबूत रहेगी।

कहां व कितना करें निवेश

परिसंपत्ति	जोखिम	रूढ़िवादी	ग्रोथ	अग्रेसिव	
इक्विटी	0%	20%	50%	70%	90%
सोना	70%	70%	35%	15%	5%
ऋण	30%	10%	15%	15%	5%
कुल	100%	100%	100%	100%	100%

सोनाः 'गिरावट पर खरीदें'

गोल्ड पर ब्रोकरेज हाउस ने न्यूट्रल स्टांस जारी रखा है और 'गिरावट पर खरीदारी' की रणनीति की सलाह दी है। इससे आपको अगले साल बेहतर रिटर्न मिल सकता है। स्वर्ण बाजार के जानकारों का मानना है कि अगने साल सोना 65 से 70 हजार प्रति दस ग्राम तक के स्तर को भी छू सकता है। गोल्ड में निवेशकों को अच्छा मार्जन मिलने के संकेत मिल रहे हैं। वहीं, कहा भी जाता है कि सोने में निवेश सबसे सुरक्षित है। हालांकि जानकार सोने को गिरावट के बाद ही खरीदने की सलाह दे रहे हैं।

बॉन्ड मार्केट

ब्रोकरेज हाउस ने जोखिम उठाने की क्षमता के आधार पर कुछ नोन-एएए एक्सपोजर वाले बॉन्ड के लिए क्वालिटी अप्रोच का रिकमेंडेशन करते हैं।

करंसी मार्केट को डायरेक्शन देने वाले इवेंट

1) एफओएमसी मीटिंग में ब्याज दरों को लेकर आगे क्या फैसला आता है
2) विकसित अर्थव्यवस्थाओं में ग्रोथ
3) तेल की कीमतें
4) कमोडिटी प्रॉसेस की दिशा
5) महंगाई और विकास की गतिशीलता
6) फॉरेन फ्लो की दिशा

क्रेडिट कार्ड ईएमआई में क्यों करना पड़ता है 18% ज्यादा भुगतान

- क्रेडिट कार्ड के खर्च को ईएमआई में तब्दील करना चाहते हैं, तो जान लें जरूरी बातें
- ईएमआई में आम तौर पर बताए गए ब्याज से ज्यादा भुगतान करना होगा
- यहां तक कि नो कॉस्ट ईएमआई भी बिना लागत नहीं होती

बिजनेस डेस्क

यह बात तो आम तौर पर सभी लोग जानते हैं कि क्रेडिट कार्ड की बकाया रकम को ड्यू डेट यानी देय तारीख तक पूरी तरह नहीं चुकाने पर काफी भारी-भरकम ब्याज देना पड़ सकता है। यह ब्याज कई बार सालाना 42 फीसदी तक भी हो सकता है। इसके अलावा कई बार लेट पेमेंट पेनाल्टी के तौर पर भी मोटी रकम देनी पड़ सकती है, लेकिन अगर आपने क्रेडिट कार्ड से कोई बड़ी खरीदारी की है और ड्यू डेट तक पूरी रकम चुकाना मुश्किल हो रहा है, तो एक उपाय पूरे पेमेंट को ईएमआई में तब्दील करने का होता है। ऐसी ईएमआई पर लगने वाला इंटरेस्ट उस ब्याज के मुकाबले कम होता है, जो पूरी रकम का भुगतान नहीं करने पर देना पड़ता है, लेकिन क्या आपको पता है कि क्रेडिट कार्ड की ईएमआई में बताए गए ब्याज के अलावा 18% एक्स्ट्रा कॉस्ट यानी अतिरिक्त लागत भी जुड़ी होती है।

'नो कॉस्ट ईएमआई' भी बिना लागत नहीं

कई बार आपको क्रेडिट कार्ड कंपनी/रिटेलर की तरफ से पूरी रकम को 'नो कॉस्ट ईएमआई' में तब्दील करने का ऑफर भी मिलता है। आम तौर पर लोग इससे काफी आकर्षित हो जाते हैं। उन्हें लगता है कि 'नो कॉस्ट ईएमआई' का मतलब यह है कि आपको सिर्फ उतने ही पैसे देने हैं, जितने की आपने खरीदारी की है। इसके अलावा कोई एक्स्ट्रा चार्ज नहीं लगेगा, लेकिन आम तौर पर ऐसा होता नहीं है। अक्सर 'नो कॉस्ट ईएमआई' की भी लागत होती है। अगर आपको इस सुविधा का लाभ उठाने का फैसला करते समय इस बारे में जानकारी नहीं होगी, तो क्रेडिट कार्ड की ईएमआई का पेमेंट करते समय आपको झटका लग सकता है।

ऐसा क्यों होता है

आपको पता होना चाहिए कि क्रेडिट कार्ड की बकाया रकम पर लगने वाले ब्याज पर आपको गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स (जीएसटी) भी देना पड़ सकता है। दरअसल, वित्तीय संस्थानों की बहुत सारी सर्विसेज और चार्जेज जीएसटी के दायरे में शामिल हैं, जिनका बोझ आखिरकार ग्राहकों पर ही पड़ता है। क्रेडिट कार्ड पर लगने वाला इंटरेस्ट भी इसी कैटेगरी में शामिल है, जिस पर 18 फीसदी की दर से जीएसटी देना होता है। यह जीएसटी क्रेडिट कार्ड ट्रांजैक्शन के इंटरेस्ट पर लगता है। जाहिर है कि अगर आपने क्रेडिट कार्ड से किए खर्च को ईएमआई में तब्दील किया तो बिल आने पर इंटरेस्ट के ऊपर 18 फीसदी जीएसटी भी जुड़ा हुआ मिलेगा। मिसाल के तौर पर अगर आप ईएमआई के लिए 20 फीसदी ब्याज दे रहे हैं, तो उस पर 18 फीसदी जीएसटी जोड़ने के बाद ब्याज की पूरी लागत 23.6 फीसदी हो जाएगी।

क्रेडिट कार्ड इंटरेस्ट पर जीएसटी

हमने क्रेडिट कार्ड के सामान्य ईएमआई पर लगने वाले जीएसटी की बात की, लेकिन आपके मन में ये सवाल उठ रहा होगा कि अगर हमारी ईएमआई 'नो कॉस्ट' है, तो भला उस पर जीएसटी क्यों लगेगा? दरअसल, नो-कॉस्ट ईएमआई के मामले में भी आमतौर पर ऐसा नहीं होता कि क्रेडिट कार्ड कंपनी ब्याज न ले। असल में क्रेडिट कार्ड जारी करने वाला बैंक तो ब्याज लेता है, लेकिन सामान बेचने वाला रिटेलर ईएमआई के पूरे टेन्योर के दौरान वसूले जाने वाले ब्याज के बराबर रकम आपको इंस्टैंट डिस्काउंट के रूप में ऑफर कर देता है। इसलिए वो दावा करता है कि आपके लिए इस ईएमआई की कोई लागत नहीं है, लेकिन ऑफर किए जा रहे डिस्काउंट में आमतौर पर सिर्फ ईएमआई का ब्याज शामिल होता है, उस ब्याज पर सरकार की तरफ से वसूला जाने वाला जीएसटी नहीं। मिसाल के तौर पर अगर क्रेडिट कार्ड ईएमआई का ब्याज सालाना 20 फीसदी है, तो आपको उस पर 18 फीसदी जीएसटी देना होगा, जो ईएमआई की कुल रकम के 3.6 फीसदी के बराबर होगा।

यह भी संभव : हो सकता है आपको प्रोसेसिंग फीस या किसी और चार्ज के रूप में कुछ और पैसे भी देने पड़ें। इसलिए अगर आप क्रेडिट कार्ड की खरीदारी को ईएमआई या नो कॉस्ट ईएमआई में तब्दील कराने की सोच रहे हैं, तो पहले इन सभी अतिरिक्त लागतों को जोड़कर उसकी लागत निकालें और तभी कोई फैसला करें।

- निवेश में विविधता लाएं, निवेश बढ़ाते जाएं
- अपने पोर्टफोलियो का नए सिरे से आकलन करें
- बाजार के मूड और माहौल के हिसाब से करें निवेश
- अलग-अलग एसेट क्लास में अपना पैसा अलोकेट करें
- अक्टूबर इक्विटी मार्केट के लिए सबसे अस्थिर महीना रहा

डायवर्सिफिकेशन के सूत्र को अपनाएं

बिजनेस डेस्क

अगर आप निवेशक हैं तो आपको अपने पोर्टफोलियो का नए सिरे से आकलन करना चाहिए। न सिर्फ आकलन करना चाहिए, बल्कि बाजार के मूड और माहौल के हिसाब से अलग अलग एसेट क्लास में अपना पैसा अलोकेट करना चाहिए, ताकि आपके पोर्टफोलियो को डाइवर्सिफिकेशन मिले और रिस्क को मैनेज करते हुए बेहतर रिटर्न हासिल हो सके। किस मार्केट साइकिल में आपको कितना पैसा कहां मसलन इक्विटी, गोल्ड, बांड या ऐसे दूसरे एसेट एसेट क्लास में होना चाहिए, इसका अपना खास महत्व है। एक ब्रोकरेज हाउस ने मल्टी एसेट अलोकेशन को लेकर अपनी एक रिपोर्ट दी है। इस रिपोर्ट में उसने कई अहम बिंदुओं को उठाया है। रिपोर्ट में बताया गया है कि आप किस तरह से अपने पोर्टफोलियो को डाइवर्सिफाई कर खुद को अमीर बना सकते हैं और कैसे अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं।

अभी किस एसेट पर क्या है व्यू

इक्विटी-'रीजनेबल प्राइस पर ग्रोथ'

रिपोर्ट के मुताबिक अक्टूबर 2023 की बात करें तो यह इक्विटी मार्केट के लिए एक अस्थिर महीना साबित हुआ, क्योंकि इस दौरान निफ्टी 50 टॉप लेवल से 6 फीसदी तक करेक्ट हुआ है। इस गिरावट का कारण बनने वाले कुछ महत्वपूर्ण फैक्टर थे। पहलाः यूएस 10-ईयर बांड यील्ड में ग्रोथ। दूसराः मिड ईस्ट में चल रहे जियो-पॉलिटिकल टेंशन। तीसराः बढ़ती और अस्थिर कच्चे तेल की कीमतें। चौथाः कंजम्पशन ग्रोथ में नरमी।

ये रहे विनर

हालांकि, स्मॉल और मिडकैप पिछले एक साल में 29% और 25% की ग्रोथ के साथ विनर रहे हैं। यहां से आगे, बाजार में एक स्टाइल और सेक्टर रोटेशन देखने की संभावना है, पिछले कुछ महीनों में मिडकैप और स्मॉलकैप की मजबूत पकड़ के साथ, ब्रोकरेज हाउस का मानना है कि लार्जकैप की तुलना में कुछ पॉकेट्स में मौजूदा स्तरों पर सेफ्टी मार्जिन कम हो गया। इसे ध्यान में रखते हुए, ब्रॉडर मार्केट में निकट अवधि में कुछ समय के लिए करेक्शन देखा जा सकता है और फ्लो लार्जकैप की ओर ट्रांसफर होने की संभावना है।

ये सेफ्टी मार्जिन दे रहे

मौजूदा वैल्युएशन पर, हाई बांड यील्ड, बढ़ती कच्चे तेल की कीमतों और मजबूत डॉलर सूचकांक के मौजूदा सीनेरियो के बीच लार्जकैप, मिडकैप और स्मॉलकैप की तुलना में अधिक सेफ्टी मार्जिन प्रदान करते हैं। बहरहाल, ब्रॉडर मार्केट की लॉन्ग टर्म स्टोरी आकर्षक बनी हुई है और इस संदर्भ में, 'रीजनेबल प्राइस पर ग्रोथ' थीम वर्तमान समय में आकर्षक लग रही है। ब्रोकरेज ने दिसंबर 2023 के लिए निफ्टी का टारगेट 20,200 पर बनाए रखा है।

बॉन्ड मार्केट

कुछ ब्रोकरेज हाउस जोखिम उठाने की क्षमता के आधार पर कुछ नॉन-एएए एक्सपोजर वाले बॉन्ड के लिए क्वालिटी अप्रोच का रिकमेंडेशन करते हैं।

गोल्ड

गोल्ड पर ब्रोकरेज हाउस ने न्यूट्रल स्टांस जारी रखा है और 'गिरावट पर खरीदारी' की रणनीति की सलाह दी है।

करंसी मार्केट को ये देते हैं दिशा

1. एफओएमसी मीटिंग में ब्याज दरों को लेकर आगे क्या फैसला आता है
2. विकसित अर्थव्यवस्थाओं में ग्रोथ
3. तेल की कीमतें
4. कमोडिटी प्रॉसेस की दिशा
5. महंगाई और विकास की गतिशीलता
6. विदेशी प्रवाह की दिशा

बल्क/ब्लॉक/इनसाइडर डील क्या है?

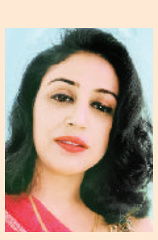

दीपशा तनेजा
फाइनेंसियल एडवाइजर

स्टॉक में निवेश करने वाले जरूर जान लें इन टर्म के बारे में, थोक डील एक ऐसा व्यापार, जहां एक एकल निवेशक लेनदेन के माध्यम से इक्विटी शेयर खरीदता या बेचता है

याद रखें कि थोक सौदे आपके समग्र विश्लेषण में केवल एक कारक हैं, और इस जानकारी को एक व्यापक ट्रेडिंग रणनीति के साथ एकीकृत करना महत्वपूर्ण है। इसके अतिरिक्त, हमेशा जानकारी को सत्यापित करें, बाज़ार नियमों के बारे में सूचित रहें और व्यापारिक निर्णय लेने से पहले वित्तीय पेशेवरों से परामर्श करने पर विचार करें।

शेयर बाजार में बल्क यानी थोक सौदे, व ब्लॉक डील बहुत महत्वपूर्ण है। स्टॉक में निवेश करने वालों को इन टर्म के बारे में पता होना चाहिए। शेयर बाजार में इन दो लोकप्रिय प्रकार के सौदों के अलावा, एक और प्रकार का सौदा होता है जो ऐसे व्यक्तियों द्वारा होता है जो कंपनी के बारे में आंतरिक जानकारी तक पहुंच रखने वाले प्रमोटर या निवेशक समूह होते हैं। इस प्रकार के सौदों को अंदरूनी सौदे यानी इनसाइडर डील के रूप में जाना जाता है। अब इन्हें और विस्तार से समझते हैं। थोक डील क्या है? बल्क यानी थोक डील एक ऐसा व्यापार है जहां एक एकल निवेशक एक लेनदेन के माध्यम से किसी कंपनी के 0.5% से अधिक इक्विटी शेयर खरीदता या बेचता है। इसलिए, उदाहरण के लिए, यदि कंपनी ए के पास कुल बकाया शेयरों की संख्या 1 करोड़ है, तो एक थोक सौदे में एक ही लेनदेन में कम से कम 50,000 शेयर (1 करोड़ का 0.5%) खरीदना या बेचना शामिल होगा। सभी एनएसई थोक सौदे नेशनल स्टॉक एक्सचेंज को रिपोर्ट किए जाते हैं, और सभी बीएसई थोक सौदे वास्तविक समय में बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज को रिपोर्ट किए जाते हैं और दिन के अंत में जनता के लिए उपलब्ध होते हैं। तो, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर किए गए कोई भी थोक सौदे एनएसई थोक सौदे हैं, जबकि यदि बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर थोक सौदे किए जाते हैं, तो वे बीएसई थोक सौदे हैं। ये सौदे संस्थागत निवेशकों, म्यूचुअल फंड और अन्य बड़े बाजार सहभागियों की व्यापारिक गतिविधि में अंतर्दृष्टि प्रदान कर सकते हैं, जो स्टॉक की कीमत और समग्र बाजार धारणा को प्रभावित कर सकते हैं।

ब्लॉक डील क्या है?

एनएसई ब्लॉक डील या बीएसई ब्लॉक डील थोक डील से काफी अलग हैं; ब्लॉक डील के मामले में, दो ज्ञात पक्षों के बीच एक सहमत मूल्य पर न्यूनतम 10 करोड़ रुपये मूल्य के बड़ी संख्या में शेयरों की खरीद या बिक्री होनी चाहिए। हाँ! एक ब्लॉक डील में, खरीदार और विक्रेता दोनों पहले से ही एक-दूसरे को जानते हैं, और सौदे पर ऑफ-मार्केट बातचीत की जाती है, जिसका अर्थ है कि इसे नियमित ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म के माध्यम से निष्पादित नहीं किया जाता है जहां अधिकांश खुदरा निवेशक शेयर खरीदते और बेचते हैं। ब्लॉक डील को विशेष ₹ब्लॉक डील विंडो₹ पर एकल लेनदेन के माध्यम से अलग से निष्पादित किया जाता है, जो आम तौर पर सुबह के सत्र में केवल 35 मिनट के लिए खुला होता है।

बल्क सौदे बनाम ब्लॉक सौदे डील का आकार

ब्लॉक डील

इसमें बड़ी मात्रा में शेयर शामिल होते हैं, जो आमतौर पर स्टॉक एक्सचेंज द्वारा निर्धारित पूर्वनिर्धारित न्यूनतम सीमा से अधिक होते हैं (उदाहरण के लिए, 5,00,000 शेयर या भारत में न्यूनतम मूल्य 5 करोड़ रुपये)। ब्लॉक डील का आकार पर्याप्त होता है, और लेनदेन मूल्य महत्वपूर्ण हो सकता है।

बल्क डील

इसमें पर्याप्त मात्रा में शेयर शामिल होते हैं, लेकिन स्टॉक एक्सचेंज द्वारा परिभाषित कोई विशिष्ट न्यूनतम मात्रा नहीं होती है। किसी कंपनी के इक्विटी शेयरों के न्यूनतम 0.5% वाले लेनदेन को अक्सर थोक सौदे माना जाता है। थोक सौदे का आकार महत्वपूर्ण है लेकिन ब्लॉक सौदे जितना बड़ा नहीं हो सकता है।

निष्पादन

ब्लॉक डील

एक विशेष व्यापार के माध्यम से निष्पादित। स्टॉक की कीमत पर प्रभाव को कम करने के लिए नियमित बाजार घंटों से अलग विंडो या तंत्र। ब्लॉक डील के लिए ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म को बड़े लेनदेन को कुशलतापूर्वक संभालने के लिए डिजाइन किया गया है।

थोक सौदा

सामान्य बाजार घंटों के दौरान स्टॉक एक्सचेंज के नियमित ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म पर निष्पादित। लेन-देन नियमित बाजार गतिविधि के साथ एकीकृत होते हैं और स्टॉक की कीमत पर तुलनात्मक रूप से कम प्रभाव पड़ सकता है।

प्रकटीकरण

ब्लॉक डील

मात्रा, कीमत और प्रतिभागियों सहित ब्लॉक डील विवरण का तत्काल और अनिवार्य खुलासा आवश्यक है। यह बाजार में पारदर्शिता और सूचना का समय पर प्रसार सुनिश्चित करता है।

थोक सौदा

ब्लॉक सौदों की तुलना में थोक सौदों के लिए प्रकटीकरण आवश्यकताएँ कम कठोर हैं। हालाँकि एक्सचेंजों को प्रकटीकरण की आवश्यकता होती है, यह प्रक्रिया तत्काल या विस्तृत नहीं हो सकती है।

प्रतिभागी

ब्लॉक डील

इसमें आमतौर पर संस्थागत निवेशक, म्यूचुअल फंड या बड़े वित्तीय संस्थान शामिल होते हैं। संस्थागत प्रतिभागी अक्सर बाजार पर अत्यधिक प्रभाव डाले बिना महत्वपूर्ण लेनदेन निष्पादित करने के लिए ब्लॉक डील में संलग्न होते हैं।

थोक सौदा

इसमें खुदरा निवेशकों, उच्च निवल मूल्य वाले व्यक्तियों और छोटे संस्थागत खिलाड़ियों सहित प्रतिभागियों का एक विविध समूह शामिल हो सकता है। कठोर न्यूनतम मात्रा सीमा के अभाव के कारण थोक सौदे प्रतिभागियों की एक विस्तृत श्रृंखला को आकर्षित कर सकते हैं।

ध्यान रखें

हालांकि, व्यापक दृष्टिकोण से, थोक सौदे और ब्लॉक सौदे दोनों समान लगते हैं, क्योंकि इसमें महत्वपूर्ण मात्रा में शेयरों की खरीद या बिक्री शामिल होती है। हालाँकि, उनमें से प्रत्येक की विशिष्ट विशेषताएं हैं, जिन्हें चार मापदंडों के आधार पर समझाया गया है। संक्षेप में, थोक और ब्लॉक सौदों के बीच मुख्य अंतर उनके आकार मानदंड, निष्पादन के तरीके और बाजार दृश्यता पर प्रभाव हैं। दोनों सौदों में महत्वपूर्ण संख्या में शेयर शामिल हैं, लेकिन ब्लॉक सौदे पूर्ण मात्रा/मूल्य पर अधिक केंद्रित होते हैं और बाजार के प्रभाव को कम करने के लिए ऑफ-मार्केट निष्पादित किए जाते हैं। दूसरी ओर, थोक सौदे नियमित ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म पर निष्पादित किए जाते हैं, जो बाजार की कीमतों को प्रभावित कर सकते हैं।

इनसाइडर डील क्या है?

जैसा कि ऊपर चर्चा की गई है, ये सौदे प्रमोटर समूहों या निवेशक समूहों के व्यक्तियों द्वारा किए जाते हैं। लेकिन चूंकि ऐसे व्यक्तियों के पास कंपनी के बारे में आंतरिक जानकारी तक पहुंच होती है, इसलिए अनुचित लाभ या स्टॉक में हेरफेर को रोकने के लिए, बाजार नियामक, भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) द्वारा ऐसे सौदों की बारीकी से निगरानी की जाती है। अंदरूनी व्यापार को आम तौर पर तब अवैध माना जाता है जब इसमें कंपनी के व्यक्तियों द्वारा गैर-सार्वजनिक जानकारी के आधार पर शेयरों का व्यापार शामिल होता है। हालाँकि, यह ध्यान रखना आवश्यक है कि हालाँकि अंदरूनी सौदे एक चिंता का विषय हैं, लेकिन अंदरूनी सूत्रों द्वारा किए गए सभी लेनदेन अवैध नहीं हैं। अंदरूनी सूत्रों को कुछ शर्तों के तहत अपनी कंपनी की प्रतिभूतियों का व्यापार करने की अनुमति है, जैसे विशिष्ट रिपोर्टिंग आवश्यकताओं का पालन करना और महत्वपूर्ण गैर-सार्वजनिक जानकारी के आधार पर व्यापार करने से बचना।

ट्रेडिंग अवसरों की पहचान कैसे करें?

थोक डील डेटा तक पहुंचें

एनएसई अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर थोक सौदों की जानकारी प्रदान करता है। आप दैनिक थोक डील डेटा पा सकते हैं जिसमें स्टॉक का नाम, कारोबार की मात्रा, कारोबार की कीमत और खरीदारों और विक्रेताओं के नाम जैसे विवरण शामिल हैं।

थोक सौदों के महत्व को समझें

पहचानें कि थोक सौदों में बड़े लेनदेन शामिल होते हैं, और संस्थागत निवेशक या उच्च-निवल मूल्य वाले व्यक्ति अक्सर इन सौदों में भाग लेते हैं। थोक सौदों के माध्यम से स्वामित्व में एक महत्वपूर्ण बदलाव बाजार की धारणा में बदलाव का संकेत दे सकता है।

रुझान और पैटर्न देखें

रुझानों और पैटर्न की पहचान करने के लिए विशिष्ट शेयरों के ऐतिहासिक थोक सौदे डेटा विश्लेषण करें। आवर्ती खरीदारों या विक्रेताओं, व्यापारिक गतिविधि में वृद्धि, या समय के साथ थोक सौदों की एक श्रृंखला की तलाश करें।

कारोबार की मात्रा पर विचार करें

थोक सौदे में कारोबार किए गए शेयरों की मात्रा पर ध्यान दें। स्टॉक के औसत ट्रेडिंग वॉल्यूम के सापेक्ष बड़ी मात्रा निवेशकों की बढ़ी हुई रुचि या संभावित संस्थागत गतिविधि का संकेत दे सकती है। थोक सौदों से जुड़े मूल्य उतार-चढ़ाव का मूल्यांकन करें। एक थोक सौदे के बाद एक महत्वपूर्ण मूल्य परिवर्तन यह संकेत दे सकता है कि सौदे ने बाजार की धारणा को प्रभावित किया है, और आगे की कीमत में उतार-चढ़ाव की उम्मीद की जा सकती है।

अंदरूनी व्यापार की जांच करें

जबकि थोक सौदे स्वयं अंदरूनी व्यापार का संकेत नहीं दे सकते हैं, असामान्य या अप्रत्याशित व्यापारिक गतिविधि की जांच की जानी चाहिए। किसी भी बाद की घोषणा या समाचार पर नज़र रखें जो थोक सौदे की गतिविधि को समझा सके।

तकनीकी विश्लेषण का प्रयोग करें

संभावित प्रवेश या निकास बिंदुओं की पहचान करने के लिए तकनीकी विश्लेषण उपकरणों और संकेतकों के साथ थोक सौदे की जानकारी को संयोजित करें। चार्ट पैटर्न, समर्थन और प्रतिरोध स्तर और अन्य तकनीकी संकेतों को देखें जो थोक डील डेटा के साथ संरेखित होते हैं।

सेक्टर रुझानों की निगरानी करें

व्यापक बाज़ार संदर्भ और सेक्टर रुझानों पर विचार करें। संभावित व्यापारिक अवसरों का विश्लेषण करते समय विशिष्ट क्षेत्रों या उद्योगों में थोक सौदे अधिक प्रासंगिक हो सकते हैं। बाज़ार समाचार, कंपनी घोषणाओं और व्यापक आर्थिक कारकों पर अपडेट रहें। बाहरी घटनाएं स्टॉक की कीमतों को प्रभावित कर सकती हैं और थोक सौदा गतिविधि को संदर्भ प्रदान कर सकती हैं।

जोखिम प्रबंधन

अपनी पूंजी की सुरक्षा के लिए जोखिम प्रबंधन रणनीतियों को लागू करें। जबकि थोक सौदे बहुमूल्य जानकारी प्रदान करते हैं, किसी भी व्यापारिक अवसर के समग्र जोखिम और इनाम पर विचार करना आवश्यक है।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने शनिवार को यहां एकमात्र टेस्ट क्रिकेट मैच में इंग्लैंड को तीसरे दिन ही रिकॉर्ड 347 रन से करारी शिकस्त देकर इतिहास रचा। भारत ने महिला टेस्ट क्रिकेट में रनों के लिहाज से सबसे बड़ी जीत दर्ज की। उसने श्रीलंका का रिकॉर्ड तोड़ा जिसने 1998 में पाकिस्तान को 309 रन से हराया था। भारतीय टीम ने अपनी दूसरी पारी के स्कोर 6 विकेट पर 186 रन पर समाप्त घोषित करके इंग्लैंड के सामने 479 रन का असंभव लक्ष्य रखा। ऑफ स्पिनर दीप्ति शर्मा (4 विकेट) और तेज गेंदबाज पूजा वस्त्राकर (तीन विकेट) की अगुवाई में भारतीय गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन करके इंग्लैंड को 131 रन पर ढेर कर दिया।

ऐतिहासिक जीत, भारतीय महिला टीम ने इंग्लैंड को रिकॉर्ड 347 रन से हराया

एजेंसी ▶▶ नवी मुंबई

भारत ने अपनी पहली पारी में 428 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया और इसके बाद इंग्लैंड की टीम को 136 रन पर समेट दिया था। यह भारतीय टीम की इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू धरती पर 15 टेस्ट मैच में पहली जीत है। इससे वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अगले सप्ताह होने वाले एकमात्र टेस्ट मैच में बढ़े मनोबल के साथ भाग लेगी।

पिछले तीन दिन में भारतीय टीम ने ऐसी कोई कमजोरी नहीं दिखाई जिससे यह लगे कि वह पिछले दो वर्षों में अपना पहला टेस्ट मैच खेल रही है। यह भारत का पिछले नौ वर्ष में घरेलू धरती पर पहला टेस्ट मैच था।

दीप्ति प्लेयर ऑफ द मैच

दीप्ति प्लेयर ऑफ द मैच रहीं। दीप्ति ने दोनों पारियों को मिलाकर 9 विकेट लिए। दीप्ति ने पहली पारी में 5.3 ओवर में 7 रन देकर 1.27 की इकोनॉमी रेट से 5 विकेट लिए। जबकि दूसरी पारी में उन्होंने 8 ओवर में 32 रन देकर 4 की इकोनॉमी रेट से 4 विकेट लिए। दीप्ति ने पहली पारी में शानदार बल्लेबाजी करते हुए 67 रन भी बनाए थे।

सबसे बड़ी जीत

मैच	जीत	साल
भारत/इंग्लैंड	347	2023
श्रीलंका/पाकिस्तान	309	1998
न्यूजीलैंड/द.अफ्रीका	188	1972
आस्ट्रेलिया/इंग्लैंड	186	1949
इंग्लैंड/न्यूजीलैंड	185	1949

पहले दिन चार अर्धशतक

मुंबई में टेस्ट के पहले दिन भारत ने 7 विकेट पर 410 रन बनाए। शुभा सतीश (69 रन), जेमिमा रोड्रिगेज (68 रन) और यास्तिका भाटिया (66 रन) ने अर्धशतक जमाए। दीप्ति शर्मा 60 और पूजा वस्त्राकर 4 रन बनाकर नॉटआउट रहीं। इंग्लैंड से लौरेन बेल ने 2 विकेट लिए। पूरी खबर पढ़ने के लिए यहां क्लिक करें।

दूसरे दिन गिरे 19 विकेट

दूसरे दिन के खेल में 19 विकेट गिरे। इनमें इंग्लैंड के 10 और भारत के 9 विकेट शामिल रहे। दूसरे ही दिन इंडिया विमेंस टीम अपनी पहली पारी में 428 रन बनाकर ऑलआउट हुई। दूसरी पारी में भारत ने 6 विकेट पर 186 रन बनाए।

9 साल बाद घर में खेला टेस्ट मैच

भारतीय महिला टीम 9 साल बाद घर में टेस्ट मैच खेलने उतरी थी। इससे पहले 2014 में महिला टीम घरेलू जमीन पर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट खेली थी। हालांकि इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट के बाद भारतीय टीम को अगले टेस्ट के लिए ज्यादा लंबा इंतजार नहीं करना पड़ेगा। 21 दिसंबर से ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच वानखेड़े में टेस्ट मैच खेला जाएगा। इसके बाद दोनों टीमों के बीच तीन वनडे और तीन टी20 मैचों की सीरीज होगी।

खबर संक्षेप

भुजाहीन शीतल देवी ने जीता स्वर्ण पदक

नई दिल्ली। पैर से तीर चलाने वाली पैरा तीरंदाज शीतल देवी ने शानदार फॉर्म जारी रखते हुए शनिवार को यहां शुरुआती खेलो इंडिया पैरा खेलो के कम्पाउंड वर्ग के ओपन वर्ग में स्वर्ण पदक अपने नाम किया। शीतल का 141 का स्कोर उत्तर प्रदेश की ज्योति बालियान की चुनौती को पस्त करने के लिए काफी था जिन्होंने 138 के स्कोर के साथ रजत पदक जीता। शीतल ने हाल में हांगझोउ एशियाई पैरा खेलों में एक स्वर्ण सहित दो पदक जीते थे। हरियाणा की सरिता ने 137 अंक के साथ कांस्य पदक जीता।

महिला बल्लेबाज शुभा के उंगली में फ्रैक्चर

नई दिल्ली। भारत की महिला बल्लेबाज शुभा सतीश की उंगली में 'फ्रैक्चर और डिस्लोकेशन' के कारण ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अगले सप्ताह खेले जाने वाले टेस्ट मैच में खेलना संदिग्ध हो गया है। शुभा ने इंग्लैंड के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच की पहली पारी में सबसे ज्यादा 69 रन बनाने के अलावा जेमिमा रोड्रिग्स के साथ 115 रन की साझेदारी की थी। इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट पदार्पण पर अर्धशतक जड़ने वाली इस बल्लेबाज की चोट के बारे में शनिवार को कप्तान हरमनप्रीत कौर ने यह जानकारी दी।

नई शुरुआत करने उतरेगा भारत द.अफ्रीका के खिलाफ वनडे आज

एजेंसी ▶▶ जोहानिसबर्ग

विश्व कप के फाइनल में पराजय का कड़वा स्वाद चखने के बाद भारतीय टीम दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ रविवार को यहां होने वाले पहले एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच से इस प्रारूप में नई शुरुआत करने के लिए उतरेगी। जिसमें नई पीढ़ी के उसके कई खिलाड़ी अपनी जीवंत उपस्थिति दर्ज कराने के लिए बेताब होंगे। अब जबकि टी20 विश्व कप पास में है तब वनडे श्रृंखला की प्रासंगिकता को लेकर सवाल उठाए जा सकते हैं लेकिन 2025 में होने वाली आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी को देखते हुए भारत ही नहीं दक्षिण अफ्रीका के लिए भी अपने नए खिलाड़ियों को आजमाने का यह बेहतरीन मौका होगा। विराट कोहली और रोहित शर्मा ने पिछले डेढ़ दशक में सीमित ओवरों की क्रिकेट में अपनी विशेष छाप छोड़ी है, लेकिन अब उनका कॅरियर अवसान पर है और ऐसे में उनकी विरासत को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी युवा पीढ़ी पर है। इन परिस्थितियों में सबसे ज्यादा ध्यान केएल राहुल पर रहेगा जो तीन मैच की श्रृंखला में टीम की अगुवाई करेंगे। वह पहले भी भारतीय टीम की कप्तानी कर चुके हैं लेकिन इस श्रृंखला में सफलता मिलने पर उन्हें लंबी अवधि के लिए वनडे टीम की कमान सौंपी जा सकती है।

■ भारत की युवा पीढ़ी के क्रिकेटर बिखेरेंगे जलवा

मध्यक्रम प्रदर्शन को बेताब

राहुल, अस्वस्थ होने के कारण टी20 श्रृंखला में नहीं खेल पाने वाले रुतुराज गायकवाड़ और श्रेयस अय्यर जैसे खिलाड़ी पहले भी अपने कौशल का परिचय दे चुके हैं, लेकिन कुछ अन्य खिलाड़ी अपनी क्षमता का प्रदर्शन करने के लिए बेताब होंगे। इन खिलाड़ियों में रिंकू सिंह भी शामिल है जिन्होंने इस साल टी20 क्रिकेट में अपनी छाप छोड़ी है। टीम प्रबंधन उन्हें 50 ओवरों के प्रारूप में भी आजमाना चाहेगा। रजत पाटीदार को भी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में खेलने का मौका मिल सकता है। इसी तरह से भारद्वाज साईं सुदर्शन और तिलक वर्मा को भी मध्यक्रम में जगह मिल सकती है।

टीम इस प्रकार हैं

भारत : केएल राहुल (कप्तान), रुतुराज गायकवाड़, साई सुदर्शन, तिलक वर्मा, रजत पाटीदार, रिंकू सिंह, श्रेयस अय्यर, संजू सैमसन, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, युजवेंद्र चहल, मुकेश कुमार, अवेश खान, अर्शदीप सिंह, आकाश दीप।

दक्षिण अफ्रीका : मार्कराम (कप्तान), बार्टमैन, नांद्रे बर्गर, टोनी डी जोरजी, रीजा हेंड्रिक्स, हेनरिक क्लासेन, केशव महाराज, मपोंगवाना, डेविड मिलर, वियान मुल्डर, फेहलुकवायो, तबरेज शम्सी, रासी वैन डेर डुसेन, काइल वेरिन , लिजाद विलियम्स।

शमी टेस्ट से और चाहर वनडे श्रृंखला से बाहर

मुंबई। भारत को दक्षिण अफ्रीका में पहली टेस्ट श्रृंखला जीतने की अपनी कवायद में मोहम्मद शमी की सेवाएं नहीं मिलेंगी क्योंकि चिकित्सा टीम ने इस तेज गेंदबाज को दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला में खेलने के लिए मंजूरी नहीं दी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने शनिवार को यह जानकारी दी। वनडे विश्व कप में शानदार प्रदर्शन के बाद टखने की चोट से जूझ रहे शमी को टेस्ट टीम में शामिल किया गया था। इस बीच तेज गेंदबाज दीपक चाहर भी निजी कारणों से एकदिवसीय टीम से हट गए हैं। उनकी जगह तेज गेंदबाज आकाशदीप को वनडे टीम में शामिल किया गया है।

आयुष-सतीश में होगा ओडिशा मास्टर्स का खिताबी मुकाबला

एजेंसी ▶▶ कटक

विश्व जूनियर चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता आयुष शेट्टी ने शनिवार को यहां इंडोनेशिया के अलवी फरहान को तीन गेम तक चले रोमांचक मैच में हराकर ओडिशा मास्टर्स सुपर 100 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष एकल के फाइनल में प्रवेश किया, जहां उनका सामना एक अन्य भारतीय खिलाड़ी सतीश कुमार करुणाकरण से होगा। कर्नाटक के रहने वाले आयुष ने शनिवार को हालांकि फरहान को 19-21, 21-14, 22-20 से पराजित किया और पहली बार सुपर 100 टूर्नामेंट के सेफा में जगह बनाई। आयुष रविवार को फाइनल में हमवतन सतीश का सामना करेंगे। सतीश ने पिछली बार के चैंपियन किरण जॉर्ज को 41 मिनट में 21-18, 21-14 से पराजित करके फाइनल में जगह बनाई। सतीश भी पहली बार सुपर 100 टूर्नामेंट के फाइनल में खेलेंगे। तनीषा क्रास्टो और ध्रुव कपिला की मिश्रित युगल जोड़ी भी फाइनल में पहुंच गई है। सेमीफाइनल में उन्होंने डेनमार्क की तीसरी वरीयता प्राप्त मैड्स और क्रिस्टीन बुश की जोड़ी को 21-14, 21-14 से हराया।

स्पेन ने भारत को कांस्य पदक मैच में हराया

कुआलालंपुर। भारत की शनिवार को यहां जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप के कांस्य पदक के प्लेऑफ में सम्मान बचाये रखने की उम्मीद स्पेन से 1-3 से मिली हार से टूट गई। स्पेन के लिए निकोलस अल्वारेज ने 25वें और 51वें मिनट में और पेटचामे पाउ ने 40वें मिनट में गोल दागा। भारत के लिए एकमात्र गोल सुनील जोजो ने 28वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर से किया। दो बार की जूनियर विश्व चैंपियन की पेनल्टी कॉर्नर को गोल में तब्दील नहीं कर पाने की कमजोरी शनिवार को फिर सामने आई। टूर्नामेंट के इस चरण में भारत को स्पेन से दूसरी बार हार का सामना करना पड़ा। पूल चरण में भी भारत इस यूरोपीय टीम से 1-4 से हार गया था।

रियल कश्मीर ने शिलांग लाजोंग को 3-1 से हराया

श्रीनगर। रियल कश्मीर फुटबॉल क्लब ने अपनी जीत का सिलसिला जारी रखते हुए शनिवार को आई-लीग फुटबॉल टूर्नामेंट के पहले दौर के अपने आखिरी घरेलू मैच में शिलांग लाजोंग एफसी को 3-1 से हराया। कमल इसाह ने मैच के पांचवें मिनट में ही रियल कश्मीर का खाता खोल दिया लेकिन 16वें मिनट में करीम साम्ब ने गोल कर स्कोर 1-1 कर दिया। ग्नोहरे क्रिजो और मोहम्मद इनाम ने दूसरे हाफ में गोल किए जिससे टीम की बढ़त को 3-1 हो गई।

PROCLAIMATION OF SALE OF MOVABLE PROPERTY
(Order XXI Rule 66 of the code of Civil Procedure)
IN THE COURT OF SH. SURINDER S. RATHI DISTRICT JUDGE COMMERCIAL COURT -03 KKD DELHI
C.S.COMM-170/2022
EX.COMM-92/2023
SH. UTSAV BANSAL
.....Decree-Holder
Versus
PRETTY ELECTRICALS INDIA PVT. LTD.
.....Judgment Debtor
1.Pretty Electricals India Pvt. Ltd.
(Through its Directors (s)/Principal Officer)
Having Registered Office at,-44/1 G.T. Road 3rd Floor Howrah, North West Bengal-71101
Also at- 1/432/1 Basement, 1st, 3rd, 4th Street No-2, Industrial Area, Shahdara Delhi-110095
Also at- Plot No. 340A/10/1, Friends Colony Industrial Area, Street 1 A, Shahdara, Delhi -110053 Vivek Vihar, Phase-2
2.Akash Sancheti
3.Ichha Devi Sancheti,
Both having Address at:-A-136, 3rd Floor, Vivek Vihar Phase-2

Notice to hereby given that the right, title and interest of judgment Debtor in the under mentioned movable property raised by virtue of a merit of Execution issued out of this court upon the application of the decree Holder against the Judgment Debtor above named will be put up for sale at- Rajender Bansal S/o Seva Ram Bansal R/o G-154, Preet Vihar, Delhi- Movable Property i.e. total twenty one and half Die tool Machine and sold to the highest bidder as on **22/01/2024.** The Said Movable property is being sold as it is.

Given under my hand and seal of the court on this 14 day of December, 2023.

(SURINDER S. RATHI)
SEAL District Judge Commercial-03
Shahdara District, KKD Delhi.

उत्तर रेलवे

आज़ादी का अमृत महोत्सव

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य कार्यशाला प्रबंधक कार्यालय, रेल कोच नवीनीकरण कारखाना, सोनीपत, उत्तर रेलवे, निम्नलिखित कार्य के लिए ई–निविदा करते हैं।

1	निविदा संख्या	E-File No 130619rt3
2	कार्य का नाम और कार्य स्थान	रेल कोच नविनीकरण कारखाना में बोगी शॉप और कोच फर्निशिंग गतिविधियों के लिए गुणवत्ता प्रबंधन, निरीक्षण और परीक्षण सेवाएं के लिए खुली निविदा
3	अनुमानित लागत	रुपये 1,62,13,200.00/- जीएसटी @ 18% सहित
4	बयाना राशि	रु. 2,31,100.00/-
5	निविदा फार्म का मूल्य	5900.00
6	कार्य अवधि	अवधि कार्य आरंभ होने से बारह महीने
7	निविदा प्रपत्र जमा करने की तथा खुलने की तिथि व समय	दिनांक 30.12.2023 खुलने का समय 12:00 बजे।
8	निविदा प्रपत्र डाउनलोड करने के लिए इंटरनेट साइट	उपरोक्त निविदा IREPS साईट पर उपलब्ध है जो कि है www.ireps.gov.in
9	यदि हिन्दी व इंग्लिश के नोटिस में कोई विरोधाभास है, तो इंग्लिश का नोटिस ही मान्य होगा।	

पत्र सं. E-FileNo130619rt3 दिनांक : 16.12.2023 3950/2023

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

पहचान की अपील

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि एक अज्ञात व्यक्ति जिसका नाम, निवास और परिवार अज्ञात है, जो दिनांक 15.12.2023 को सुबह 10:00 बजे परमानंद अस्पताल, कश्मीरी गेट, दिल्ली के सामने मृत पाया गया। इस संबंध में **डीडी संख्या 35ए, दिनांक 15.12.2023** को **पुलिस थाना कश्मीरी गेट, दिल्ली** में दर्ज किया गया है।

इस अज्ञात मृत व्यक्ति का विवरण इस प्रकार है :

लिंग : पुरुष, **उम्र** : लगभग 30 वर्ष, **कद** : 5'9", **रंग** : गेहुंआ, **पहनावा** : ग्रे ऊनी इनर, भूरा जैकेट, काला पायजामा।

इस अज्ञात मृत शरीर के बारे में यदी कोई जानकारी मिले तो कृपया एसएचओ / कश्मीरी गेट, दिल्ली को सूचित करें।

थानाध्यक्ष
पुलिस थाना कश्मीरी गेट, दिल्ली
फोन नं. : 8750870123
ई–मेल : sho-kashmirigate-dl@nic.in

DP/14465/N/2023

भारत ने दिखाया कि कैसे खेलें : नाइट

नवी मुंबई। इंग्लैंड महिला टीम की कप्तान हीथर नाइट ने शनिवार को स्वीकार किया कि भारत ने उन्हें दिखाया कि इस तरह की मुश्किल परिस्थितियों में कैसे खेलना है। हरमनप्रीत कौर की अगुआई वाली भारतीय टीम ने शनिवार को डीवाई पाटिल स्टेडियम में एकमात्र टेस्ट में इंग्लैंड को तीन दिन के अंदर 347 रन से रौंदकर महिला टेस्ट क्रिकेट में रनों के लिहाज से सबसे बड़ी जीत दर्ज की।

ज्योतिष

फोन करते ही जिन्दगी संवारे
खुदा ने चाहा तो किसी प्यार टूटने नहीं दूगां
खुला चैलेंज 2 घंटो में घर बैठे फोन पर गारंटिड लाभ

7 इल्मों के माहिर
आपके विश्वास का एक ही नाम
21 सालों से एक ही स्थान पर
मियां पठान बंगाली
गोल्ड मेडलिस्ट
स्पे. महावशीकरण, मुठकरनी
लवमैरिज, मनचाहा प्यार, वशीकरण ग्रहक्लेश, जादू-टोना, शादी कारोबार रुकावट, रुठे मनाना, किया-कराया पति-पत्नी अनबन, सौतन-दुश्मन छुटकारा, कोर्ट कचहरी आदि
7500542070
https://www.miyapathanjibangali.com

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

हर्षल का शानदार स्पैल, राजस्थान को 30 रन से हराया

हरियाणा ने जीती विजय हजारे ट्रॉफी

भाषा ▶▶ राजकोट

हरियाणा ने हर्षल पटेल के पुरानी गेंद से मैच का रूख बदलने वाले स्पैल की मदद से शनिवार को यहां विजय हजारे ट्रॉफी के फाइनल में राजस्थान को 30 रन से हराकर ट्रॉफी अपने नाम की। हरियाणा ने 50 ओवर में आठ विकेट पर 287 रन बनाये। राजस्थान की टीम भी सलामी बल्लेबाज अभिजीत तोमर (129 गेंद में 106 रन) और कुणाल सिंह राठौड़ (65 गेंद में 79 रन) की बदौलत इस लक्ष्य के करीब बढ़ रही थी। लेकिन हर्षल (नौ ओवर में 47 रन देकर तीन विकेट) ने अपनी गति बदलने वाली विविधतापूर्ण गेंदबाजी से पांच ओवर के दूसरे स्पैल में मैच का रूख ही बदल दिया जिसमें उन्होंने केवल 16 रन दिये और इन दोनों जमे हुए बल्लेबाजों के विकेट झटककर राजस्थान की उम्मीद तोड़ दी। जिससे पूरी टीम 48 ओवर में 257 रन पर सिमट गयी। आल राउंडर सुमित कुमार (छह ओवर में 34 रन देकर तीन विकेट) की जितनी तारीफ की जाये, उतनी कम है जिन्होंने पहले 16 गेंद में तेजी से नाबाद 28 रन बनाने के बाद राजस्थान के शीर्ष क्रम को झकझोर दिया। इसकी बदौलत उन्हें 'प्लेयर ऑफ द मैच' के अलावा 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' का पुरस्कार भी मिला। उन्होंने टूर्नामेंट में निचले क्रम में बल्लेबाजी करते हुए 100 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से 183 रन बनाने के अलावा 10 मैचों में 18 विकेट झटके। श्रेय हरियाणा के कप्तान अशोक मनेरिया को भी दिया जाना चाहिए जिन्होंने बल्ले से अच्छा प्रदर्शन करने के बाद अपने गेंदबाजों का बखूबी इस्तेमाल किया जिसमें हर्षल को सही समय पर गेंदबाजी पर लगाना अहम रहा जो उनका 'मास्टर स्ट्रोक' साबित हुआ। कभी राजस्थान के कप्तान रह चुके मनेरिया ने हरियाणा को 32 साल (1991 में रणजी ट्रॉफी के बाद) में पहली सीनियर राष्ट्रीय ट्रॉफी दिलाने के बाद कोई भी अतिउत्साही जश्न नहीं मनाया। पारी की शुरूआत में आल राउंडर सुमित कुमार अपने पहले ही स्पैल में खतरनाक रहे जिससे राजस्थान की टीम का स्कोर तीन विकेट पर 12 रन हो गया। उसने आईपीएल के दो नियमित खिलाड़ी महीपाल (02) और कप्तान दीपक हुड्डा (शून्य) के विकेट गंवा दिये।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109

लाल सागर में माल्टा के मालवाहक जहाज को लुटेरों से रेस्क्यू करने में जुटी भारतीय नौसेना

मदद के लिए अरब सागर में सर्विलांस एयरक्राफ्ट और युद्धक जहाज भेजा

भारतीय नौसेना का एयरक्राफ्ट लगातार माल्टा के जहाज पर नजर रख रहा है और जहाज की मूवमेंट की निगरानी कर रहा है।

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय नौसेना ने अरब सागर में लुटेरों से माल्टा का झंडा लगे एक मालवाहक जहाज को रेस्क्यू करने में जुटी है। नौसेना ने तुरंत कार्रवाई करते हुए अपने एक सर्विलांस एयरक्राफ्ट और युद्धक जहाज को भेजा और लगातार माल्टा के जहाज की निगरानी की जा रही है। फिलहाल माल्टा का ये मालवाहक जहाज सुरक्षित सोमालिया के तट के नजदीक पहुंच गया है।

हूती समूह ने लाइबेरिया के जहाजों पर दागी मिसाइलें

इजराइल-हमास के युद्ध के बीच यमन के हूती समूह ने लाल सागर कॉरिडोर में लाइबेरिया के जहाजों पर मिसाइल दागी। यूएस सेंट्रल कमांड ने इसकी जानकारी दी। शुक्रवार को बाब अल मंडेब जलडमरूमध्य के पास लाल सागर में यमन के हूती विद्रोहियों ने एक कार्गो जहाज पर बैलिस्टिक मिसाइलें दागी। इस हमले के कुछ घंटे पहले भी एक जहाज पर हमला किया गया था। यूएस सेंट्रल कमांड ने एक्स पर पोस्ट जारी करते हुए बताया कि सना समय के अनुसार 15 दिसंबर को करीब 0900 बजे हूती द्वारा यूएवी लॉन्च किया गया, जिसने लाइबेरिया के झंडे वाले मोटर जहाज अल जेएएसआरएएच को टक्कर मार दी, जिससे इसमें आग लग गई।

अरब सागर में समुद्री लुटेरों का बड़ा खतरा

भारतीय नौसेना ने बताया कि माल्टा के मालवाहक जहाज पर 18 क्रू मेंबर तैनात हैं। क्रू के सदस्यों ने यूकेएमटीओ पोर्टल पर 14 दिसंबर 2023 को एक संदेश भेजा था, जिसमें बताया गया था कि छह अज्ञात लोग जहाज की तरफ बढ़ रहे हैं। इस सूचना पर नौसेना ने तुरंत कार्रवाई करते हुए अपने सर्विलांस एयरक्राफ्ट को माल्टा के जहाज की मदद के लिए रवाना किया। नौसेना के एक अधिकारी ने बताया कि पूरी स्थिति पर इलाके में अन्य एजेंसियों के साथ समन्वय कर करीबी नजर रखी जा रही है। अधिकारी ने कहा कि भारतीय नौसेना अंतरराष्ट्रीय साझेदारों और मित्र देशों के साथ क्षेत्र में सबसे पहले मदद करने और व्यापारी जहाजों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

स्थिति पर काबू पाने की तत्काल कार्रवाई

भारतीय नौसेना ने बताया कि स्थिति पर तुरंत कार्रवाई करते हुए भारतीय नौसेना ने सर्विलांस एयरक्राफ्ट को तुरंत घटनास्थल के लिए रवाना किया। साथ ही नौसेना ने अदन की खाड़ी में तैनात अपने एंटी पाइरेसी पेट्रोल युद्धक जहाज को भी माल्टा के जहाज की मदद के लिए भेजा। नौसेना का एयरक्राफ्ट लगातार माल्टा के जहाज पर नजर रख रहा है और जहाज की मूवमेंट की निगरानी कर रहा है। फिलहाल यह जहाज सोमालिया के तट की तरफ बढ़ रहा है। बता दें कि ब्रिटेन की सरकार की तरफ से जहाजों को सलाह दी गई है कि जब वह अरब सागर में सोमालिया के नजदीक से गुजरें तो अलर्ट रहें। दरअसल इस इलाके में समुद्री लुटेरों के कई गिरोह सक्रिय हैं। सलाह दी गई है कि जहाज अलर्ट रहें।

लॉन्चपैड पर 300 आतंकवादी

फिर सीमा पर बड़ी साजिश की तैयारी में पाक! हाई अलर्ट पर भारतीय सेना

एजेंसी ▶▶ पुलवामा

पाकिस्तान एक बार फिर बड़ी संख्या में घुसपैठियों को भारत में घुसाने की फिराक में है। खुफिया जानकारी के अनुसार, थोड़े बहुत नहीं बल्कि 250 आतंकी तक भारत में घुसने की कोशिश में हैं। सीमा पार बने लॉचिंग पैड से आतंकियों की घुसपैठ हो सकती है।

इसे लेकर सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने बयान दिया है। बीएसएफ ने कहा कि हमें खुफिया जानकारी मिली है। हम सतर्क हैं और आतंकियों की घुसपैठ को नाकाम करने के लिए तैयार हैं।

सुरक्षा बलों-कश्मीरी लोगों के बीच बड़ा जुड़ाव

यादव ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में सुरक्षा बलों और कश्मीर के लोगों के बीच जुड़ाव बढ़ा है। अगर लोग हमारा सहयोग करें तो हम विकासात्मक गतिविधियों को बेहतर तरीके से आगे बढ़ा सकते हैं।

खुफिया सूचनाओं को हमने गंभीरता से लिया

बीएसएफ के महानिरीक्षक अशोक यादव ने पुलवामा जिले में कहा कि खुफिया सूचनाएं हैं कि 250-300 आतंकवादी लॉन्चपैड पर इंतजार कर रहे हैं, लेकिन हमने और सेना ने सभी संवेदनशील इलाकों पर कब्जा कर लिया है और सतर्क हैं। उन्होंने कहा कि हम घुसपैठ की किसी भी कोशिश को नाकाम करने को लेकर आश्वस्त हैं। उन्होंने कहा कि बीएसएफ और सेना के बहादुर जवान सीमावर्ती इलाकों में सतर्क हैं और घुसपैठ की किसी भी कोशिश को नाकाम कर देंगे। यादव ने कहा कि हम घुसपैठ की किसी भी कोशिश को नाकाम करने को लेकर आश्वस्त हैं।

Authorised Dealers: South Delhi: Lajpat Nagar: Sapphire Hero: 9289923175, Adchini (Main Mehrauli Road)- Pashupati Hero- 9289922381, Pul Prahladpur Badarpur Singla Hero–9289922771, Okhla Phase II: A R C Hero - 9289922461, East Delhi: Durgapuri (Loni Road, Shahadra): Himgiri Hero: 9289922380, PushtaKartar Nagar - Aman Hero - 9289922735, Dilshad Garden - RK Hero- 9289923010, Patparganj Pandav Nagar: Singla Autoneeds Hero- 9289923222 North Delhi: Azadpur - Shraman Automobiles: 9289923185, Rithala (Rohini) - Metro Hero - 9289922597, Budh Vihar: JMD Automotives - 7838685858, Central Delhi: Karol Bagh (Faiz Road): EssAay Hero - 9289922382, Upper India Hero – 9717198198, West Delhi: ROSHAN VIHAR (Najafgarh): Avni Hero- 9289922671, Paschim Vihar (Peeragarhi): Shivganga Hero- 9289922796, Palam Dabri Road (Dwarka): Singla Hero– 9289922530, Tilak Nagar - Khanna Hero- 9289922383, Bali Nagar: Khanna Hero- 9289924309, Nawada: Khanna Hero- 9289924310, Faridabad: Sehgal Hero- 9289922419, Sehgal Hero, NIT – 7217627327 Gurgaon: Himgiri Hero - 9289923046, Sharma Hero, Basai Road Sector 11- 9289923221, Autoneeds Hero - 9289922051, Jaasodha Hero- 9289922495, Himgiri Hero (Wazirabad): 9289924247, Himgiri Hero (Railway Road): 9289924248, Sohna: Auto Links Hero, No.160/2 Delhi Road, Sohna- 9289924089, Noida: Dhansri Hero, H-206A, Sector-63- 9289923044, Uppal Hero- B 124, Sector-5: 9289922462, Singla Hero, C-70, Sector-58: 9289923059; Ghaziabad: Globe Hero- Meerut, Delhi Road - 9289922073, Aman Hero- Shiv Puri, Vijay Nagar- 9289923068 Sahibabad: Sahib Hero- 9289922486 BulandShahr: Shri Durga Hero, Delhi Road, 9289922504; Krishna Hero, Raje Babu Road, 928992241
WT.5655.2023HIN